CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 22°C
न्यूनतम : 12°C

बरेली, मंगलवार 14 अप्रैल 2026 बरेली संस्करण: वर्ष 23 अंक 133 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com बैसाख कृष्ण पक्ष 12 विक्रमी सम्वत् 2083 25 शव्वाल 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

परिसीमन, महिला आरक्षण को लेकर सोनिया गांधी ने सरकार पर साधा निशाना पेज 2

आईपीएल 2026: बेहतरीन प्रदर्शन से पर्पल कैप पर प्रसिद्ध कृष्णा का कब्जा खेल टाइम्स

आखिर सुनी गई आधी आबादी की आवाज सम्पादकीय

ब्रिटेन होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी में शामिल नहीं होगा: स्टार्मर पेज 12

खाड़ी से ओमान तक कोई भी बंदरगाह सुरक्षित नहीं रहेगा

अमेरिका के ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी के ऐलान की धमकी पर ईरान ने किया पलटवार

तेहरान, वार्ता

ईरान- अमेरिका के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी का ऐलान कर दिया है। इसके जवाब में ईरान ने सख्त चेतावनी दी। ईरान की सेना ने कहा है कि अगर उसके बंदरगाहों को निशाना बनाया गया, तो फारस की खाड़ी से लेकर ओमान सागर तक कोई भी बंदरगाह सुरक्षित नहीं रहेगा। इस बयान के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

अमेरिका ने साफ किया है कि वह तय समय से ईरान के सभी बंदरगाहों पर आने-जाने वाले जहाजों को रोकने की कार्रवाई शुरू करेगा। यह फैसला उस

- तेहरान ने ट्रम्प के बयान को अंतर्राष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया
- कहा: ये तो समुद्री डकैती के बराबर

समय लिया गया है जब दोनों देशों के बीच पाकिस्तान में हुई बातचीत बिना किसी समझौते के खत्म हो गई। अमेरिका का कहना है कि यह कदम ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए उठाया गया है। वहीं, ईरान ने इसे अंतर्राष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया और कहा कि ये तो समुद्री डकैती के बराबर है। ईरान की सेना और रिवोल्यूशनरी गार्ड ने साफ कहा है कि समुद्री सुरक्षा सभी के लिए समान होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान के बंदरगाहों को खतरा हुआ, तो पूरे क्षेत्र में किसी भी देश का बंदरगाह सुरक्षित नहीं रहेगा। ईरान ने यह भी संकेत दिया है कि किसी भी सैन्य जहाज के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार यह नाकेबंदी सभी देशों के जहाजों पर लागू होगी। जो ईरानी बंदरगाहों में प्रवेश या वहां से बाहर निकलेंगे। हालांकि गैर-ईरानी बंदरगाहों के बीच जाने वाले जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की अनुमति दी जाएगी।

तेल की कीमतों में आठ प्रतिशत की वृद्धि

मास्को। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हॉर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी की घोषणा के बाद वैश्विक तेल की कीमतों में आठ प्रतिशत का उछाल आया और ब्रेंट क्रूड 102 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। जून का ब्रेंट क्रूड वायदा रविवार रात (भारतीय समयानुसार सोमवार तड़के 3:31 बजे) तक पिछले बंद भाव से 7.76 प्रतिशत बढ़कर 102.59 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि मई का डब्ल्यूटीआई- वायदा 8-2 प्रतिशत बढ़कर 104.51 डॉलर पर पहुंच गया।

भारत सरकार ने हर स्तर पर सहयोग किया: फथाली

- ईरानी राजदूत ने भारतीयों का जताया आभार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। दूसरी ओर पाकिस्तान में हुई शांति वार्ता के असफल रहने के बाद हालात और गंभीर हो गए हैं।

इसी बीच भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथाली ने एक साथ सभी पहलुओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी। इसके साथ ही ईरान का रुख भी साफ किया। फथाली ने सबसे पहले पहले भारत और यहां की जनता का आभार जताया। साथ ही कहा कि संकट के समय भारतीय लोगों ने सच्चे और भरोसेमंद साथी होने का परिचय दिया। इस दौरान फथाली ने भारत सरकार का भी धन्यवाद कहा। इस संकट के समय में भारत सरकार ने जरूरी सभी व्यवस्थाएं करने में मदद की। उन्होंने कहा कि भारत ने हर स्तर पर सहयोग किया, जिससे हालात को संभालने में मदद मिली। उनके मुताबिक, भारत और ईरान के रिश्ते मजबूत और भरोसे पर आधारित हैं, जो संकट के समय और भी स्पष्ट हो जाते हैं। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी के तरफ से होर्मुज स्ट्रेट में नाकाबंदी के एलान पर भी कड़ी प्रतिक्रिया दी।

संक्षिप्त समाचार

खुदरा महंगाई दर मार्च में बढ़कर 3.40 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली। खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में मामूली रूप से बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई, जबकि फरवरी में यह 3.21 प्रतिशत थी। सरकार ने सोमवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़ों के आधार पर, मार्च में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की दर 3.87 प्रतिशत रही, जो पिछले महीने के 3.47 प्रतिशत से अधिक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति क्रमश: 3.63 प्रतिशत और 3.11 प्रतिशत रही। हालांकि, यह मामूली उछाल तत्काल चिंता का विषय नहीं है, क्योंकि समग्र मूल्य वृद्धि अभी भी 4 प्रतिशत के सुविधाजनक और प्रबंधनीय स्तर से नीचे बनी हुई है। आंकड़ों का गहराई से विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है कि शहरों की तुलना में गांवों में महंगाई का दबाव थोड़ा अधिक बना हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई दर 3.63 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि इसके मुकाबले शहरी इलाकों में यह दर 3.11 प्रतिशत के निचले स्तर पर रही। यह अंतर स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि गांवों और शहरों के बीच मूल्य दबाव किस प्रकार भिन्न है। घरेलू बजट में सबसे अहम भूमिका निभाने वाली खाद्य वस्तुओं की कीमतों में हल्का इजाफा देखा गया है।

ट्रम्प की चेतावनी के बीच भारत पहुंचे ईरानी क्रूड के जहाज

नई दिल्ली। अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में जारी जारी है और इसी दौरान लगभग सात साल के लंबे अंतराल के बाद ईरानी कच्चे तेल की खेप भारत पहुंची है। अमेरिका की ओर से दी गई प्रतिबंधों में अस्थायी छूट के चलते करीब 40 लाख (4 मिलियन) बैरल कच्चा तेल लेकर दो सुपरटैंकर भारत के पूर्वी और पश्चिमी तटों पर पहुंचे हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब सप्ताहांत में अमेरिका-ईरान शांति वार्ता विफल हो गई है और वाशिंगटन ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी (ब्लाकेड) का ऐलान किया है। शिप-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, नेशनल ईरानी टैंकर कंपनी द्वारा संचालित फेलिसिटी नामक एक बहुत बड़ा क्रूड कैरियर रविवार देर रात गुजरात के सिक्का तट पर लंगर डाल चुका है। इस जहाज में लगभग 20 लाख (2 मिलियन) बैरल कच्चा तेल है, जिसे मार्च के मध्य में ईरान के खार्ग द्वीप से लोड किया गया था।

प. बंगाल में SIR से बाहर हुए लोग नहीं डाल पाएंगे वोट

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में इसी महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी घमासान चरम पर है। इसी बीच अब विशेष गहण पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है।

कोर्ट ने सोमवार को साफ-साफ कहा कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के खिलाफ अपील लंबित है, उन्हें आगामी पश्चिम बंगाल चुनाव में मतदान करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। राज्य में चल रहे एसआईआर विवाद के बीच सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला चुनावी राजनीति में बड़ा मोड़ माना जा रहा है, जिससे पार्टियों के बीच टकराव और तेज हो सकता है। अदालत ने कहा कि जब तक संबंधित अपीलों पर अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक ऐसे व्यक्तियों को वोट देने की इजाजत देना कानूनी प्रक्रिया के खिलाफ होगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही थी।

जब तक संबंधित अपीलों पर अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक ऐसे व्यक्तियों को वोट देने की इजाजत कानून के खिलाफ होगी: सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट फर्जी मतदान पर सख्त, केंद्र सरकार व चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मतदान से पहले मतदाताओं की बायोमेट्रिक और फेस रिकग्निशन पहचान लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया। यह याचिका भाजपा नेता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने दायर की है। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले पर चुनाव आयोग और केंद्र से जवाब मांगा। अदालत ने यह भी कहा कि ऐसी व्यवस्था लागू करने के लिए नियमों में बदलाव की जरूरत होगी और इससे सरकारी खजाने पर बड़ा वित्तीय बोझ भी पड़ सकता है।

लालू प्रसाद को 'जमीन के बदले नौकरी मामले' में निचली अदालत के सामने पेश होने से छूट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राजद प्रमुख लालू प्रसाद को 'जमीन के बदले नौकरी' मामले की कार्यवाही के दौरान निचली अदालत में पेश होने से छूट दे दी है। न्यायालय श्री प्रसाद की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें सीबीआई के मामले को चुनौती दी गई है। इसमें सक्षम प्राधिकारी से अनिवार्य पूर्व मंजूरी के बिना कथित तौर पर नई पूछताछ और जांच शुरू करने के कदम को भी चुनौती दी गई है। इससे पहले 24 मार्च को, दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस मामले में सीबीआई की प्राथमिकी को रद्द करने से इन्कार कर दिया था। अदालत ने श्री यादव के उस तर्क को खारिज कर दिया था।

मुजफ्फरनगर बनेगा नगर निगम

सीएम योगी ने जनपद को दी 951 करोड़ की सौगात

शाह टाइम्स ब्यूरो

- भारत में जो सुरक्षा-विकास पाकिस्तान उसकी कल्पना भी नहीं कर सकता: योगी
- वृहद रोजगार मेले में 951 करोड़ की 423 परियोजना का शिलान्यास किया

मुजफ्फरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक ओर जहां पाकिस्तान पर तंज कसा, वहीं दूसरी ओर मुजफ्फरनगर को नगर निगम बनाने की बड़ी घोषणा कर विकास की नई दिशा तय की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पाकिस्तान आर्थिक बदहाली से जूझ रहा है और वहां के लोग बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि भारत मजबूती से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में जो सुरक्षा और विकास का माहौल है, उसकी कल्पना भी पाकिस्तान में नहीं की जा सकती। उन्होंने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का स्मरण करते हुए क्षेत्र के किसानों, युवाओं और महिलाओं की भूमिका की सराहना की। उन्होंने क्षेत्र के किसानों, युवाओं और महिलाओं का स्वागत करते हुए उन्हें देश की ताकत बताया। साथ ही किसानों के हितों को राष्ट्रीय एजेंडा में स्थान दिलाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को नमन किया और उनके योगदान को देश के लिए प्रेरणादायक बताया। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर अप्रत्यक्ष निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग प्रदेश की शांति और विकास को बाधित करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन औद्योगिक अशांति फैलाने वाले ऐसे तत्वों से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने मुजफ्फरनगर के विकास के लिए 951 करोड़ रुपये की 423 परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण करते हुए इन परियोजनाओं में शामिल अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की भी जानकारी दी उन्होंने कहा -**शेष पृष्ठ दो पर**

देश के इतिहास में 16, 17 और 18 अप्रैल महत्वपूर्ण: जयंत चौधरी

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय लोक दल के मुखिया एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का सपना चौधरी चरणसिंह और अटल बिहरी वाजपेयी ने 1983 में देखा था और आने वाले समय में यह गठबंधन और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि पहले यूपी में क्या स्थिति थी, यह किसी से छिपा नहीं है, लेकिन अब पारदर्शी तरीके से युवाओं को नौकरियां दी जा रही हैं। कहा कि 2014 से पहले देश में स्टार्टअप पर कोई नीति नहीं थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किसानो की हर समस्या को समझते हैं। चौधरी ने कहा कि देश के इतिहास में 16, 17 और 18 अप्रैल महत्वपूर्ण तिथियां साबित होंगी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में महिला आरक्षण विधेयक महिलाओं को अधिकार दिलाने वाला ऐतिहासिक कदम है।

नोएडा हिंसा के बाद सख्त हुई योगी सरकार

शाह टाइम्स ब्यूरो

- मजदूर-उद्योग विवाद सुलझाने को बनी हाई लेवल कमेटी

लखनऊ/नोएडा। नोएडा में वेतन वृद्धि और न्यूनतम मजदूरी की मांग को लेकर फैक्ट्री कर्मियों द्वारा हिंसक प्रदर्शन के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने तुरंत एक बड़ा कदम उठाते हुए मजदूरों और उद्योगों के बीच बढ़ते तनाव को कम करने की दिशा में पहल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इस कमेटी का मुख्य उद्देश्य मजदूरों के हितों की सुरक्षा के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्रों में शांति और संतुलन बनाए रखना है।

मुजफ्फरनगर: वृहद्ध रोजगार मेले में उप्र के सीएम योगी चयनित उम्मीदवार को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए। साथ में केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी व अन्य।

विधायिका में महिलाओं को आरक्षण 21वीं सदी का सबसे बड़ा निर्णय : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2023 में पेश किए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को 21वीं सदी का एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम को सभी दलों ने सर्वसम्मति से पारित किया, जो महिला सशक्तिकरण के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह कानून दशकों से महसूस की जा रही महिलाओं के लिए लोकतांत्रिक ढांचों में आरक्षण की आवश्यकता को पूरा करता है। पीएम मोदी ने कहा कि सभी दलों ने इसे सर्वसम्मति से पारित किया और विपक्ष ने खास तौर पर 2029 तक महिला आरक्षण कानून लागू करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक ढांचे में महिलाओं को आरक्षण देने की आवश्यकता दशकों से महसूस की जाती रही है। उन्होंने कहा कि भारत की 'नारी शक्ति' ने देश के विकास में बड़ा योगदान दिया है। नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा कि मैं यहां किसी को उपदेश देने या जागरूक करने नहीं, बल्कि देश की महिलाओं का आशीर्वाद लेने आया हूं।

पीएम मोदी आज देंगे दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर की सौगात

एस. आलम अंसारी

- प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए उत्तराखंड वासियों में जबरदस्त उत्साह, लगभग 12 किमी का करेंगे रोड शो, हजारों भाजपा कार्यकर्ता और राज्यवासी करेंगे पुष्प वर्षा
- टिहरी में एक हजार मेगावाट क्षमता वाले देश के पहले वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज संयंत्र का भी करेंगे लोकार्पण
- डाट काली मंदिर में करेंगे पुजा अर्चना

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मंगलवार को अपने 28 वें दौरे पर उत्तराखंड पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साढ़े चार साल के कार्यकाल में यह उनका 18वां दौरा होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस दौरान 11970 करोड़ की 210 किलोमीटर लंबे दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर परियोजना (एक्सप्रेस वे) के साथ ही, टिहरी में एक हजार मेगावाट क्षमता वाले देश के पहले वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज संयंत्र का भी लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री अपने दौरे में डाट काली मंदिर में पूजा अर्चना भी करेंगे। प्रधानमंत्री की पूजा के लिए मंदिर को पूरी तरह सजाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी के आगमन को लेकर उत्तराखंड वासियों में भारी उत्साह है। प्रदेश सरकार लोकार्पण समारोह को यादगार और ऐतिहासिक बनाने की तैयारियों में जुटी है। प्रधानमंत्री देहरादून के महिंद्रा ग्राउंड में एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। जनसभा के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी की गई है और इसमें अपार जन समूह के आने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी देश के पहले वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज संयंत्र का भी लोकार्पण करेंगे। कुल 1000 मेगावाट, उत्पादन क्षमता के इस प्लांट का निर्माण टीएचडीसी ने 2400 मेगावाट क्षमता के टिहरी हाईड्रो पावर काम्पलेक्स -**शेष पृष्ठ दो पर**

पीएम मोदी के हृदय में बसता है उत्तराखंड: सीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 14 अप्रैल के दौरे को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड से कर्म और मर्म का रिश्ता रहा है। उत्तराखंड उनके हृदय में बसता है। उनके दौरे को लेकर देवभूमि वासियों में भारी उत्साह है। मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद उत्तराखंड में अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। दो लाख करोड़ से अधिक की विकास योजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य के लिए इस अवसर को अत्यंत -**शेष पृष्ठ दो पर**

संक्षिप्त समाचार

यमुना नाव हादसे में लापता युवक का शव मिला

मथुरा। मथुरा के वृंदावन क्षेत्र में 10 अप्रैल को यमुना नदी में हुई नाव दुर्घटना के बाद राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है। सोमवार को एनडीआरएफ और स्थानीय पुलिस के संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान एक और शव बरामद किया गया, जिसकी पहचान पंजाब निवासी यश भल्ला उर्फ युवराज के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार यश भल्ला उन 16 लोगों में शामिल थे, जो नाव पलटने के बाद यमुना के तेज बहाव में लापता हो गए थे। उनका शव केशीघाट के निकट देवराह बाबा घाट के पास झाड़ियों में फंसा मिला। लंबे समय तक पानी में रहने के कारण शव क्षत-विक्षत अवस्था में था। सोमवार को सर्च अभियान के दौरान अब तक दो शव बरामद किए गए हैं, जिनमें एक महिला मोनिका तथा दूसरा यश भल्ला का शव शामिल है। इन बरामदगियों के साथ हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है।

कोडीन युक्त कफ सिरप मामले में पिता-पुत्र गिरफ्तार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध क्रय-विक्रय मामले में सोनभद्र पुलिस ने स्थानीय पुलिस की मदद से दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में कारोबारी विनोद वर्मा और उनका पुत्र संस्कार वर्मा शामिल हैं। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी अतरसुइया थाना क्षेत्र के पजावा चौराहे से की गई। इनके खिलाफ कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध कारोबार के आरोप में मुकदमा दर्ज था और सोनभद्र पुलिस को लंबे समय से उनकी तलाश थी। रविवार देर रात सोनभद्र पुलिस ने प्रयागराज पुलिस के सहयोग से छापेमारी कर दोनों को दबोच लिया।

ममता ने युवकों को बेरोजगार कर दिया: शाह

बंगाल में चार शादी नहीं करने देंगे, दंगों की जांच कराएगी भाजपा सरकार

बर्धमान, वार्ता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बर्धमान की रैली में कहा कि बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने पर यहां यूसीसी लागू करेंगे और कुछ लोगों को चार शादी नहीं करने देंगे। इसके साथ ही उन्होंने पांडेश्वर के भाजपा के उम्मीदवार जितेंद्र तिवारी का परिचय कराते हुए कहा कि पिछले चुनाव में जितेंद्र तिवारी बहुत कम वोटों से पिछड़ गए थे। इस बार आप इन्हें विजयी बनाकर भेजो, हम तिवारी को बड़ा आदमी बनाएंगे।

शाह ने कहा कि कुछ लोगों को चार शादी की छूट है, किसी को चार शादी की छूट होनी चाहिए क्या? पांच मई को भाजपा सरकार बना दो, हम यूसीसी लगाएंगे और उन लोगों के चार शादी नहीं करने देंगे। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी अपने चेले-चपाटों के दम कर बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने का सपना देख रही हैं। पांच मई को बीजेपी आएगी और किसी हालत में बंगाल में बाबरी मस्जिद नहीं बनेगी।उन्होंने कहा कि ममता के राज में हिंदुओं पर

अत्याचार बिना रोक-टोक चला। राज्य के विभिन्न इलाकों में दंगे हुए, सारे दंगे में हिंदुओं पर अत्याचार किया। 2016 से 2026 तक जितने भी दंगे हुए हैं, उन दंगों की जांच बैठाने का काम भारतीय जनता पार्टी करेगी। अमित शाह ने कहा कि ममता की सरकार को निक. ालने का मतलब है, घुसपैठ मुक्त सरकार बनाना, बंगाल से घुसपैठियों को बाहर निक. ालना है। उन्होंने सवाल किया कि क्या दीदी या भाइपो (भतीजा) उन्हें निकाल सकते हैं? केवल भाजपा निकाल सकती है। उन्होंने कहा कि ममता दीदी 600 एकड़ जमीन बीएसएफ को नहीं देती है, ताकि बाड़ लगाने का काम पूरा नहीं हो। बीएसएफ के जवान देश के लिए अपना सिर कटा सकते हैं, घुसपैठियों को प्रश्रय कभी नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि ममता दीदी की सरकार खत्म हो गई है और पांच मई को भाजपा की सरकार बनेगी और 45 दिन में 600 एकड़ जमीन बाड़ लगाने दे देंगे। हम पूरे बंगाल और देशभर से एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुनकर निकालने का काम करेंगे। घुसपैठिए जो हैं, वो हमारे युवाओं का रोजगार खा रहा है, गरीबों की चावल खा रहा है और देश के अंदर दंगा करा रहा है। दीदी के गुंडे और भाइपो के गुंडे परेशान करते हैं। 23 अप्रैल को मतदान है, सारे गुंडों को कहकर जाता हूं कि घर से बाहर नहीं निकलना, नहीं तो पांच मई को खैर नहीं है। अमित शाह ने कहा कि ममता दीदी ने बंगाल के युवाओं को, जो कभी पूरे भारत का इंडस्ट्रियल हब माना जाता था , बेरोजगार कर दिया है। हमने तय किया है कि जैसे ही बंगाल में बीजेपी की सरकार बनेगी, पीएम मोदी पूरे बंगाल में इंडस्ट्री वापस लाने के लिए 5 बड़े इंडस्ट्रियल एस्टेट बनाएंगे।

मेरठ से शुरू होगा आर्थिक आंदोलन: सपा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। हाल ही में उच्चतम न्यायालय के आदेश पर मेरठ की सेंट्रल मार्केट में सरकार की तरफ से की गई सीलिंग की कार्रवाई को लेकर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने निशाना साधा है।

उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार की आर्थिक नीतियों पर हमला बोलते हुए कहा है कि देश में एक नए आर्थिक स्वतंत्रता आंदोलन की शुरुआत मेरठ से हो सकती है। सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए अखिलेश यादव ने ऐतिहासिक 1857 की क्रांति का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस तरह मेरठ ने आज़ादी की लड़ाई में अहम भूमिका निभाई थी, उसी तरह अब यह शहर आर्थिक नीतियों के खिलाफ जनआंदोलन का केंद्र बन सकता है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की नीतियां किसानों, छोटे

व्यापारियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए नुकसानदायक साबित हो रही हैं।

■ व्यापार व खेती को कमजोर कर रही सरकार

उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण, कुछ कानूनों और अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के जरिए सरकार पारंपरिक व्यापार और खेती को कमजोर करने की दिशा में काम कर रही है। सरकार की इन नीतियों का लाभ बड़े उद्योगपतियों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को मिल रहा है, जबकि छोटे कारोबारी हाशिए पर जा रहे हैं।

यूपी नहीं संभल रहा, तो गद्दी से उतर जाइए

लखनऊ। यूपी के गौतमबुद्धनगर में श्रमिकों के आंदोलन के बीच सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीएम योगी से इस्तीफा मांगा है। सीएम योगी ने अपने बयान में आशंका जताई थी कि नोएडा में जो हुआ है वह किसी की साजिश है। अखिलेश ने लिखा कि अगर मुख्यमंत्री जी नोएडा के मज़दूरों के आंदोलन को किसी की साजिश बता रहे हैं। अखिलेश ने लिखा कि आप मजदूरों के जख्मों पर मरहम नहीं लगा सकते, तो न लगाएं, लेकिन उन जख्मों पर नमक तो न छिड़कें। यूपी के पूर्व सीएम ने लिखा कि अगर आप से प्रदेश नहीं संभल रहा है, तो ससम्मान इस गद्दी से उतरकर जाइए, नहीं तो जनता उतार देगी। भाजपाई खुद तो अंतिम दौर के भ्रष्टाचार में आकंठ लिप्त हैं।

यूपी के कई जिलों में पारा 40 के करीब

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शुष्क मौसम और तेज हवाओं के चलते गर्मी ने रफ्तार पकड़ ली है। रविवार को कई जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि प्रदेश में शुष्क मौसम के साथ 25 से 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवाएं चल सकती हैं, जिससे गर्मी का असर और तेज महसूस होगा। प्रयागराज प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 39-8 ब दर्ज किया गया, जबकि वाराणसी स्थित बीएचयू में पारा 39-3 ब तक पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले चार दिनों में अधिकतम तापमान में औसतन 7 से 9 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे तापमान सामान्य के करीब पहुंच

हवाओं के चलने से गर्मी का असर महसूस होगा

गया है। विभाग के मुताबिक शुष्क मौसम के साथ चल रही पश्चिमी हवाएं दिन में 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं, जिनकी गति झोंकों में 40 किमी प्रति घंटे तक पहुंच रही है। हालांकि, 14 अप्रैल से इन तेज हवाओं के कमजोर पड़ने के आसार हैं। अगले एक सप्ताह तक प्रदेश में किसी सक्रिय मौसम प्रणाली के न होने के कारण मौसम शुष्क बना रहेगा। इसके चलते तापमान में धीरे-धीरे 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे कई जिलों में पारा 40 ब के पार जाने की संभावना है। राजधानी लखनऊ में रविवार को अधिकतम तापमान 36-6 बऔर न्यूनतम 20 ब दर्ज किया गया।

महिला आरक्षण को लेकर सोनिया ने सरकार पर साधा निशाना

ये आरक्षण नहीं, प्रस्तावित परिसीमन है: कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक निजी अखबार में लिखे अपने लेख के जरिए केंद्र सरकार पर महिला आरक्षण और परिसीमन के मुद्दे को लेकर हमला बोला है।

श्रीमती गांधी ने सोमवार को यहां स्पष्ट तौर पर कहा कि मौजूदा समय में असली चिंता महिला आरक्षण नहीं, बल्कि प्रस्तावित परिसीमन है, जिसे उन्होंने बेहद खतरनाक और संविधान पर हमला करार दिया। अपने लेख में उन्होंने चेतावनी दी कि संसद के विशेष सत्र में जिस तरह परिसीमन का मुद्दा सामने आ रहा है, वह लो. कतांत्रिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है। सरकार जल्दबाजी में इस विषय को आगे बढ़ा रही है,

■ सरकार 2029 से महिला आरक्षण लागू करना चाहती है, तो यह निर्णय पहले क्यों नहीं लिया गया, पारदर्शिता नहीं बरती जा रही

जिसके पीछे राजनीतिक लाभ लेने की मंशा हो सकती है। उन्होंने पीएस नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष से समर्थन तो मांगा जा रहा है लेकिन इस अहम मुद्दे पर पारदर्शिता नहीं बरती जा रही। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष की ओर से सर्वदलीय बैठक की मांग को लगातार नजर. अंदाज किया गया है। श्रीमती गांधी ने याद दिलाया कि 2023 में संसद द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान पहले ही किया जा चुका है। उ यदि सरकार 2029 से महिला आरक्षण लागू करना चाहती है, तो यह निर्णय पहले क्यों नहीं लिया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने का फैसला केवल गणितीय आधार पर नहीं, बल्कि राजनीतिक संतुलन को ध्यान में रखकर होना चाहिए, ताकि जनसंख्या नियंत्रण में आगे रहे राज्यों को नुकसान न हो। जनगणना में देरी पर भी सरकार की आला. ेचना की और कहा कि बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने कम समय में सर्वे कर यह साबित कर दिया है कि यह कार्य संभव है।

महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन की साजिश रच रही सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि वह महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन की साजिश रच रही है। कांग्रेस की सोशल मीडिया विभाग की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत ने यहां संवाददाता सम्मेलन में सितम्बर 2023 में लाए गए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के समय ही सरकार की मंशा स्पष्ट नहीं थी। उन्होंने बताया कि इस कानून में शर्त रखी गई थी कि पहले जनगणना और फिर परिसीमन होगा, उसके बाद ही महिला आरक्षण लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उस समय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने बिना शर्त 2024 में ही महिला आरक्षण लागू करने की मांग की थी, ताकि महिलाएं तुरंत संसद और विधानसभाओं में पहुंच सकें।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 76847.57
निफ्टी 23842.65

सोना 15299
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 239934
प्रति किलो

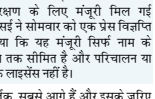

अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बढ़ने से शेयर बाजारों में गिरावट

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में बिकवाली लौट आई और प्रमुख सूचकांक करीब एक प्रतिशत की गिरावट में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 702. 68 अंक (0.91 प्रतिशत) गिरकर 76,847.57 अंक पर आ गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 207.95 अंक यानी 0.86 फीसदी नीचे 23,842.65 अंक पर रहा।

अमेरिका और ईरान के बीच हार्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव बढ़ गया है। अमे. रिका ने इस महत्वपूर्ण व्यापारिक जलमार्ग की घेरा. बंदी और अपनी शर्तों पर जहाजों को निकलने की अनुमति देने की घोषणा की है। इससे निवेशकों में ईरान युद्ध के स्थाई समाधान को लेकर निराशा बढ़ी है। मझौली और छोटी कंपनियों में भी बिकवाली का जोर देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.77 प्रतिशत और स्मॉलकैप.100 सूचकांक 0.46 प्रतिशत गिर गया। सभी सेक्टरों में बिकवाली हावी रही। ऑटो सेक्टर पर सबसे ज्यादा दबाव देखा गया और उसका सूचकांक दो प्रतिशत से अधिक टूट

गया। एफएमसीजी, आईटी और तेल एवं गैस सेक्टरों के सूचकांक भी एक फीसदी से ज्यादा फिसल गए। सेंसेक्स की कंपनियों में मारुति सुजुकी का शेयर साढ़े चार प्रतिशत से अधिक टूट गया। बजाज फाइनेंस, इंडिगो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और एचडीएफसी बैंक के शेयर दो से तीन प्रतिशत के बीच गिरे। आईटीसी, इटरनल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाइटन, हिदुस्तान यूनीलिवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंफोसिस और ट्रेंट के शेयर एक से दो प्रतिशत तक नीचे बंद हुए। बजाज फिनसर्व, अडानी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावरग्रिड, कोटक महिद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी लाल निशान में रहे। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर दो प्रतिशत और एनटीपीसी का डेढ़ फीसदी से अधिक चढ़ा।

सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। अमेरिका-इजरायल की ईरान से चल रही जंग के बीच सोमवार को सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए)के मुताबिक एक किलो चांदी 2,753 रुपए घटकर 2.37 लाख रुपए आ गई, जो 10 अप्रैल को 2.40 लाख रुपए पर थी। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 246 रुपए घटकर 1,50,081 रुपए आ गया है। इससे पहले शुक्रवार को यह 1,50,327 लाख पर था। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 45 दिन में 9,016 और चांदी 29,519 सस्ती हुई है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 26,040 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 103 दिन में चांदी 1.49 लाख रुपए सस्ती हो गई है। कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोना-चांदी के दाम में आगे भी ये गिरावट जारी रह सकती है। ऐसे में निवेशकों को अभी सोने-चांदी में निवेश से बचना चाहिए।

भारतीय इकाइयों के पेटेंट आवेदनों की संख्या में उछाल

नई दिल्ली, वार्ता

भारतीय इकाइयों ने पेटेंट अधिकार के लिए 2025-26 में 1,43,729 आवेदन प्रस्तुत किया जो एक साल पहले के मुकाबले 30-2 प्रतिशत अधिक है। पेटेंट , डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार इनमें से 69 प्रतिशत आवेदन भारत के पेटेंट कार्यालय में दाखिल किए गए। पिछले साल दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या 1,10,375 थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इन आंकड़ों पर अपनी संक्षिप्त टिप्पणी में कहा कि भारत की नवाचार की गाड़ी अब रुकने वाली नहीं! वित्त वर्ष 2025-26 में हमारे पेटेंट फाइलिग की संख्या बढ़कर ऐतिहासिक 1.43 लाख हो गई, जो पिछले साल के मुकाबले 30.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। गोयल ने कहा कि देश के भीतर पेटेंट के लिए फाइल किए गए आदेवनों के मामले में तमिलनाडु, कर्नाटक और महाराष्ट्र के नवप्रवर्तक सबसे आगे हैं और इसके ज़रिए हम दुनिया को यह दिखा रहे हैं कि 'मेड इन इंडिया' की ताकत 'इन्वेस्ट इन इंडिया' यानी भारत में निवेश में छिपी है। हम पेंटेट आवेदन करने वालों की संख्या के हिंसाब से दुनिया के छठे सबसे बड़े पेटेंट आवेदक हैं। यह एक ऐसे आत्मविश्वास से भरे भारत को दर्शाता है, जो जल्द ही इनोवेशन के क्षेत्र में एक वैश्विक महाशक्ति बनने जा रहा है।

एनएसई ने अपने कोल एक्सचेंज का नाम आरक्षित किया

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसईआईएल) को कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय से 'नेशनल कोल एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड' नाम के आरक्षण के लिए मंजूरी मिल गई है।एनएसई ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह मंजूरी सिर्फ नाम के आरक्षण तक सीमित है और परिचालन या नियामक लाइसेंस नहीं है।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
— HEALTH WITH CARE —
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त

भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

प्रथम पृष्ठ के शेष...

मुजफ्फरनगर बनेगा...

कि इससे जहां युवाओं को नई तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, वहीं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इससे पूर्व उन्होंने नगर पालिका द्वारा तैयार कराई गए देवी अहिल्याबाई स्मारक और चौराहे के सौंदर्यकरण का भी उद्‌घाटन किया प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को नुमाइश ग्राउंड में आयोजित रोजगार मेले का अवलोकन करने के बाद विभिन्न कंपनियों में चयनित होने वाले युवाओं व बेटियों को प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। अपने भाषण की शुरुआत भारत माता और वंदेमातरम के जयकारों के साथ कर उन्होंने उमड़ी भीड़ में खूब जोश भरा शुकतीर्थ की पवित्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि पुराणकालीन परंपराओं और महाराजा शुकदेव की तपस्थली रही है, जहां जीवन के गूढ़ रहस्यों का ज्ञान दिया गया। जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास, सुरक्षा और आत्मनिर्भर भारत के विजन को रेखांकित करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों का विस्तार से उल्लेख किया। इस दौरान उन्होंने जनसभा में संबोधन के दौरान रोजगार और कौशल विकास पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को आधुनिक तकनीकों जैसे रोबोटिक्स और ड्रोन के साथ पारंपरिक कौशल से भी जोड़ रही है। रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और यही देश के उज्ज्वल भविष्य का आधार है। सुरक्षा और मौजूदा कानून-व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने प्रदेश में सुरक्षा का माहौल स्थापित किया है, जिससे महिलाएं, व्यापारी और आम नागरिक सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश वैश्विक चुनौतियों के बीच भी मजबूती से खड़ा है। औद्योगिक विकास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जहां यहां के उद्योगों में ताले लगते थे, वहीं अब नए निवेश आ रहे हैं। सरकार श्रमिकों और उद्यमियों के बीच संतुलन बनाते हुए बेहतर वेतन, सामा. जिक सुरक्षा और चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित कर रही है। आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए न्यूनतम मानदेय की गारंटी भी लागू की गई है। उन्होंने कोरोना काल का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने श्रमिकों को सुरक्षित उनके घरों तक पहुंचाने के साथ उन्हें सुविधाएं मुहैया कराने का काम भी भाजपा सरकार में हुआ है। साथ ही आंगनबाड़ी, आशा वर्कर, शिक्षामित्र और शिक्षकों और अन्य कर्मियों के लिए पांच लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा भी भाजपा सरकार में दिलाने का काम किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय कौशल विकास राज्यमंत्री एवं रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी, यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, कार्यक्रम संयोजक कौशल विकास राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल, प्रभारी मंत्री डॉ. सोमेन्द्र तोमर, सांसद चंदन चौहान, पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान, जिला पंचायत अध्यक्ष डा. वीरपाल निर्वाल, नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया, लोकदल क्षेत्रीय अध्यक्ष तरसपाल मलिक, एमएलसी वन्दना वर्मा, राष्ट्रीय लोक. दल विधानसभा में नेता राजपाल बालियान, विधायक प्रसन्न चौधरी, विधायक मदन भैया, विधायक अशरफ अली, जिला प्रभारी सूर्यप्रकाश पाल, भाजपा जिलाध्यक्ष डा. सुधीर सैनी, रालोद जिलाध्यक्ष संजय राठी, पूर्व विधायक उमेश मलिक, प्रमोद उटवाल, विक्रम सैनी, अशोक कंसल, सुशीला अग्रवाल, चेयरमैन सहकारी बैंक रामनाथ सिंह, पूर्व मंत्री धर्मवीर बालियान, पूर्व मंत्री योगराज सिंह, भाजपा नेता गौरव स्वरूप, प्रदेश महासचिव उमादत्त शर्मा, रामनिवास पाल, जियाउर्रहमान, भाजपा रालोद और एनडीए के सभी सहयोगी दलों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीएम मोदी... के क्रम में किया है, जो टिहरी हाईड्रो प्रोजेकट के ऊपरी और निचले जलाशयों के बीच अतिरिक्त विद्युत उत्पादन करेगा। यह संयंत्र, भारत की ऊर्जा यात्रा में मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अलावा उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा, टिहरी सांसद श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह की उपस्थिति रहेगी।

पीएम मोदी के... महत्वपूर्ण एवं ऐतिहा. सिक बताया है। मुख्यमंत्री धामी जनमानस से भी इस ऐतिहासिक अवसर में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने की अपील कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कनेक्टिविटी के क्षेत्र में क्रांति आई है। चारधाम आलवेदर रोड परियोजना, ऋषिकेश- कर्णप्रयाग रेल परियोजना, केदारनाथ एवं हेमकुंट साहिब रोपवे परियोजना, देहरादून-दिल्ली एलिवेटेड रोड जैसी बड़ी परियोजनाओं को उन्होंने स्वीकृति दी है। आज पीएमजीएसवाई के तहत दूरदराज ग्रामीण इलाकों में सड़कों के निर्माण के साथ ही हवाई और रेल सेवाओं का विस्तार हुआ है। रोप-वे परियोजनाओं पर तेजी से काम आगे बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के उत्तराखंड दौरे को लेकर हमेशा ही लोगों में उत्साह और उत्सव का माहौल रहता है। हर बार अपने दौरे में प्रधानमंत्री उत्तराखंड को बड़ी सौगात देकर जाते हैं।

यूपी कैबिनेट विस्तार की सुगबुगाहट तेज

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 से पहले भारतीय जनता पार्टी ने संगठन और सरकार-दोनों स्तर पर बड़ा रणनीतिक बदलाव करने की तैयारी शुरू कर दी है। जल्द होने वाले संभावित कैबिनेट विस्तार को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है।

सूत्रों के मुताबिक इस विस्तार में नए चेहरों को मौका देने के साथ कुछ मौजूदा मंत्रियों को संगठन में भेजा जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक संभावित विस्तार में जिन नेताओं के नाम प्रमुखता से सामने आ रहे हैं, उनमें भूपेंद्र सिंह चौधरी, मनोज पांडेय, पूजा पाल, अजीतपाल त्यागी और आकाश सक्सेना शामिल हैं। इसके अलावा अशोक कटारिया और अश्वनी त्यागी का नाम भी दावेदारों की सूची में मजबूत माना जा रहा है। पार्टी इन नामों के जरिए जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने के साथ-साथ नए सामाजिक समीकरण बनाने की कोशिश में है।

■ विधानसभा चुनाव 2027 से पहले नए चेहरों की एंट्री और संगठन में बदलाव की तैयारी

कैबिनेट विस्तार के साथ ही कुछ मौजूदा मंत्रियों को संगठन में जिम्मेदारी देने की भी चर्चा है। इनमें नरेंद्र कश्यप, दिनेश खिटक और सोमेंद्र तोमर के नाम प्रमुख हैं। पार्टी का मानना है कि इन नेताओं का संगठन में अनुभव चुनावी तैयारी को और मजबूत कर सकता है। सूत्रों के अनुसार भाजपा इस बार उत्तराखंड में अपनाए गए फॉर्मूले को उत्तर प्रदेश में भी लागू कर सकती है। इसके तहत बिना किसी मंत्री को हटाए भी नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। इससे असंतोष को कम रखते हुए संतुलन साधने की रणनीति अपनाई जा सकती है। भाजपा सूत्रों की मानें तो आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी ने पांच प्रमुख बिदुओं पर फोकस तय किया है जिसमे जातीय और क्षेत्रीय समीकरण साधना, सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय, डा. भीमराव आंबेडकर के जरिए दलित वोट बैंक पर फोकस, महिलाओं के लिए नई योजनाएं और प्रतिनिधित्व बढ़ाना और पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) नैरेटिव का काउंटर , राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और कानून-व्यवस्था पर जोर शामिल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त कार्यशैली भी इस रणनीति का अहम हिस्सा मानी जा रही है।सरकार की ओर से भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस, माफिया पर बुलडोजर कार्रवाई और प्रशासनिक सख्ती को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। साथ ही जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की शिकायतों पर त्वरित सुनवाई भी सुनिश्चित की जा रही है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह कैबिनेट विस्तार केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि पूरी तरह चुनावी रणनीति का हिस्सा है। जातीय, क्षेत्रीय और संगठनात्मक संतुलन बनाते हुए भाजपा 2027 के चुनाव में मजबूत बढ़त बनाने की तैयारी में है।

जैथल मुस्तकम में अम्बेडकर मूर्ति लगाने का विवाद

प्रधान के घर पर रखवायी गयी मूर्ति, जयंती से एक दिन पहले तनाव

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। तहसील क्षेत्र के गांव जैथल मुसतकम में सोमवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती से एक दिन पहले प्रतिमा रखे जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। सुबह होते ही गांव में माहौल गरमा गया और सूचना मिलते ही प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। हालात की नजाकत को देखते हुए एसडीएम शैलेष दुबे, सीओ अंजलि कटारिया, थाना प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह समेत तमाम अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए और दिनभर गांव में डेरा डाले रहे।

बताया जा रहा है कि गांव में कुछ लोगों ने रात के समय बिना प्रशासन को सूचना दिए भूपेंद्र यादव के नाम दर्ज भूमिधरी गाटा संख्या की जमीन पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा रख दी। सुबह जानकारी होने पर जमीन स्वामी पक्ष ने इसका विरोध किया और देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। गांव में माहौल तनावपूर्ण हो गया। विवाद बढ़ने की खबर मिलते ही प्रशासनिक काफिला गांव

पहुंच गया। एसडीएम शैलेष दुबे ने दोनों पक्षों से अलग-अलग वार्ता की। अधिकारियों ने साफ कहा कि किसी भी निजी, सार्वजनिक या विवादित जमीन पर बिना अनुमति प्रतिमा स्थापित करना कानूनन गलत है। कई घंटे चली बात. चीत और समझाइश के बाद दोनों पक्षों में सहमति बन सकी।प्रशासन की मौजूदगी में प्रतिमा को फिलहाल ग्राम प्रधान को सुपुर्द कर उनके आवास पर सुरक्षित रखवा दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि गांव में गाटा संख्या 343 अंबेडकर पार्क के नाम से पहले से सुरक्षित भूमि उपलब्ध है, भविष्य में नियमानुसार वहीं प्रतिमा स्थापना पर विचार किया जा सकता है। तनाव को देखते हुए गांव में एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह पुलिस टीम के साथ देर शाम तक गांव में मौजूद रहे। एसडीएम शैलेष दुबे ने बताया कि मामला पूरी तरह शांत है और दोनों पक्षों को हिदायत दी गई है कि आगे कोई भी कदम प्रशासनिक अनुमति के बाद ही उठाया जाए।

भीड़ के गुस्से का शिकार हुए सीओ-कोतवाल

गैर सम्प्रदाय के युवक के साथ युवती के फरार होने का मामला

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। गैर संप्रदाय के युवक द्वारा युवती का भगाकर ले जाने का मामला सोमवार को तूल पकड़ गया। देहात थाना पुलिस के खिलाफ सोमवार को नन्हेड़ा चौकी क्षेत्र में जुटी पंचायत में पहुंचे सीओ व कोतवाल को भीड़ के गुस्से का शिकार होना पड़ा। गुस्साए लोगों ने 15 अप्रैल तक युवती को बरामद नहीं किए जाने पर एसपी ऑफिस का घेराव करते हुए अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने की चेतावनी दी।

गौरतलब है कि अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 23 वर्षीय युवती बीते दिनों अचानक लापता हो गई थी। परिजनों का आरोप है कि पड़ोसी गांव का रहने वाला गैर संप्रदाय का युवक उसे अपहरण कर ले गया है। परिजनों का ये भी आरोप है धर्म परिवर्तन और तंत्र-मंत्र से उसने युवती का दिमाग असंतुलित कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था लेकिन पुलिस ने अभी तक न तो युवती को बरामद किया है और न ही आरोपी को गिरफ्तार कर सकी है।परिजनों की ओर से पुलिस पर कार्रवाई में ढिलाई बरतने का आरोप लगाया जा रहा है। इसी संबंध में सोमवार को नन्हेड़ा चौकी क्षेत्र में पंचायत बुलाई गई। जिसमें कई गांवों के लोग शामिल हुए। उन्होंने पुलिस पर मामले में ठोस कार्रवाई न करने और ढिलाई बरतने का आरोप लगाया। सूचना पर पहुंचे सीओ अवधभान सिंह भदौरिया व कोतवाल शौकेंद्र बालियान की मौजूदगी में नाराजगी जताई। सीओ ने जल्द युवती को बरामद करने का आश्वासन देकर गुस्सा शांत किया। ग्रामीणों ने 15 अप्रैल तक युवती को बरामद नहीं करने पर एसपी ऑफिस का घेराव कर अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने की चेतवानी दी। स्पष्ट कहा कि इसकी पूरी जिम्मेदारी पुलिस-प्रशासन की होगी।

क्रेन की टक्कर से मजदूर की मौत

गांधी मूर्ति के समीप हुआ हादसा

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। क्रेन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। क्रेन का पहिया सर के ऊपर से उतर गया जिसे देखकर राहगीरों की रूह कांप गई। लोगो ने चालक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने क्रेन चालक का चालान कर दिया। परिजनों ने पोस्टमार्टम के बाद मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया।

हादसा रात साढ़े आठ बजे करीब जीआईसी गेट से कुछ दूरी पर हुआ। जय ओम नगर निवासी हरीश (42) रोजमर्रा की मजदूरी कर परिवार की आजीविका चलाते थे। बीती रात हरीश किसी काम से बाइक पर सवार होकर जोया जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक जीआईसी गेट से टीपी नगर चौराहे की तरफ थोड़ा आगे बढ़ी, उसी दौरान पीछे से आ रही क्रेन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी

जबरदस्त थी कि हरीश हवा में उछलकर दूर जा गिर और क्रेन के पहिए ने सर कुचल दिया। हादसे में उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना स्थल पर लोगो की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। सीओ सिटी अभिषेक यादव ने बताया मृतक के बेटे अभिषेक प्रजापति की तहरीर पर रिर्पोट दर्ज कर ली गई है। आरोपी चालक का चालान कर दिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया

बिना अनुमति के अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापित की

प्रतिमा न हटाने की मांग को पुलिस से भिड़ी महिलाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

ढवारसी। थाना क्षेत्र के एक गांव में कुछ ग्रामीणों ने सत्ता से जुड़े लोगों के इशारों पर बिना प्रशासन की अनुमति के रातों-रात डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति स्थापित कर दी। सुबह होने पर ग्रामीणों को पता लगने के बाद उन्होंने इसका विरोध किया। जिसके बाद गांव में जातीय संघर्ष की स्थिति को भापतें हुए उप

चार साल पहले भी प्रतिमा लगाने को लेकर गांव में हुआ था बवाल

जिलाधिकारी हसनपुर हिमांशु उपाध्याय तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी पंकज त्यागी सर्किल की फोर्स के साथ गांव में पहुंच गए।

मामला रहरा थाना क्षेत्र के गांव जेबडा मुस्तकम का है। गांव में एक जाति से जुड़े कुछ लोगों ने गांव से पश्चिम में शहबाजपुर गुर्जर को जाने वाले मार्ग पर अंबेडकर पार्क में बिना प्रशासन की अनुमति के रविवार देर रात बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी। सुबह होने पर दूसरी जाति के ग्रामीणों को इसका पता लगा तो उन्होंने प्रशासन को इसकी जानकारी दी। क्योंकि मामला दो अलग-अलग जातियों से जुड़ा था। सूचना पाकर उप जिलाधिकारी हसनपुर हिमांशु उपाध्याय, नायब तहसीलदार मनोज

कुमार तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी हसनपुर मय पुलिस फोर्स के गांव में पहुंच गए। प्रशासन के गांव में पहुंचने की जानकारी के बाद शरारती तत्व गांव से फरार हो गए तथा महिलाओं को आगे कर दिया। प्रशासन ने जब बिना अनुमति के प्रतिमा हटाने का प्रयास किया तो प्रतिमा लगाने के समर्थक पुलिस से नोकझोंक करने लगे। पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य चंद्रपाल सिंह खड़गवंशी ने महिलाओं को अनुमति न होने का हवाला देते हुए समझाने का प्रयास किया। आजाद समाज पार्टी के मुरादाबाद मंडल उपाध्यक्ष मोनू सागर भी मौके पर पहुंच गए। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी प्रतिमा को हटाने का प्रयास कर रहे थे जबकि महिलाएं प्रतिमा न हटाने की जिद पर अड़ी थीं। थाना प्रभारी रहरा अखिलेश प्रधान ने बताया कि जेबडा मुस्तकम के कुछ ग्रामीणों ने रविवार देर रात बगैर अनुमति के डॉ भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा स्थापित कर दी। 4 वर्ष पहले भी गांव में ऐसा ही एक बवाल हुआ था। शरारती तत्व मौके से फरार हो गए हैं। बगैर अनुमति के मूर्ति स्थापित करना गलत है।

एक नजर

जीएमएस में श्रद्धा से मनी अम्बेडकर जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता रजबपुर। जीएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा उनके चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। इस अवसर पर शिक्षकगण व छात्र-छात्राओं ने अंबेडकर के विचारों को अपनाने और समाज में समानता व शिक्षा को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। चेयरमैन शाहनवाज अली और ग्रुप निदेशक डॉ. हरीश कुमार ने उनके जीवन को प्रेरणादायक बताते हुए शिक्षा और अधिकारों के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में स्टाफ और छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे आयोजन प्रेरणादायक बन गया। अंत में योगदान देने वालों में डॉ. आफरीन, डॉ. अनीस, शालिनी, सोरन, नेहा, शिवाली, मोनिका, यशवीर, स्वाति, वैष्णवी और रश्मि सहित समस्त स्टाफ शामिल रहे।

कॉटन वेस्ट इकाईयों से पालिका ने लिये नमूने

छापेमारी से मचा हड़कम्प

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। पालिका टीम ने काटन वेस्ट इकाईयों में खतरनाक केमिकल के इस्तेमाल से हो रहे जल प्रदूषण को गंभीरता से लेते हुए पानी के सैंपल एकत्र किए। यहां छापेमारी से हड़कम्प की स्थिति बनी रही।

टीम ने तकिया मोती शाह, कल्याणपुरा रोड और पंजू सराय क्षेत्रों में संचालित कॉटन वेस्ट इकाइयों पर एक साथ छापेमारी कर हड़कंप मचा दिया गौरतलब है कि कुछ समय पूर्व भी इन इकाइयों को ध्वस्त किया गया था, बावजूद इसके दोबारा संचालन किया जा रहा था। प्रशासन द्वारा इन प्रतिबंधित गतिविधियों में संलिप्त लोगों का ब्यौरा जुटाया जा रहा है और जल्द ही विस्तृत आख्या जिलाधिकारी को प्रेषित कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त टीम में पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के सुभाष चंद्र व अजीत कुमार, उपायुक्त उद्योग, फील्ड ऑफिसर डीआईसी अमरोहा, अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश

कुमार, डीपीएम नदीम अख्तर, राजस्व निरीक्षक ओमवीर सिंह, शैलेन्द्र शर्मा और मोहित चौहान सहित नगर पालिका अमरोहा की टीम शामिल रही।

ट्रक की टक्कर से हाइवे पर पलटी डीसीएम

ट्रक चालक व क्लीनर घायल

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। रजबपुर थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के नेशनल हाईवे 9 पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक खड़ी डीसीएम में पीछे से तेज रफ्तार ट्रक जा घुसा, जिससे डीसीएम डिवाइडर पर पलट गई। हादसे में ट्रक ड्राइवर और कंडक्टर घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे होटल उद्दपीवाला और अतरासी के बीच हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दिल्ली से मुरादाबाद की ओर जा रहा एक ट्रक, कपड़ों से लदी खड़ी डीसीएम में पीछे से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और डीसीएम डिवाइडर पर जा पलटी। हादसे के बाद मौके पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई और नेशनल हाईवे पर यातायात भी बाधित हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटाया, जिसके बाद यातायात सुचारु रूप से बहाल हो सका। रजबपुर थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। पुलिस इस मामले में वैधानिक कार्यवाही कर रही है और जांच जारी है।

अवैध आरामशीन पर वन विभाग का छापा

शाह टाइम्स संवाददाता मंडी धनौरा। हस्तिनापुर सेंचुरी क्षेत्र में अवैध लकड़ी कटान और आरा मशीनों के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। तहसील क्षेत्र के गांव ढयौटी में वन विभाग की टीम ने छापेमारी कर अवैध रूप से चल रही एक आरा मशीन को बंद करा दिया। टीम ने मशीन का मुख्य व्हील उतारकर कब्जे में ले लिया। कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि यह आरा मशीन गांव के प्राइमरी और जूनियर हाईस्कूल के ठीक सामने लंबे समय से संचालित हो रही थी। गांव सेंचुरी क्षेत्र में आता है और जंगल से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर है। इसके बावजूद यहां खुलेआम लकड़ियों का कटान और खरीद-फरोख्त हो रही थी। स्थानीय लोगों में चर्चा है कि लंबे समय से यह काम कुछ कर्मचारियों की कथित मिलीभगत से चल रहा था।

चौकी प्रभारी समेत तीन पुलिस कर्मी सस्पेंड

24 घंटे युवक को हिरासत में रखने का आरोप

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने अनुशासनहीनता और दुर्व्यवहार के आरोप में तीन पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया है। इनमें अमरोहा नगर कोतवाली क्षेत्र की भूड़ चौकी के प्रभारी भी शामिल हैं। निलंबित किए गए पुलिस कर्मियों में चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक संजीव कुमार, कांस्टेबल मो. मिन अली और हेड कांस्टेबल संदीप कुमार शामिल हैं। इन सभी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। यह कार्रवाई मु0अ0सं0 115/26 से जुड़े एक मामले के बाद की गई है। आरोप है कि 10 अप्रैल को एक नामित अभियुक्त के पुत्र को बिना किसी वैधानिक आधार के चौकी लाया गया। उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया और उच्च अधिकारियों को सूचना दिए बिना उसे अनाधिकृत रूप से चौकी पर रखा गया। प्रारंभिक जांच में यह कृत्य घोर लापरवाही और अनुशासनहीनता का मामला पाया गया। इसके बाद उपनिरीक्षक संजीव कुमार, कांस्टेबल मोमिन अली और हेड कांस्टेबल संदीप कुमार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश जारी किए गए हैं। एसपी लखन सिंह यादव ने स्पष्ट किया है कि अनुशासनहीनता के मामलों में शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

निजी स्कूलों की लूट खसोट पर रोक लगे

सपा छात्र सभा ने कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने निजी विद्यालयों की मनमानी के खिलाफ कलेक्ट्रेट जमकर नारेबाजी की। अधिक फीस वसूलने वाले स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को कलेक्ट्रेट मे ज्ञापन सौंपा।

सोमवार को सपा छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने छात्र सभा का एक ही नारा शिक्षा पर नहीं चलेगा धंधा सारा, डीएम साहिबा ध्यान दे शिक्षा पर लूट बंद कराओ स्लोगन लिखे पोस्टर हाथो में लेकर कलेक्ट्रेट में जमकर नारेबाजी की। डीएम निधि गुप्ता वत्स को ज्ञापन सौंपा। जिसमे कहा गया है कि निजी विद्यालयों द्वारा मनमानी फीस वसूली जा रही है। कमिशन के चक्कर में एक ही दुकान से किताबें और कॉपियां खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है,जबकि स्कूलों में एडमिशन फीस, वार्षिक शुल्क,स्मार्ट क्लास के नाम पर अनावश्यक चार्ज वसूल कर अभिभावकों की जेब काटी जा रही है। छात्रों ने जांच कराकर ऐसे विद्यालयों के खिलाफ करवाई की मांग की।चेतावनी दी अगर

अवैध शुल्क वसूली करने वाले स्कूलों के खिलाफ करवाई नहीं हुई तो वह आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन करने वालो में जिलाध्यक्ष अनुज त्यागी, जाहिद, सुनील, मो. हित, मयंक, मोहम्मद आमिर, गुड्डू प्रधान, माजिद, जीशान, नूर आलम, सचिन, दीपेंद्र, शुभंभ, कमल व नितिन शामिल रहे।

बैसाखी पर्व पर बच्चों ने प्रस्तुति से बांधा समां

एमएस स्कूल में कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। सोमवार को नगर के एम एस सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में बैसाखी का त्योहार बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। स्कूल परिसर में सुबह से ही त्योहार जैसा माहौल नजर आया। छोटे-छोटे बच्चे पंजाब और हरियाणा की पारंपरिक वेशभूषा में सजकर पहुंचे, जिन्हें देखकर हर कोई खुश हो उठा।

कार्यक्रम के दौरान बड़े बच्चों ने मंच पर बोलियां और गिद्दा की शानदार प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। उनकी अदाएं, ताल और उत्साह ने वहां मौजूद बच्चों, अध्यापकों, प्रधानाचार्य और प्रबंधक का दिल जीत लिया। प्रस्तुति के दौरान पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। इस मौके पर प्रधानाचार्य अंजली चौधरी ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन बच्चों को अपनी संस्कृति और त्योहारों से जोड़ते हैं। बैसाखी जैसे पर्व मेहनत, खुशहाली और नई उम्मीद का संदेश देते हैं। प्रबंधक वीरेश पाल सिंह ने कहा कि विद्यालय बच्चों की पढ़ाई के साथ उनकी सांस्कृतिक प्रतिभा को भी मंच देने का काम करता है। बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी को प्रभावित किया। निर्देशिका बबीता चौधरी ने कहा कि बच्चों ने पूरे मन से तैयारी कर बहुत सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किया। उन्होंने शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को बैसाखी पर्व का महत्व बताया गया और उत्साह के साथ पर्व की शुभकामनाएं दी गईं। इस दौरान उप-प्रधानाचार्य- राजेंद्र कुमार, युगल किशोर, शिवांगी, अल्का, संतोष, संजू, छवि, प्रिया, चंचल, सिमरन, कृति की मेहनत एवं अन्य शिक्षक की उपस्थिति में त्योहार को उत्साह पूर्वक मनाया गया।

बॉलीवुड ग्लैमर का शानदार आयोजन

स्पार्कल लेडिज क्लब का कार्यक्रम

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। स्पार्कल लेडीज क्लब ऑफ अमरोहा द्वारा बॉलीवुड थीम पर भव्य कार्यक्रम बॉलीवुड ग्लैमर का शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रैंप वॉक, डांस व तंबोला मुख्य आकर्षण रहे।

स्पार्कल क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे फिल्मी जगत की झलक, ग्लैमर और मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिला। जिसने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। रैंप वॉक में क्लब की सभी सदस्य बॉलीवुड अभिनेत्रियों के गेटअप में नजर आई। रेखा, जीनत, अमान, मुमताज, माधुरी दीक्षित, हुमा कुरैशी और श्रीदेवी के जैसे लोक. प्रिय किरदारों में सजी।रुनझुन अग्रवाल द्वारा बॉलीवुड थीम पर तंबोला खेला गया। शालिनी व अदिति ने फिल्मी अंदाज में सर्प्राइज कर रोमांच का तड़का लगाया। इस अवसर पर एडिटर ज्योति माहेश्वरी, नविता, सुची, योगेश मालीवाल, स्वीटी गुरुदिता, सोनिया, आकांक्षी जैन, आयुषी अग्रवाल, गौरी गुप्ता, प्रिया, साक्षी, प्रियंका, नैना गुप्ता, कविता, युक्ति मदान मौजूद रही।

जांच में वैध पाये गये सभी नामांकन

जनपद बार एसोसिएशन का चुनाव

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। बार एसोसिएशन चुनाव में दाखिल गये सभी सभी नामांन पत्र वैध पाये गये।

जिले में बार एसोसिएशन चुनाव के लिए मतदान 21 अप्रैल को होना है। जिसमें 12 पदों के लिए 57 अधिवक्ता किस्मत आजमाने उतरे हैं। मतगणना 22 अप्रैल को होगी। बार चुनाव इस बार प्रत्याशियों के बीच कड़ा मुकाबला होने के आसार दिख रहे हैं। अध्यक्ष और सचिव पद के लिए सबसे ज्यादा घमासान है। दोनों पदों के लिए छह-छह प्रत्याशी ताल ठोंके हुए हैं। अध्यक्ष पद पर चौन सुख गोले, कपिल कुमार चिकारा, आदिश खान सैफी, संजय कुमार शर्मा, अख्तर हुसैन और महाराज सिंह मैदान में डटे हैं तो वहीं सचिव के लिए भी छह प्रत्याशियों ने अपनी दावेदारी पेश की है। इनमें अरशद भारती, दिनेश चौहान, धर्मेंद्र सिंह, फारूक अहमद, विशाल कुमार शर्मा और निरंकार सिंह शामिल हैं। सोमवार को कचहरी परिसर में नामांकन पत्रों की जांच का कार्य किया गया, जांच में सभी नामांकन वैध पाए गए। इसके बाद अब निगाहें 15 अप्रैल को होने वाली नाम वापसी पर टिक गई हैं, इसके बाद ही चुनाव की तस्वीर साफ हो पाएगी। प्रत्याशियों ने चैंबरों पर जाकर 21 अप्रैल को होने वाले मतदान में अपने पक्ष में वोट की अपील की। दूसरी तरफ अधिवक्ताओं की गोपनीय बैठकों का दौर भी शुरू हो गया है। प्रत्याशियों का पूरा जोर युवा अधिवक्ताओं का अपनी तरफ मोड़ने पर है। जबकि कचहरी परिसर में दिनभर अधिवक्ताओं के बीच चुनाव की चर्चा चलती रही।

अम्बेडकर जयंती से पहले प्रतिमा स्थल की सफाई

शाह टाइम्स संवाददाता मंडी धनौरा। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती से पहले सोमवार को ग्राम कमालपुर में निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष राजेश सैनी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बाबा साहब की प्रतिमा और स्थल की साफ-सफाई कराई। इसके बाद सभी ने संविधान शिल्पकार बाबा साहब को नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। राजेश सैनी ने कहा कि बाबा साहब का जीवन समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणा है। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही समाज में समानता और शिक्षा का संदेश मजबूत होगा। इस दौरान कुबेर सैनी जिला अध्यक्ष ग्राम रोजगार सेवक संघ, सौरभ सैनी मंडल अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा भाजपा धनौरा, रामकिशोर, शिवलाल समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

मजलिस ने विधानसभा कमेटी का किया गठन

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने विधानसभा कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए संगठन में युवाओं को जिम्मेदारी देकर जोश भर दिया है। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम युवा कार्यकर्ताओं को संगठन में पद देकर उन्हें जिम्मेदारियां सौंप दी गई। मुख्य अतिथि प्रदेश महासि. चव एवं हापुड़ व बिजनौर के प्रभारी हाजी शहजाद खान एडवोकेट ने कहा कि मुख्य उद्देश्य आगामी चुनौतियों को देखते हुए विधानसभा स्तर पर संगठन को मजबूती देना और ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपना था। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में अभी से जुट जाये। विधानसभा अध्यक्ष छुन्नन अल्वी ने संगठन का विस्तार करते हुए आदिल मलिक को विधानसभा उपाध्यक्ष, मोहम्मद शाहिद अंसारी, दिलशाद चौधरी व कदीर कुरैशी को महासचिव मनोनीत किया गया। रऊफ मालिक व अय्यूब सलमानी को संयुक्त सचिव बनाया गया। अकरम रजा को कार्यकारिणी का सदस्य नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। विधानसभा अध्यक्ष छुन्नन ने कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की असली ताकत है। इस दौरान पदाधिकारियो का फूल मालाये पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर हाफिज आसिफ, डॉ. वकार चौधरी, गुड्डू जफर, शाहवेज सलमानी सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मन मोहा

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। ब्लॉक क्षेत्र के गाँव सुल्तानठेर में स्थित संविलियन विद्यालय में वार्षिकोत्सव का कार्यक्रम धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये तो वहीं वार्षिक परीक्षाफल का वितरण किया गया।

बच्चों को साईकिल प्रदान करके बढ़ाया हौंसला

सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी आरती गुप्ता और विद्यालय की इंचार्ज ज्योति चौधरी ने राष्ट्रीय आय छात्रवृत्ति में उत्तीर्ण बच्चों को साइकिल देकर पुरस्कृत किया। कक्षा में प्रथम और द्वितीय, तृतीय स्थान पाने वाले छात्र एवं छात्राओं को भी पुरुस्कार दिए गए। खंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई और देख-रेख अच्छी देखकर काफी प्रशंसा की और बच्चों को आगे बढ़ने के लिए उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि परीक्षा में कम अंक प्राप्त करने वाले बच्चे हताश न हों और अग्रिम कक्षाओं में जीतोड़ मेहनत करें। चार्ज ज्योति चौधरी ने अंत में सभी का आभार व्यक्त किया, उन्होंने कहा कि विद्यालय में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये पूरा स्टॉफ प्रयत्नशील है। इस अवसर पर डॉ.जितेन्द्र सागर, पवनेश, अभय यादव, अमित राणा, अमिताभ राणा, किशन लाल आदि समेत अनेकों अभिभावक और ग्रामीण मौजूद रहे।

गैस की किल्लत से निजात दिलाने की मांग

राष्ट्र सेवी संगठन ने किया प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। राष्ट्र सेवी संगठन ने गैस की किल्लत को लेकर नारे बाजी करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया है। गैस एजेंसी पर पिछले कई दिनों से रसोई गैस की भारी किल्लत बनी हुई है। जिससे आम जनता का जीना मुहाल हो गया है। सुबह होते ही लोग अपने खाली सिलेंडर लेकर एजेंसी के बाहर कतारों में लग जाते हैं। लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी अधिकांश लोगों को खाली हाथ ही घर लौटना पड़ रहा है। जबके हसनपुर गैस के कार्यालय पर उपभोक्ताओं की लंबी कतारें कड़ाके की धूप और अपनी बारी के इंतजार में लग जाती हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि स्टॉक कम होने का फायदा उठाकर कुछ लोग ऊंचे दामों पर सिलेंडर की कालाबाजारी कर रहे हैं। राष्ट्र सेवी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार शर्मा ने कहा कि यदि गैस की किल्लत में सुधार नहीं किया गया तो संगठन धरना प्रदर्शन करने को मध्य होगा। इस अवसर पर आशा पाल महेंद्र सैनी पुत्र विकास देवेंद्र सैनी कुलदीप सिंह आदि मौजूद थे।

सत्ता विरोधी लहर का लाभ उठाने की फिराक में समाजवादी पार्टी

प्रमुख राजनीतिक दलों में गुटबाजी चरम सीमा पर

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। विधानसभा चुनाव में अब एक साल से भी कम समय बचा है। इस सबके बावजूद तमाम प्रमुख राजनीतिक दल गुटबाजी के शिकार हैं। जिस कारण प्रत्याशी चयन में राजनीतिक दलों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मार्च 2027 में विधानसभा के चुनाव प्रस्तावित हैं। चुनाव में अब एक साल से भी कम का समय बचा है। परन्तु सभी प्रमुख राजनीतिक दल इस समय गुटबाजी के शिकार हैं। सत्तारूढ पार्टी भाजपा भी इससे अछूती नहीं है। केन्द्र में 12 तथा प्रदेश की सत्ता पर नौ साल से काबिज भाजपा को गुटबाजी के अलावा सत्ता विरोधी लहर का भी सामना करना पड़ रहा है। 2017 के चुनाव में भाजपा ने नौगांवा, मंडी धनौरा व हसनपुर विधानसभा की सीटों पर कब्जा जमाया था जबकि 2022 में सपा ने नौगांवा सीट भाजपा से छीन ली थी। उधर मंडी धनौरा में भाजपा का जीत का अंतर भी घटा था। हसनपुर व धनौरा में भाजपा के विधायक होने के बावजूद पार्टी कई अन्य नेता भी यहां से टिकिट की दावेदारी जता रहे हैं जबकि नौगांवा विधानसभा में भी पार्टी के कई नेता टिकिट मांग रहे हैं। जैसे जैसे चुनाव का समय करीब आ रहा है भाजपा में गुटबाजी बढ़ रही है। प्रमुख विपक्षी दल सपा भी इससे अछूती नहीं है। 2012 के विधानसभा चुनाव में सपा ने चारों सीटों पर कब्जा जमाया था। 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में सपा से भाजपा ने तीन सीटे छीन ली थीं। जबकि 2022 में भाजपा व सपा को दो-दो विधानसभा सीटों पर संतोष करना पड़ा था। नौगांवा में सपा का विधायक होने के बावजूद यहां आधा दर्जन से अधिक नेता टिकिट की दावेदारी जता रहे हैं। यही हाल धनौरा व हसनपुर विधानसभा में भी है। यहां भी आधा-आधा दर्जन नेता सपा से टिकिट की दौड़ में शामिल हैं। जिले में बसपा की हालत पतली है। 2007 में बसपा ने हसनपुर सीट पर कब्जा जमाया था। उसके बाद हुए 2012, 2017 व 2022 के चुनाव में जिले में बसपा का खाता भी नहीं खुला। चुनाव में बसपा प्रत्याशियों की जमानते भी जब्त हो गयीं। दरअसल दलित वोट के बसपा से छिटकने से पार्टी लगातार कमजोर हो रही है। कांग्रेस की हालत जिले में सबसे ज्यादा खराब है। 2022 के चुनाव में कांग्रेस को तीन सीटों पर जमानत जब्त हो गयी थीं। जबकि अमरोहा में कांग्रेस प्रत्याशी सपा की गोद में जाकर बैठ गया था। आसपा पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी रही है जबकि एमआईएम को जिले में मजबूत प्रत्याशियों की तलाश है। सभी दलों के लिए गुटबाजी चिंता का कारण है। हाईकमान पार्टी में गुटबाजी दूर करने के लिए गंभीर नहीं है।

आफताब की याद में फ्री मेडिकल कैम्प

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। फ्री मेडिकल कैंप में दो सौ मरीजों की नि:शुल्क चिकित्सा जांच कर उन्हें दवाई दी गई। सोमवार को मोहल्ला बेगमसराय मे मरहूम पूर्व सभासद डॉ.आफताब की याद में एक नि:शुल्क कैंप का आयोजन किया गया। जिसकी शुरुआत मुफ्ती जाहिद की दुआ से हुई। वेंकटेश्वर अस्पताल के अनुभवी चिकित्सकों द्वारा बीपी, शुगर, इसीजी, हृदय रोग, हड्डी रोग के करीब 200 मरीजों की फ्री जांच कर उन्हें उन्हें दवाई दी गई। पूर्व सभासद के पुत्र सभासद आमिर आफताब ने कहा कि यह खिदमत का जज्बा उन्हें अपने वालिद से विरासत में मिला है। वालिद की नक्शेकदम पर चलकर वह आगे भी आवाम की खिदमत करते रहेंगे। इस मोके पर अनस आफताब, नासिर अली, शाहजेब आफताब, अरशद फैजी, कौसर अब्बासी, जाबिर मंसूरी, नईम मलिक, मोहम्मद अहमद जैदी, मोनू कुरैशी व मौहम्मद जावेद आदि मौजूद रहे।

फैमिली आईडी की धीमी प्रगति से डीएम खफा

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। डीएम निधि गुप्ता वत्स ने पीएम सूर्य घर योजना के तहत निर्धारित लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि एक सप्ताह तक विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन कराए जाएं और उसके अगले सप्ताह में सोलर संयंत्र लगाने का कार्य तेजी से पूरा किया जाए।

कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री पीएम सूर्य घर योजना, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम और कैच द रेन अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में योजनाओं की धीमी प्रगति और विभागीय लापरवाही पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। बैंक और विद्युत विभाग की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने कहा कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फैमिली आईडी बनाने की धीमी प्रगति पर भी जिलाधिकारी ने असंतोष व्यक्त किया और निर्देश दिए कि शि. विर लगाकर अधिक से अधिक परिवारों की आईडी बनाई जाए। इसके साथ ही कैच द रेन अभियान के अंतर्गत जल संचय जनभागीदारी पोर्टल की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि चिन्हित स्थलों पर रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण कराया जाए और सभी पूर्ण कार्यों को पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड किया जाए। बैठक में सीडीओ अश्विनी कुमार मिश्र, एडीएम मसीहा नजम, सीएमओ, पीडीडीआरडीए, अर्थ एवं संख्या अधिकारी, उपनिदेशक कृषि, जिला पूर्ति अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस ने पांच वारंटियों को भेजा जेल

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने अलग-अलग मामलों में लंबे समय से वांछित चल रहे पांच वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में गठित टीम ने संदिग्धों के ठिकानों पर दबिश देकर इन्हें दबोच लिया। पकड़े गये आरोपी कोर्ट में पेश न होने के कारण वारंटी घोषित थे। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र के अपराधियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए अपराधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस ने सहुद पुत्र गफूर गांव शाहपुर कला, बाबूराम उर्फ सुरेंद्र पुत्र रामफूल गंगा चोली, नईम पुत्र अब्दुल अजीज निवासी मोहल्ला होली वाला नेमचंद पुत्र हाली निवासी रुखालू को अरेस्ट कर कोर्ट के समक्ष पेश किया गया।

डॉ.आंबेडकर पार्क में चलाया स्वच्छता अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉ.आंबेडकर पार्क और प्रतिमाओं की साफ सफाई की और 14 अप्रैल को डॉ.आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाने का संकल्प लिया।

बता दें कि मंगलवार को देश भर में भारत रत्न डॉ.भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। जयंती की पूर्व संध्या पर विधायक राजीव तरारा ने गजरौला मंडल अंतर्गत ग्राम सलेमपुर गौसाई, ढकिया भूड़ व धनौरा नगर स्थित डॉ. आंबेडकर पार्क पार्क में सफाई

विधायक व ब्लॉक प्रमुख ने किया नेतृत्व

अभियान चलाया हुए प्रतिमाओं की सफाई की। विधायक ने कहा कि डॉ. आंबेडकर का जीवन संघर्ष, समानता और सामाजिक न्याय की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सतवीर सिंह, मंडलाध्यक्ष सतपाल पाल, कपिल भड़ाना, भारत सिंह, हितेश कुमार, जयदेव नगर, रोहित चौहान, पवन, निहार त्यागी, अमन, विनोद, अक्षय, सुरेंद्र सिंह, चरण सिंह, नरेंद्र सिंह, प्रशांत आदि मौजूद रहे। वहीं नगर के चौपला स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क में ब्लॉक

प्रमुख मीनाक्षी चौधरी के नेतृत्व में सफाई अभियान चलाया गया। इस मौके पर एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष रामरतन सिंह जाटव, मनमोहन सिंह सेन, लोकेश कुमार, विवेक सागर, महिपाल चौहान, होशियार सिंह, वीर सिंह सैनी, जोगिंदर सिंह, दयाचंद आदि मौजूद रहे।

मांगों को लेकर 21 को कलेक्ट्रेट में गरजेंगे पेंशनर्स

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक में 21 अप्रैल को मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट में होने वाले धरने प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया गया।

सोमवार को पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक हुई जिसमें वक्ताओं ने कहा कि 21 अप्रैल को शहीद पार्क कलेक्ट्रेट पर देशव्यापी धरना प्रदर्शन 11 बजे से 2 बजे तक किया जाएगा और 2 बजे जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री जी को ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा। अधिक से अधिक संख्या में इस धरना प्रदर्शन में पेंशनर्स उपस्थित होंगे और कार्यक्रम को

सफल बनाने का पूर्ण प्रयास किया जाएगा। ज्ञापन में 10 मांगें शामिल है जिनमें वित्त विधेयक 2025 वापस लेने,आठवें वेतन आयोग का लाभ देने,65,70, 75 और 80 वर्ष पर 5,10, 15 और 20% पेंशन वृद्धि करने, कोरोना अवधि का 18 माह का मंहगाई राहत एरियर भुगतान करने, सीनियर सिटीजन की बंद की सुविधाएं पुनः चालू करने आदि प्रमुख मांगो शामिल है। बैठक में अध्यक्ष अनूप सिंह पैसल, शिवेंद्र सिंह चिकारा, राजेंद्र सिंह राणा, शिशुपाल सिंह, अमीपाल सिंह, श्योनाथ सिंह प्रजापति जी, विपिन त्यागी आदि मौजूद रहे।

सम्बन्ध-विच्छेद

मेरा बेटा हैदर अली गलत संगत में पड़ गया है। जिस कारण मैं व मेरे परिवार ने उससे सभी तरह के संबंध समाप्त कर लिये हैं। उसके द्वारा किये गये किसी भी गलत कृत्य के लिए मैं व मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा। मैं उसे अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं।

मौहम्मद महमूद पुत्र मौहम्मद अली निवासी हफ्ता बाजार कस्बा नौगांवा सादात जिला अमरोहा।

धूमधाम के साथ मनाई गई डा. अंबेडकर जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। मोहन सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर निकट पुरानी स्टेट बैंक, पूरनपुर, पीलीभीत में डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती मनाई गई स्थानीय मोहन सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर पुरनपुर , पीलीभीत में डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती बड़े उत्साह से मनाई गई। प्रधानाचार्य नीरज दीक्षित के द्वारा डॉ अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रधानाचार्य ने डॉक्टर अंबेडकर को समाज में समानता , न्याय और अधिकारों के लिए संघर्ष किया और भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला बताया। इस अवसर पर गीत प्रतियोगिता व कला प्रतियोगिता और कई अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें सभी छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। विद्यालय परिवार की ओर से दीपचंद गंगवार, कमल गंगवार, सुबोध अग्निहोत्री , महिपाल गंगवार, मनीष दिवाकर, शिल्पी श्रीवास्तव, अर्चना सक्सेना, शिवांगी मिश्रा, पूनम मिश्रा व समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

स्ट्रेचर पर लेटी महिला के पार हुए सोने के कुंडल

- एसएस हॉस्पिटल के स्टाफ पर लगाया चोरी को आरोप
- शिकायत पर पीड़ित को अस्पताल प्रशासन ने डरा धमका कर भगाया
- डीएम ने दिए जांच के आदेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

पीलीभीत। अक्सर विवादों में रहने वाले शहर के नामचीन एस एस हॉस्पिटल पर एक बार फिर गंभीर आरोप लगे है, आरोप भी ऐसे जिसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। पीड़ित ने डीएम पीलीभीत ज्ञानेंद्र को शिकायती पत्र देकर न्याय की मांग की है, पीड़ित की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने सीएमओ को जांच कर जल्द रिपोर्ट मांगी है।

राहुल पुत्र बाबू राम निवासी ग्राम रम्पुरिया सिरसा पोस्ट चन्दोई तहसील पीलीभीत निवासी ने डीएम पीलीभीत ज्ञानेंद्र सिंह को प्रार्थना पत्र देकर बताया है कि 10 अप्रैल को प्रार्थी अपनी मां को लेकर एसएस हॉस्पिटल पीलीभीत में हालत सीरियस होने के कारण भर्ती कराने लेकर गया था भर्ती के दौरान मेरी माँ के सोने के कुंडल जो की एसएस हॉस्पिटल के सिक्योरिटी गार्ड ने चोरी कर लिए जिसका साक्ष्य हॉस्पिटल के सीसीटीवी कैमरे में कैद है। यह घटना 10/04/2026 को समय सायंकाल 8:26 मिनट पर गेट पर लगे कैमरा नंबर 9 में कैद हुई है। यह सब घटना डॉक्टर प्रान्जल अग्रवाल की देखरेख में हुई तथा इसके बाद मैनेजर को इस घटना के बारे में बताया तो हमारे मरीज को अधूरा इलाज बंद करके और अभद्र भाषा जिसमें आईसीयू टेक्निशियन सहायक कहता है मरीज का ऊपर जाने का समय आ गया है ये सब किया फिर हमारे मरीज को सीरियस स्थिति में हॉस्पिटल से बाहर कर दिया गया उक्त घटना की जांच कराने को कहने पर हॉस्पिटल प्रशासन जान से मारने की धमकी देकर मरीज को हॉस्पिटल से बाहर कर दिया गया। इसके बावजूद हॉस्पिटल प्रशासन द्वारा हॉस्पिटल पर कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। यह घटना ना केवल मेरी व्यक्तिगत क्षति है बल्कि हॉस्पिटल की सुरक्षा व्यवस्था की कड़ी लापरवाही है। पीड़ित की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए डीएम पीलीभीत ज्ञानेंद्र सिंह पूरे प्रकरण को जांच कराकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी से जल्द दोषी पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है।

एक नजर

सनातन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर किया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

बीसलपुर। नगर के मोहल्ला दुबे स्थित राधा कृष्ण बैंकट हॉल में रविवार को एक सनातन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें न्यूरानपुर मुड़िया आश्रम के महंत योगी हनुमान नाथ ने इस अवसर पर कहा कि सनातन धर्म विश्व का श्रेष्ठतम धर्म है और इसकी रक्षा के लिए धार्मिक ग्रंथो का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

महंत हनुमान नाथ ने जोर देकर कहा कि सनातन धर्म की रक्षा करना प्रत्येक सनातनी का कर्तव्य है उन्होंने बताया कि संस्कृति परंपरा और विरासत को जीवित रखना ही धर्म की सच्ची सेवा है यह कार्य वेदों पुराणों के अध्ययन गौ सेवा और धार्मिक शिक्षा के प्रचार प्रसार से ही संभव है उन्होंने यह भी कहा कि जो धर्म की रक्षा करता है धर्म उसकी रक्षा करता है और इसके लिए समाज को संगठित कर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता ने की उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमें गर्व है कि हम उसे देश में जन्मे हैं जहां भगवान राम और भगवान श्री कृष्ण ने अवतार लिया उनके आदर्शों को अपना कर ही जीवन को सफल बनाया जा सकता है। इस अवसर पर अशोक दीक्षित अधिवक्ता, आंसू भारद्वाज, सोनू दीक्षित, लल्ला महाराज मिश्रा, रविकांत सूर्यवंशी, प्रबल शर्मा सहित दर्जनों कई कार्यकर्ता एवं गणमान्य उपस्थित रहे।

रोजगार सेवकों ने दी अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

शाह टाइम्स संवाददाता

आसफपुर। जनपद बदायूं के ब्लाक आसफपुर में ग्राम रोजगार सेवक वेलफेयर एसोसिएशन, ब्लॉक आसफपुर के पदाधिकारियों ने प्रांतीय आह्वान पर कलमबंद अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। इस संबंध में सोमवार को 1 बजे करीब खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम रोजगार सेवकों का मानदेय एवं ईपीएफ का भुगतान पिछले दो वर्षों से लंबित है। इसके बावजूद सभी सेवक शासन के निर्देशानुसार अपने दायित्वों का लगातार निर्वहन करते आ रहे हैं। रोजगार सेवकों का कहना है कि भुगतान न होने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय हो गई है, जिससे जीवनयापन में गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। संघ के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक बकाया मानदेय और ईपीएफ का भुगतान नहीं किया जाता, तब तक सभी ग्राम रोजगार सेवक कार्य बहिष्कार कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से जनपद में हजारों परिवारों को मिला पक्का आवास

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूँ । जनपद बदायूँ में गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) प्रभावी ढंग से क्रियान्वित की जा रही है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार मार्च 2012 से मार्च 2017 तक जनपद में 6,495 लाभार्थियों को योजना का लाभ देते हुए लगभग 7794 लाख रुपए की धनराशि व्यय की गई। वहीं अप्रैल 2017 से दिसंबर 2025 तक इस योजना के अंतर्गत 38,284 परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए गए, जिन पर लगभग 45,940.80 लाख रुपए की धनराशि व्यय की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का मुख्य उद्देश्य ऐसे परिवारों को आवास उपलब्ध कराना है जो कच्चे या जर्जर मकानों में जीवन यापन कर रहे हैं। योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों का चयन पारदर्शी प्रक्रिया के तहत किया जाता है तथा उन्हें निर्धारित मानकों के अनुसार किस्तों में धनराशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जाती है। जिला प्रशासन द्वारा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नियमित रूप से समीक्षा एवं निगरानी की जा रही है। साथ ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु स्थलीय निरीक्षण भी कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से जनपद में न केवल लोगों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक आवास मिला है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। यह योजना समाज के कमजोर वर्गों के लिए आशा की किरण बनकर उभरी है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से जनपद के लाखों किसानों को मिला आर्थिक संबल

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। 1। जनपद बदायूँ में किसानों की आय वृद्धि एवं आर्थिक सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना प्रभावी रूप से लागू की जा रही है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2017 से दिसंबर 2025 तक जनपद में कुल 4,31,816 किसानों को इस योजना का लाभ प्रदान किया गया है, जिनके खातों में सीधे 181.36 करोड़ रुपए की धनराशि हस्तांतरित की गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत पात्र कृषकों को प्रतिवर्ष 6000 रुपए की सहायता तीन समान किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रदान की जाती है। इस योजना ने जनपद के छोटे एवं सीमांत किसानों को खेती-किसानी के लिए आवश्यक संसाधनों की पूर्ति में महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। जिला प्रशासन द्वारा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निरंतर निगरानी की जा रही है। साथ ही पात्र किसानों का पंजीकरण, आधार सत्यापन एवं बैंक खातों का सीडिंग कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित न रहे। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता के परिणामस्वरूप किसानों की क्रय क्षमता में वृद्धि हुई है तथा कृषि निवेश में सुधार देखने को मिला है। यह योजना जनपद के कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभा रही है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने विशेष अभियान चला किया सघन निरीक्षण

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूँ । जिलाधिकारी बदायूँ के निर्देश के क्रम में सहायक आयुक्त (खाद्य) सी0एल0 यादव के निर्देशन एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा सोमवार को खाद्य एवं पेय पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा अधोमानक खाद्य पदार्थों की बिक्री को विशेषकर खुले हुए खाद्य पदार्थ, बेकार सड़े हुए फल-सब्जी इत्यादि एंव असुरक्षित तरीके से तैयार किये जा रहे ताजा फलों, गन्ने के जूस इत्यादि पर नियत्रंण हेतु स्थान बहेड़ी तिराहा, बड़े सरकार एवं लालपुल चौराहा बदायूँ स्थित विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों पर उपस्थित खाद्य कारोबारकर्ता पप्पू, राजबाबू, अनिल कुशवाहा, राम नमन गुप्ता एवं सिराज के खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान समस्त खाद्य कारोबारकर्ताओं को खाद्य पदार्थो को ढ़ककर रखने, दुकानों में साफ-सफाई रखने, शुद्व एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थो को बेंचने, बिना लाइसेंस के खाद्य कारोबार नही संचालित करने के कड़े निर्देश दिए गए।

भाजपा विधायक ने निरीक्षण कर कंपोजिट विद्यालय में पकड़ी धंधली

शाह टाइम्स संवाददाता

बीसलपुर। बरखेड़ा भाजपा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद का सख्त देखने को मिला भाजपा विधायक ने निरीक्षण के दौरान कंपोजिट विद्यालय का लिया जाएजा।

मिली जानकारी के अनुसार आपको बता दें बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बिठौरा में बन रहे कंपोजिट विद्यालय का भाजपा विधायक द्वारा निरीक्षण किया गया जहां मौके पर घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा था। विधायक ने ईट तोड़कर गुणवत्ता जाची निर्माण कार्य पर कई गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि सब घटिया सामग्री लगाई जा रही है विधायक ने डीएम को फोन कर निर्माण कार्य के बारे में अवगत कराया और कहा सत्यानाश करने पर लगे हुए हैं। और हम समाज को किस तरह मुंह दिखाएंगे घटिया बिल्डिंग बनाकर हमें तो समाज के साथ ही रहना है।

विधायक ने कहा कि इसमें मजदूर और मिस्त्री की कोई जिम्मेदारी नहीं है वह तो विचारे अपना कार्य कर रहे हैं जो उनको बताया गया है। विधायक ने जिलाधिकारी को मामले की पूरी शिकायत दी और सख्त कार्रवाई की मांग की और कहा आप स्वयं जाकर निरीक्षण करें फिलहाल विधायक ने निर्माण कार्य को रुकवा दिया है आगे का कार्य जांच के बाद शुरू होगा।

स्मार्ट मीटर हटाने को लेकर सपाईयों का बिजली घर पर प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। स्मार्ट मीटर की अव्यवस्थाओं, बिना सूचना बिजली कटौती और कम खपत के बावजूद अधिक बिल आने से नाराज समा. जवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने नगर अध्यक्ष हाजी लाडले के नेतृत्व में सोमवार सुबह 11 बजे बिजली घर पर धरना प्रदर्शन किया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रीपेड स्मार्ट मीटर हटाकर पोस्टपेड मीटर लगाने की मांग उठाई। धरने के दौरान हाजी लाडले ने कहा कि भोली-भाली जनता को बिना पर्याप्त जानकारी दिए प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। मामूली रिचार्ज खत्म होने पर अचानक बिजली काट दी जाती है और उपभोक्ताओं को जरूरत से ज्यादा बिल का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि आम जनता इस व्यवस्था से परेशान है और कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए तत्काल प्रीपेड मीटर हटाने की मांग की। सपा जिला सचिव तौफीक अहमद कादरी, बंटू खां, अफजल अंसारी, शहीद खां और नादिर रजा बरकाती ने प्रीपेड कनेक्शन से उपभोक्ता त्रस्त हैं और महंगाई के बीच यह नई परेशानी बढ़ गई है। कार्यकर्ताओं ने पूरे नगर में झूलते तार, जर्जर विद्युत पोल हटाने तथा बिजली कनेक्शन के लिए विशेष कैंप लगाने की मांग की। धरने में लल्ला भाई, मो. तालिब, अमन यादव, जाहिद खां, मो. पायीन, भूरी बेगम, कैंसरी बेगम, पुनीत वर्मा, श्यामाचरण सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

पीलीभीत के मेधावियों ने रचा इतिहास

- 'बजट क्वेस्ट' के राष्ट्रीय मंच पर चमकेंगे गोस्वामीज मॉम्स प्राइड स्कूल के सितारे

शाह टाइम्स ब्यूरो

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जनपद के लिए आज का दिन स्वर्णाक्षरों में लिखे जाने योग्य है। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले गोस्वामीज मॉम्स प्राइड स्कूल पीलीभीत के चार होनहार विद्यार्थियों ने अपनी कुशाग्र बुद्धि और आर्थिक समझ का परिचय देते हुए 'MY Bharat ctV DosLV 2026' के राष्ट्रीय स्तर पर अपना स्थान सुनिश्चित किया है। यह न केवल विद्यालय के लिए, बल्कि संपूर्ण तराई क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री की उपस्थिति में भव्य शुभारंभ, लखनऊ में आयोजित इस तीन दिवसीय (11-13 अप्रैल) गरिमामयी कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित रहे। दिग्गजों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की महत्ता को और बढ़ा दिया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में इन युवाओं को 'नए भारत के नए अर्थशास्त्री' कहकर प्रोत्साहित किया। कठिन चयन प्रक्रिया और पीलीभीत का गौरव 'बजट क्वेस्ट' कोई साधारण प्रतियोगिता नहीं थी। इसमें उत्तर प्रदेश के हजारों विद्यालयों के छात्रों ने हिस्सा लिया था। कई कठिन चरणों, जिनमें जटिल क्विज और गहन शोध आधारित निबंध लेखन शामिल था, को पार करने के बाद ळडचै पीलीभीत के पार्थ अग्रवाल (कक्षा 10, कॉमर्स), अनुष्का श्रीवास्तव (कक्षा 10, कॉमर्स), रिधिमा अग्रवाल (कक्षा 11), सिद्धि सिंह देशवार कक्षा 12 ने हिस्सा लिया। इस पूरे आयोजन का सबसे मुख्य आकर्षण 13 अप्रैल को होने वाला सत्र है।

शाम 4:00 से 5:00 बजे के बीच, पीलीभीत के ये चारों छात्र एक विशेष वर्चुअल लिंक के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ सीधा संवाद करेंगे। प्रधानमंत्री इन युवा मस्तिष्क से देश के आर्थिक भविष्य और शविकसित भारत /2047श के विजन पर चर्चा करेंगे। विद्यालय का अनुकरणीय मार्गदर्शन गोस्वामीज मॉम्स प्राइड स्कूल, पीलीभीत ने छात्रों की इस सफलता के पीछे एक आधार स्तंभ की तरह कार्य किया है। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने पंजीकरण की प्रक्रिया से लेकर बजट के जटिल सिद्धांतों को समझाने तक छात्रों को निरंतर मेंटरशिप प्रदान की।

इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक निशांत गोस्वामी, चेयरपर्सन डॉ. सोनिया गोस्वामी, एवं प्रधानाचार्या जया घोष ने हर्ष व्यक्त करते हुए छात्रों को बधाई दी। छात्रों की इस विशेष तैयारी और सफलता में कॉमर्स विभाग की विभागाध्यक्ष विष्णुप्रिया का मार्गदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा।

25 हजार का ईनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। थाना पूरनपुर पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट के वांछित, 25 हजार रुपए के इनामिया अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव द्वारा अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी के चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत सोमवार को थाना पूरनपुर पुलिस द्वारा मुकदमा अपराध संख्या 113/2026 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट में वांछित व 25 हजार रुपए के पुरस्कार घोषित अभियुक्त आशू पाण्डेय पुत्र सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय नि० ग्राम मोहम्मदपुर भायपुर थाना पूरनपुर जनपद पीलीभीत को मोहम्मदपुर भायपुर तिराहा भगवन्तापुर रोड के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार गैंगस्टर पर विभिन्न थानों में 15 से अधिक मुकदमें दर्ज है।

धूमधाम से मनाया अखिल भारत हिन्दू महासभा का 112 वां स्थापना दिवस

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। अखिल भारत हिन्दू महासभा भारत का प्रथम राजनैतिक दल जिसकी स्थापन मदन मोहन मालवीय, वीर सावरकर जी ने हिंदुत्व को एक जुट व असहाय दवे कुचले हिन्दू भाइयों बहनों के लिए इस संगठन का निर्माण किया गया था।

कार्यक्रम में संत महात्मा अलग अलग अखाड़ों से श्री महामण्डलेश्वर एंव राष्ट्रीय स्तर से तमाम उच्च अधिकारी गढ़ उपस्थित रहे जिसमें बिहार, हरियाणा, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश एवं तमाम राज्यों से उच्च अधिकारीयों ने मंच पर ओजस्वी भाषण देकर हिंदुओं को हिंदुत्व के प्रति उत्साहित कर देश के प्रति जिम्मेदारीयो एवं गौरक्षा के प्रति हिन्दू भाइयों बहनों को संबोधित किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मुन्ना कुमार शर्मा के नेतृत्व में हुआ जिसमें संगठन के समस्त राष्ट्रीय एंव जनपदो के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंच का संचालन राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री दिल्ली वीरेश त्यागी ने की जिसमें उन्होंने राजनीति में राष्ट्रीय हिन्दू की अवधारणा के प्रति हिंदुओं को जागरूक कर अखिल भारत हिन्दू महासभा के हिन्दू ध्वज गीत से कार्यक्रम की शुरुआत कराई। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले से भी इस 112 वे हिन्दू महासभा स्थापना दिवस समारोह मे बडचढ कर हिस्सा लिया जिसमें पीलीभीत से प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव मिश्रा पीलीभीत के जिला अध्यक्ष पं पंकज शर्मा को मंच पर ओजस्वी भाषण के लिए बुलाया गया और राष्ट्रीय अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष संजीव राणा ने भगवा पटका पहना कर स्वागत करा। पीलीभीत की तरफ से संगठन की जिला टीम, युवा टीम एवं महिला टीम की संख्या सबसे ज्यादा दिखाई दी संगठन के समस्त पदाधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे जिसमें महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव मिश्र, जिलाध्यक्ष पंडित पंकज शर्मा, जिला महामंत्री मयंक जायसवाल, जिला मीडिया प्रभारी डॉ प्रेम सागर शर्मा, जिला उपाध्यक्ष हरिओम मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष शल्भ गंगवार पंडरी के प्रधान व जिला उपाध्यक्ष कमल कश्यप युवा टीम से युवा जिलाध्यक्ष गौरव शर्मा युवा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रकाश अग्निहोत्री, युवा जिला सचिव चेतन श्रीवास्तव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पंचायत चुनाव में देरी होने पर गहन चर्चा हुई

शाह टाइम्स संवाददाता

आसफपुर/सीकरी(बदायूं)। बीते सोमवार को स्थानीय विकास खंड क्षेत्र के ग्राम प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष अधिकवक्ता पुलेंद्र सिंह के नेतृत्व में सभी सम्मानित ग्राम प्रधानों की बैठक आयोजित की गई जिसमें ग्राम पंचायत चुनाव को लेकर ढुलमुल रवैए पर चुनाव नियत समय पर नहीं होने पर गहन चर्चा हुई ।

इस दौरान ग्राम प्रधानों ने प्रदेश सरकार से मांग करते हुए कहा कि ग्राम प्रधान को ही वित्तीय व कार्य करने का अधिकार तथा प्रधान को ही प्रशासक बनाया जाए जिससे ग्राम पंचायतों के कार्यों को सुचारु रूप से चलाया जा सके । इस दौरान ग्राम प्रधान संगठन ने विकास खंड कार्यालय परिसर में बने नवनिर्मित सभागार कक्ष में आवश्यक सुविधाओं के अभाव का जिक्र करते हुए कहा कि सभागार कक्ष में सुविधाओं के अभाव में ताला लटका रहता है जिससे ग्राम प्रधान संगठन के जनप्रतिनिधि इधर उधर बैठक करने को विवश रहते हैं। इस अवसर पर क्षेत्रीय ग्राम प्रधान पति सतीश यादव, किशनवीर सिंह, राम लखन, नरेंद्र चौधरी, अय्यूब मलिक, विजय सिंह, रामखिलाड़ी, अमित, शिवजीत ,जयपाल सिंह , सुमेधा यादव, मनोज कुमार सिंह एडवोकेट, राजवीर, मनवीर, धर्मेंद्र मिश्रा, रीतेश चौहान, अंशु, चंद्र गुप्त, सुरेन्द्र पाल सिंह, ओमेंद्र ठाकुर आदि सम्मानित ग्राम प्रधान मौजूद रहे ।

केंद्रीय राज्य मंत्रा ने नई दिल्ली के लिए विशेष गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतजनगर मंडल पर माननीय राज्यसभा सांसद उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण व सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के केन्द्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार बी. एल. वर्मा ने सोमवार को बरेली जंक्शन-नई दिल्ली-बरेली जंक्शन इंटरसिटी एक्सप्रेस गाड़ी 14315/14316 का संचलन विस्तार बदायूं एवं कासग. ंज तक होने के उपलक्ष्य में उद्घाटन विशेष गाड़ी 05303 का शुभारंभ बदायूं रेलवे स्टेशन पर हरी झण्डी दिखाकर किया।

बदायूं रेलवे स्टेशन पर आयोजित भव्य समारोह में माननीय राज्यसभा सांसद उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण व सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के केन्द्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री बी. एल. वर्मा ने कहा कि कासगंज, उझानी एवं बदायूं क्षेत्रवासियों को दिल्ली जाने के लिए इंटरसिटी एक्सप्रेस गाड़ी की सौगात मिली है। यहाँ की बहुप्रतिक्षित मांग को रेलवे प्रशासन द्वारा आज पूरा कर दिया गया। जो यहां के क्षेत्रीय लोगों के विकास के लिए एक नई सौगात मिली है। इस इंटरसिटी गाड़ी के संचलन विस्तार बदायूं एवं कासगंज तक होने से यहां के स्थानीय जनता, स्कूली बच्चों एवं व्यापारियों को बरेली, मुरादाबाद, गजियाबाद एवं दिल्ली आवागमन करने हेतु सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक रेल यात्रा की सुविधा उपलब्ध हो गई है। आगे उन्होंने कहा कि अब स्कूली बच्चें दूसरे जनपदों एवं राजधानी में जाकर शिक्षा ग्रहण करेंगे।

पत्रकारों की पांच सूत्रीये मांगों को लेकर आईरा संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

शाह टाइम्स संवाददाता

बदायूं। मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। उत्तर प्रदेश में मीडिया ने लोकतंत्र परंपराओं और जनतंत्र की रक्षा के लिए हमेशा शासन एवं प्रशासन का महत्वपूर्ण योगदान दिया है, लंबे समय से हमारे संगठन आल इंडिया रिपोटर्स एसोसिएशन (आईरा) पत्रकारों की सुरक्षा एवं सम्मान के लिए विभिन्न मांगे कर रहा है, इसी क्रम में जनपद के समस्त पत्रकारों ने अपने पेशेगत दायित्वों के निर्वहन को अधिक प्रभावी, सुरक्षित और सुगम बनाने के उद्देश्य से निम्नलिखित पांच प्रमुख मांगें सभी तहसील विल्सी विसौली सहसबान दातागंज तथा सदर तहसीलो के उपजिलाकारी तथा पुलिस क्षेत्राधिकारियों को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन द्वारा सौपे गये है ज्ञापन मे मांगे 1. सभी पत्रकारों को आयुष्मान कार्ड की सुविधा प्रदान की जाए

पत्रकार दिन-रात कार्य करते हुए समाज को सूचना उपलब्ध कराते हैं, जिससे उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी उठाने पड़ते हैं। ऐसे में सभी मान्यता प्राप्त एवं कार्यरत पत्रकारों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे और उनके परिवारजन गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ नि:शुल्क प्राप्त कर सकें।2. प्रदेश के भीतर रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा की व्यवस्था हो समाचार संकलन के लिए पत्रकारों को लगातार विभिन्न स्थानों पर जाना पड़ता है। इस कार्य को सुगम बनाने हेतु जनपद के अंदर एवं प्रदेशभर में रोडवेज बसों में पत्रकारों के लिए नि:शुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की जाए, जिससे वे बिना आर्थिक बाधा के समय पर घटनास्थल तक पहुंच सकें।3. पत्रकारों को सरकारी लैपटॉप एवं मोबाइल उपलब्ध कराए जाएं आधुनिक पत्रकारिता पूरी तरह तकनीक पर आधारित हो चुकी है। ऐसे में सभी पत्रकारों को सरकार द्वारा लैपटॉप एवं स्मार्टफोन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे समाचारों का त्वरित संकलन, संपादन और प्रसारण प्रभावी ढंग से कर सकें तथा डिजिटल पत्रकारिता को बढ़ावा मिल सके। 4. प्रत्येक थाने में पत्रकारों को उचित सम्मान एवं सटीक जानकारी मिले पत्रकारों का कार्य प्रशासन और जनता के बीच सेतु का होता है। इसलिए प्रत्येक थाने में पत्रकारों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें घटनाओं से संबंधित सटीक और सत्य जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए, जिससे अफवाहों पर रोक लगे और निष्पक्ष खबरें प्रकाशित हो सकें। 5. जिला एवं तहसील प्रशासन द्वारा सूचना संकलन में पूर्ण सहयोग दिया जाए समाचारों की सत्यता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। यहां राहुल गुप्ता, वेदपाल सिंह, जिला अध्यक्ष आईरा दीपू सक्सेना, अखिलेश श्रीवास्तव, कुलदीप सक्सेना, अवनीश कुमार आर्य, राजकुमार मौर्य, राहुल मौर्य, मोहित चौहान, सर्वेश, उपाध्यक्ष प्रदीप सक्सेना, इकरार अली, विजय गौतम, जीशान सिद्दीकी, अबधेस मिश्रा, सादिक अली, मुशाहिद रजा, मुकीम अहमद, आमीर शाह, प्रदीप यादव, मुसर्रत सलमानी, अवीर सक्सैना, आतिफ निशार , किशन माहेश्वरी, नजाम खान भारी संख्या में आईरा पदाधिकारी मैजूद रहे ।

संदिग्ध परिस्थितियों में मुरादाबाद में तैनात दरोगा की बरेली जंक्शन पर मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। संदिग्ध परिस्थितियों में मुरादाबाद में तैनात दरोगा की बरेली जंक्शन पर मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट न होने पर बिसरा सुरक्षित किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उनकी मौत हार्ट अटैक से नहीं हुई है।

थाना सुभाष नगर की ग्रीन वैली कॉलोनी निवासी दरोगा शरद कुमार मुरादाबाद जनपद के डिलारी थाने में तैनात थे। वह रविवार को प्रयागराज से लौट रहे थे। ट्रेन से उतरने के बाद वह जैसे ही जंक्शन के प्लेटफार्म 2 पर उतरे तो अचानक गश खाकर गिर पड़े। मौके पर मौजूद टीम ने उन्हें सीप.ीआर देने का प्रयास किया, मगर कुछ ही देर में उनकी सांसें थम गईं। सूचना पर रेलवे पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। अब बिसरा रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। दरोगा की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। वह लंबे समय तक बरेली कोतवाली में भी तैनात रहे थे। बता दें कि शनिवार को घर में पहुंचे सिपाही धर्मवीर सिंह की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी।

आग से कई खतों में खड़ा गेहूं जलकर राख

■ दमकल की टीम ने आग बुझाई

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। सिंगोती गांव में कई खेतों में खड़े गेहूं में आग लग गई। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका। फायर ब्रिगेड की टीम पहुंचने से पहले किसान ट्रैक्टरों से खुद आग बुझाने में जुट गए। पुलिस ने भी आग बुझाने में मदद की। बाद में फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर जाकर आग पर काबू पाकर कुछ समय में ही आग को बुझा लिया। आग से दर्जनों किसानों की फसल राख हो गई। राजस्व टीम ने मौके पर जाकर फसल के नुकसान का जायजा लिया।

पीलीभीत बॉर्डर पर तहसील मुख्यालय से 18 किलोमीटर दूर बसे गांव बहादुरगंज नीचा के खेतों से लगी आग सिंगोती गांव तक जा पहुंची। एक खेत में खड़ी गेहूं में लगी आग ने विकराल रूप धारण कर आसपास के दर्जनों खेतों को चपेट में ले लिया। जिससे दर्जनों किसानों का खड़ा गेहूं जलकर राख हो गया। आग लगने की सूचना मिलते ही किसान वहां पहुंच गए, और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंचने तक किसान खुद ही ट्रैक्टरों से आग बुझाने में जुट गए जिससे आग आगे न बढ़ सके। ट्रैक्टर आग को बुझाने में काफी मददगार साबित हुए। काफी कुछ ही देर में तब तक फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची, और आग को बुझाने में जुट गई। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाकर दमकल की टीम ने आग को बुझा लिया। आग से कई किसानों की फसल जलकर राख हो गई।

सूचना मिलते ही राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और आग के नुकसान का जायजा लिया। सूचना मिलने पर भाजपा के नगर अध्यक्ष राहुल गुप्ता मौके पर पहुंचे, और किसानों को दिलासा दी। नगर अध्यक्ष राहुल गुप्ता ने कहा कि वह प्रशासन से मुआवजा दिलाने को कहेंगे। भाकियू टिकैत गुट के मीडिया प्रभारी चौधरी अजीत सिंह ने प्रशासन से किसानों को मुआवजा देने की मांग की है।

इन किसानों को हुआ नुकसान

इन किसानों के गेहूं जलकर राख हुए हैं। मुख्तयार अहमद पंद्रह, अनवार हुसैन की आठ, मो0 मुईद की 4, मो० इश्तियाक खां की दस, मो० अख्तियार की 10, मो० इरशाद की 10, मो० इरफान की 10, अब्दुल रफीक की 10, मो० इम्तियाज की 10, मो० मुमताज की 14, इशरत की 6, कौसर की 06, अफसर की 6, नौसर की 6, मोहम्मद उमर की 6, मो0 इस्लाम की 6, मो0 नईम की 6, अजीज हसन की 3, रामचंद्र की साढ़े 3, पानवती की 2, रामस्वरूप की ढाई, शांति देवी की 2, सज्जाद अली की तीन, मो० हसीब की साढ़े चार, नफीस की 8, अकील की 30 बीघा सहित कई किसानों खेतों में खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।

एक नजर

मोहम्मद दानिश बने भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिला उपाध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

शीशगढ़। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक)के जिलाध्यक्ष तेजपाल गंगवार ने शीशगढ़ निवासी मोहम्मद दानिश को भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) का जिला उपाध्यक्ष मनोनित किया है साथ ही जिलाध्यक्ष ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के निर्देश भी जारी किए है अब से पूर्व मोहम्मद दानिश शीशगढ़ नगर उपाध्यक्ष के पद पर तैनात किए गए थे उनकी कार्य के प्रति लगन और संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान किए जाने जैसे कार्यों को देखते हुए मोहम्मद दानिश को प्रोन्नत करके जिला उपाध्यक्ष मनोनित किया गया है।

उद्घाटन के बाद नगरिया सादात पहुंची विशेष ट्रेन

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। बी.एल. वर्मा ने सोमवार को बदायूं से नई दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सेवा का शुभारंभ किया। बदायूं रेलवे स्टेशन पर आयोजित भव्य समारोह में उन्होंने उद्घाटन विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।यह उद्घाटन विशेष ट्रेन (05303) सोमवार दोपहर 12 बजे बदायूं से रवाना हुई, जो शाम करीब 8 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। दोपहर लगभग 3 बजे ट्रेन के नगरिया सादात स्टेशन पहुंचने पर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।नई रेल सेवा से बदायूं, कासगंज और एटा के यात्रियों को राजधानी तक सीधी और सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा। साथ ही मुरादाबाद मार्ग से उत्तराखंड जाने वाले यात्रियों को भी इससे सहूलियत होगी।केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि यह सेवा क्षेत्र के विकास को नई दिशा देगी। कृषि और वन उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने में आसानी होगी, जिससे किसानों की आय बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा अब दिल्ली दूर नहीं रही।उन्होंने यह भी बताया कि क्षेत्र को गंगा एक्सप्रेसवे, रिंग रोड और फोरलेन हाईवे जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात भी मिल चुकी है, जिससे विकास को और गति मिलेगी।रेल मंत्रालय ने 14315/14316 बरेलीखनई दिल्ली इंटरसिटी एक्सप्रेस के मार्ग को कासगंज तक विस्तारित करने की स्वीकृति भी प्रदान की है।

उद्घाटन समारोह के दौरान रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। किसानों ने फूल बरसाकर खुशी जाहिर की, जबकि महिलाओं और बच्चों ने इस ऐतिहासिक पल को कैमरे में कैद करते हुए सेल्फी ली।इस नई ट्रेन में कुल 14 कोच लगाए गए हैं, जिनमें सामान्य श्रेणी, आरक्षित कुर्सीयान और वातानुकूलित कोच शामिल हैं।

खेत से लौट रहे युवक को रास्ते में रोककर पीटा, मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। शाही थाना क्षेत्र के लालपुर गांव में खेत से घर लौट रहे एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।जानकारी के अनुसार, लालपुर निवासी नरेश 6 अप्रैल की रात करीब 9 बजे खेत से फसल की रखवाली कर घर लौट रहा था। रास्ते में उसे गांव का ही राजू मिल गया। आरोप है कि राजू ने नरेश को रास्ते में रोककर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने लाठी से उसकी जमकर पिटाई कर दी।मारपीट में घायल नरेश ने स्वयं मीरगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर इलाज कराया। सोमवार को पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी राजू निवासी लालपुर के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नवनिर्वाचित बार पदाधिकारियों का भव्य स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। अखिल भारतीय लोधी राजपूत सभा की मंडल अध्यक्ष भक्ति सिंह द्वारा मीरगंज बार एसोसिएशन के सभागार में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक उपाध्याय एडवोकेट, सचिव हरीश लाखा एडवोकेट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष धर्मवीर एडवोकेट, उपाध्यक्ष अरविन्द प्रथम एडवोकेट, संयुक्त सचिव प्रेमपाल मौर्य एडवोकेट एवं राजवीर सिंह एडवोकेट, कोषाध्यक्ष मोर सिंह एडवोकेट तथा ऑडिटर अरविन्द द्वितीय एडवोकेट का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।इसके अलावा चुनाव अधिकारी देवेश शर्मा एडवोकेट, सहायक चुनाव अधिकारी जयदीप सिंह, कुंवर सेन यदुवंशी एडवोकेट, मुराद बेग एडवोकेट सहित मनवीर सिंह, अभय गंगवार, केपी गंगवार, अवनीश गंग.वार, अविरल शर्मा, नसीमल खान, रामवीर सिंह, यशपाल यादव, ललित सिंह, दिनेश कुमार, भरत स्वरूप समेत कई अधिवक्तागण कार्यक्रम में मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान हरिद्वारी लाल, सत्यदेव वर्मा और गंगासहाय राजपूत सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन मुराद बेग एडवोकेट द्वारा किया गया। अंत में अध्यक्ष अशोक उपाध्याय एडवोकेट ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मीरगंज तहसील में हुई जनसुनवाई

■ सांसद छत्रापाल गंग.वार व विधयक डॉ. डीसी वर्मा ने सुनीं समस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। छत्रपाल सिंह गंगवार ने सोमवार को डॉ. डी.सी. वर्मा के साथ तहसील सभागार में जनसुनवाई की और क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं।जनसुनवाई में मनकरा निवासी विशाल गंगवार ने हाईवे के नल नगरिया व सिधौली चौराहा पर अंडरपास बनवाने तथा सिरौली-कैलाश गिरि-मीरगंज मार्ग को राजकीय मार्ग की श्रेणी में शामिल कराने की मांग उठाई।

शीशगढ़ निवासी आशुतोष ने बरेली से शीशगढ़ के बीच चलने वाली रोडवेज बसों का संचालन पूरी तरह बंद होने की शिकायत करते हुए पुनः संचालन शुरू कराने की मांग की। वहीं मीरगंज की मुन्नी देवी ने लंबे समय से गलत आ रहे बिजली बिल को सही न किए जाने की शिकायत दर्ज कराई।फतेहगंज पश्चिमी की मुन्नी देवी ने आरोप लगाया कि उनकी जमीन पर श्यामपुर व मोहम्मदगंज के दबंगों द्वारा पिछले चार वर्षों से कब्जा किया गया है। सिल्लापुर निवासी यशवंत सिंह ने रास्ते व तालाब की जमीन पर अतिक्रमण की शिकायत करते हुए बताया कि इससे सड़क पर जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही है।सांसद ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जांच कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।इस दौरान विधायक डॉ. डीसी वर्मा ने ग्रामीणों से कहा कि टूटी नालियों और गांव के अंदर की सड़कों को ग्राम पंचायत की कार्ययोजना में शामिल कराया जाए, जबकि बड़े विकास कार्य सांसद और विधायक स्तर से कराए जाएंगे।

कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख गोपाल कृष्ण गंगवार, एसडीएम आलोक कुमार, तहसीलदार आशीष कुमार सिंह,ईओ प्रियंका, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वैभव राठौर, तेजपाल फौजी, होरी लाल गंगवार, अजयवीर सिंह, निरंजन यदुवंशी, भगवान सिंह, क्रांति सिंह, गीता गुप्ता, सुधीर शर्मा,विशाल गंग.वार,यशवंत सिंह, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद को लेकर चले लाठी डंडे, कई घायल, रिपोर्ट दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

फतेहगंज पश्चिमी। रविवार देर रात गांव धनतिया में पुराने जमीनी विवाद को लेकर एक ही समुदाय के दो पक्षों में चले लाठी डंडों से दोनो पक्षों से एक महिला समेत कई लोग घायल हो गए। दोनो पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए भेजकर सोमवार देर शाम को रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मिली जानकारी के अनुसार गांव धनतिया निवासी असद खां और शकूर खां के बीच आवासीय जमीन बनाने को लेकर विवाद चल रहा है।रविवार देर रात एक पक्ष जमीन का निर्माण करने लगा।दूसरे पक्ष ने जिसका विरोध कर दिया। देखते देखते दोनो पक्षों के बीच लाठी डंडों चलने लगे।जिससे असद खान और बरिसा घायल हो गए। एक पक्ष बरिसा ने हैदर,सोहिल,इमरान के खिलाफ और दूसरे पक्ष के असद खान ने शकूर,जुबैद, जहूर के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने घायलों को मेडिकल को भेजने के बाद दोनों पक्षों की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर दी है।थाना प्रभारी प्रयागराज सिंह ने बताया रविवार देर रात जमीन के विवाद के चलते दोनों पक्षों में झगड़ा हो गया था।रिपोर्ट दर्ज करके जांच पड़ताल की जा रही है।

जनसुनवाई पर डीएम सख्त, निस्तारण में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे के मध्य जनसुनवाई में प्राप्त प्रार्थना पत्रों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि जनसुनवाई को केवल औपचारिकता न बनाएं, बल्कि प्रत्येक शिकायत का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी प्रतिदिन सुबह 10:00 से 12:00 बजे तक अपने-अपने कार्यालयों में अनिवार्य रूप से बैठकर जनता की समस्याएं सुनें और उनका शत-प्रतिशत निस्तारण करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई की लाइव मॉनिटरिंग शासन स्तर से की जा रही है, ऐसे में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जिन शिकायतकर्ताओं ने पहले संतुष्टि जताई थी लेकिन बाद में असंतुष्ट फीडबैक दिया, उन्हें बुलाकर उनकी समस्याओं को दोबारा गंभीरता से सुना जाए और स्थायी समाधान किया जाए। साथ ही, सभी निस्तारित प्रकरणों को संबंधित पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करने और निस्तारण रिपोर्ट संलग्न करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अधिकारियों से कहा कि संतुष्टि का प्रतिशत अधिक से अधिक बढ़ाया जाए, जिससे आमजन का प्रशासन पर विश्वास मजबूत हो। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि कई शिकायतकर्ता अपनी समस्याएं लेकर सीधे माननीय मुख्यमंत्री के जनता दरबार तक पहुंच रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि स्थानीय स्तर पर समस्याओं का समाधान अपेक्षित रूप से नहीं हो पा रहा है। इस स्थिति में तत्काल सुधार लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक देश दीपक सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कोतवाली देवरनियां में पुलिस-मीडिया का 'सशक्त संगम'

प्रभारी आशुतोष द्विवेदी की कार्यशैली की गूंज, संवाद से मजबूत होगी कानून व्यवस्था

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। कोतवाली देवरनियां परिसर में सोमवार को एक भव्य एवं गरिमामयी मिलन समारोह/गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकारों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 3 बजे किया गया, जिसकी अध्यक्षता कोतवाली प्रभारी आशुतोष द्विवेदी ने की। इस गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर संवाद, पारदर्शिता और समन्वय स्थापित करना रहा, जिससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

कार्यक्रम की शुरुआत आपसी परिचय एवं स्वागत के साथ हुई। कोतवाली प्रभारी आशुतोष द्विवेदी ने सभी मीडिया प्रति.निधियों का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके कार्यों की सराहना की, और कहा कि मीडिया समाज का दर्पण है, जो न केवल घटनाओं को उजागर करता है बल्कि आमजन की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है।

अपने संबोधन में कोतवाली प्रभारी आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि पुलिस और मीडिया का रिश्ता परस्पर विश्वास और सहयोग पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर पुलिस अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखने में जुटी रहती है, वहीं मीडिया सही तथ्यों को जनता तक पहुंचाकर समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य करता है। दोनों के बीच बेहतर तालमेल से ही क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव संभव है।

कोतवाली प्रभारी की कार्यशैली और व्यवहार की इस दौरान मीडिया प्रतिनिधियों ने खुलकर सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि प्रभारी आशुतोष द्विवेदी एक सक्रिय, संवे.दनशील और जनहित को प्राथमिकता देने वाले अधिकारी हैं, जो हर वर्ग की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और उनके समाधान के लिए तत्पर रहते हैं। उनके नेतृत्व में कोतवाली देवरनियां क्षेत्र में कानून व्यवस्था बेहतर हुई है, और आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।

गोष्ठी के दौरान कोतवाली प्रभारी ने यह भी कहा कि छोटी-छोटी सूचनाएं भी कई बार बड़ी घटनाओं को रोकने में अहम भूमिका निभाती हैं, ऐसे में मीडिया का सजग रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पत्रकारों से अपील की कि वे खबरों के प्रकाशन में सत्यता, निष्पक्षता और जिम्मेदारी का विशेष ध्यान रखें, ताकि समाज में सकारात्मक वातावरण बना रहे।

कोतवाली प्रभारी का संदेश

कोतवाली प्रभारी आशुतोष द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि मीडिया और पुलिस दोनों समाज के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जो मिलकर शांति और सुरक्षा का वातावरण तैयार करते हैं। उन्होंने निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्राकारिता पर जोर देते हुए कहा कि आपसी सहयोग और विश्वास से ही बेहतर परिणाम संभव हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

मीडिया प्रतिनिधियों ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखते हुए क्षेत्र में कवरेज के दौरान आने वाली समस्याओं, सूचनाओं के आदान-प्रदान में सुधार तथा पुलिस सहयोग की आवश्यकता जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। कोतवाली प्रभारी ने सभी सुझावों को गंभीरता से लेते हुए भरोसा दिलाया कि भविष्य में मीडिया और पुलिस के बीच समन्वय को और अधिक मजबूत किया जाएगा तथा हर स्तर पर सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

गोष्ठी में उठे अहम मुद्दे

कोतवाली देवरनियां परिसर में आयोजित मीडिया गोष्ठी में पुलिस और पत्रकारों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विस्तृत चर्चा की गई। कोतवाली प्रभारी आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में हुए इस आयोजन में क्षेत्र के अनेक पत्रकारों ने भाग लिया और अपने विचार रखे। गोष्ठी का उद्देश्य संवाद को मजबूत करना, सूचना के आदान-प्रदान को सुगम बनाना तथा कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाना रहा।

कार्यक्रम के दौरान वातावरण बेहद सौहार्दपूर्ण और संवादात्मक रहा। इस अवसर पर मो० गुफरान, मो० इरफान मुनीम, मो० इकरार, रामा शंकर शर्मा, हसीब रिजवी, नरेश मिश्रा सहित अन्य पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में इस प्रकार के आयोजनों को समय-समय पर आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

अंत में कोतवाली प्रभारी आशुतोष द्विवेदी ने सभी उपस्थित मीडिया बंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की गोष्ठियां आपसी समझ और विश्वास को मजबूत करती हैं, जिससे क्षेत्र में बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलती है। कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण माहौल में हुआ, जिसमें पुलिस और मीडिया के बीच मजबूत सहयोग की नई दिशा देखने को मिली।

युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। शाही थाना क्षेत्र के एक गांव से युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पिता की तहरीर पर आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।पीड़ित पिता का आरोप है कि उनकी पुत्री से एक युवक कई महीनों से बातचीत कर रहा था। मना करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी थी। रविवार की रात आरोपी युवक कथित रूप से युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया।

इस संबंध में पुलिस ने फिरोजपुर निवासी रोहित के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।थाना अध्यक्ष देवेंद्र सिंह ने बताया कि युवती की बरामदगी के लिए टीम गठित कर दी गई है और जल्द ही उसे सुरक्षित बरामद कर लिया जाएगा।

पढ़ते रहिए दैनिक शाह टाइम्स और हमसे जुड़े रहें।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

संख्या-126 /न०पा० प०ब०/ कर/ 2025-26 दिनांक-13.04.2026

नोटिस अन्तर्गत धारा 147(2) उत्तर प्रदेश नगर पालिका परिषद अधिनियम

इस पालिका परिषद के सीमान्तर्गत आराजी-260 वार्ड-11 जो बहेड़ी मोहल्ला रामलीला कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली में स्थित है एवं पालिका के कर अभिलेखों में श्री रामदास पुत्र श्री भबूती के नाम से दर्ज है। उक्त आराजी को विक्रय पत्र दिनांक-03.06.2009 के द्वारा सावित्री देवी पत्नी श्री रामदास व शिव कुमार व राज. कुमार पुत्र स्व० रामदास निवासीगण मोहल्ला रामलीला कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली ने श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी श्री महेन्द्र कुमार निवासी मोहल्ला रामलीला कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली को विक्रय कर दिया गया है। श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी श्री महेन्द्र कुमार निवासी मोहल्ला रामलीला कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली ने उपरोक्त साक्ष्यों को सलंग्न कर आराजी को अपने नाम से दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि किसी को भी उपरोक्त नामान्तरण/ परिवर्तन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इस नोटिस के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के अन्दर विधि द्वारा मान्य साक्ष्य एवं सम्बन्धित अभिलेखों आदि के साथ प्रस्तुत करें। अन्यथा वाद गुजरने म्याद इस कार्यालय स्तर से उचित आदेश निर्गत कर दिये जाएगें और कोई आपत्ति विचरणीय नहीं होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

कार्यालय नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

संख्या-128 /न०पा० प०ब०/ कर/ 2026-27 दिनांक-13.04.2026

नोटिस अन्तर्गत धारा 147(2) उत्तर प्रदेश नगर पालिका परिषद अधिनियम

इस पालिका परिषद के सीमान्तर्गत आराजी-405 वार्ड-08 जो मोहल्ला बाजार कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली में स्थित है एवं पालिका के कर अभिलेखों में श्री मो० मोबीन अंसारी पुत्र मो० यूसुफ के नाम से दर्ज है। उक्त आरा.जी को विक्रय पत्र दिनांक-18.06.2021 के द्वारा श्री मो० मोबीन अंसारी पुत्र श्री मो० यूसुफ निवासी मोहल्ला लाईनपार कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली ने श्रीमती तलत परवीन पत्नी वसीम हुसैन निवासी मोहल्ला शाहजीनगर कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली को विक्रय कर दिया गया है। श्रीमती तलत परवीन पत्नी वसीम हुसैन निवासी मोहल्ला शाहजीनगर कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली ने उपरोक्त साक्ष्यों को सलंग्न करते हुए पालिका में आराजी को अपने नाम से दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि किसी को भी उपरोक्त नामान्तरण/परिवर्तन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इस नोटिस के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के अन्दर विधि द्वारा मान्य साक्ष्य एवं सम्बन्धित अभिलेखों आदि के साथ प्रस्तुत करें। अन्यथा वाद गुजरने म्याद इस कार्यालय स्तर से उचित आदेश निर्गत कर दिये जाएगें और कोई आपत्ति विचरणीय नहीं होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

कार्यालय नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

संख्या-124 / न०पा० प०ब०/ कर/ 2025-26 दिनांक-13.04.2026

नोटिस अन्तर्गत धारा 147(2) उत्तर प्रदेश नगर पालिका परिषद अधिनियम

इस पालिका परिषद के सीमान्तर्गत आराजी-26 वार्ड-09 एवं आराजी-19 वार्ड-09 जो मोहल्ला गोदाम कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली में स्थित है एवं पालिका के कर अभिलेखो में श्री रामलाल पुत्र श्री भन्जुराम के नाम से दर्ज है। मृत्यु प्रमाण पत्र दिनांक-20.06.2003 के द्वारा श्री रामलाल की मृत्यु दिनांक-24.04.2003 को हो चुकी है। श्री सुरेश चन्द्र उर्फ रमेश चन्द्र व हरीश कुमार उर्फ हीरालाल व सुशील कुमार व अमित कुमार पुत्रगण स्व० रामलाल निवासीगण मोहल्ला गोदाम माथुर रोड कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली ने उपरोक्त साक्ष्यों को सलंग्न कर आराजी को अपने नाम से दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि किसी को भी उपरोक्त नामान्तरण/ परिवर्तन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इस नोटिस के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के अन्दर विधि द्वारा मान्य साक्ष्य एवं सम्बन्धित अभिलेखों आदि के साथ प्रस्तुत करें। अन्यथा वाद गुजरने म्याद इस कार्यालय स्तर से उचित आदेश निर्गत कर दिये जाएगें और कोई आपत्ति विचरणीय नहीं होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

शराब पीकर अभद्रता करने में नवाबगंज इंस्पेक्टर निलंबित

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। नवाबगंज थाने में तैनात इंस्पेक्टर क्राइम को शराब के नशे में अभद्रता करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने थाने के अंदर ही भाजपा बूथ अध्यक्ष के साथ गाली-गलौज की, जिसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से की गई थी। शनिवार की देर शाम भाजपा के बूथ अध्यक्ष देवेंद्र किसी काम से थाने गए थे। वहां इंस्पेक्टर क्राइम जयपाल सिंह बैठे हुए थे। आरोप है कि वह शराब के नशे में धुत थे। देवेंद्र से बातचीत के दौरान इंस्पेक्टर ने उनके साथ अभद्रता की और गाली गलौज पर उतर आए। यह देखकर थाने में और भी लोग जुट गए। इंस्पेक्टर ने देवेंद्र को गंभीर परिणाम भुगतने की बात भी कही। इसकी शिकायत वहां के नेताओं ने एसएसपी अनुराग आर्य से की। इसके बाद एसएसपी ने उन्हें रविवार की दोपहर निलंबित कर दिया। एसएसपी ने बताया कि जयपाल सिंह के विरुद्ध कार्य एवं आचरण के संबंध में शिकायत मिल रही थी। जांच में उन पर लगे आरोप पुष्ट पाए गए। इसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। साथ ही उनकी विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

सूचना

मैंने अपने पुत्र राशिद हुसैन व उसकी पत्नी फरनाज के गलत संगत में पड़ने के कारण उससे व उसकी पत्नी से सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति व परिवार से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके किसी भी कृत्य या लेनदेन के वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

रियासत हुसैन पुत्र वली मो.
निवासी-मोहल्ला हिसामुद्दीन, नगर पंचायत देवरनियां, थाना देवरनियां, तहसील बहेड़ी जिला बरेली

अंबेडकर जयंती को लेकर प्रशासन सतर्क, गंगापुर नहीं जाएगी शोभायात्रा

नवाबगंज। आज 14 अप्रैल को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती को लेकर स्थानीय प्रशासन सतर्क हो गया है। क्षेत्र के ग्राम ठिरिया सैदपुर से शुरू होने वाली शोभायात्रा इस वर्ष गंगापुर नहीं जाएगी।

क्षेत्र के हरीश पाल, शान्ति पाल, सेवाराम, रामसिंह, शेर सिंह, हरीशंकर, रामभरोसे लाल, यशवंत सिंह ने सोमवार को एक पत्र एसडीएम उदित पवार को सौंपा, जिसमें आज 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती शोभायात्रा क्षेत्र के गांव ठिरिया सैदपुर से शुरू होकर ग्राम रघुनाथपुर, ऐंठपुर, बड़ा गांव में निकाली जाएगी। एसडीएम को सौंपे गए पत्र में ग्रामीणों ने बताया कि इस वर्ष शोभायात्रा गंगापुर गांव नहीं जाएगी, जब आंबेडकर प्रतिमा को विवाद सुलझ जाएगा तो उसके बाद शोभायात्रा पूर्व की तरह निकाली जाएगी। शोभायात्रा का समापन क्षेत्र के बड़ा गांव चौराहे पर स्थित जूनियर हाई स्कूल पर किया जाएगा।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं मौहल्ला सुफी टोला शाहजहांपुर रोड़ बरेली, उप्र।

सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎0581-2562222 (बरेली)
मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No UPHIN/2003/11165
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

21 साल पुराने दोहरे हत्याकांड में बड़ा फैसला, 2 आरोपी बरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। थाना तीतरो क्षेत्र के गांव बरसी में वर्ष 2005 में हुए चर्चित दोहरे हत्याकांड में अपर सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या-1 ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए दो आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त करार देते हुए बरी कर दिया गया।

यह मामला 22 सितंबर 2005 का है, जब गांव बरसी में कुरड़ी (कूड़ा डालने) के विवाद को लेकर दो पक्षों में कहा. सुनी के बाद फायरिंग हो गई थी। इस घटना में सतीश कुमार और प्रदीप कुमार पुत्रगण जयद्रथ सिंह की गोली लगने से मौत हो गई थी, जबकि जयद्रथ सिंह, अनिल कुमार, मुकेश, संदीप, विनोद सहित कई लोग घायल हो गए थे।

घटना के संबंध में वादी मनोज कुमार पुत्र जयद्रथ सिंह की तहरीर पर थाना तीतरो में मुकदमा अपराध संख्या 100/2005 धारा 147, 148, 149, 307, 323, 504 व बाद में 302 आईपीसी के तहत नरेन्द्र, वीरेन्द्र, अजय कुमार, सुनील कुमार, विजेन्द्र, चन्द्र, उदयवीर व कुशलपाल उर्फ मिंटू के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मुकदमे में वादी की ओर सूरज प्रकाश गुप्ता प्रशांत गुप्ता एवं एडीसी राजवीर सिंह एवं प्रतिवादी सुनील की ओर से अधिवक्ता सतीश कुमार चौधरी नदी फिरोजपुर एवं उदयवीर की ओर से आरके गुप्ता अधिवक्ता रहे। दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की ओर से अपने-अपने तर्क प्रस्तुत किए गए

विवेचना के बाद पुलिस ने नरेन्द्र, वीरेन्द्र, अजय कुमार, कुशलपाल उर्फ मिंटू, विजेन्द्र व चन्द्र के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। बाद में न्यायालय ने धारा 319 सीआरपीसी के तहत सुनील कुमार व उदयवीर को भी विचारण के लिए तलब किया था।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि अभियोजन पक्ष सुनील कुमार पुत्र धूम सिंह और उदयवीर पुत्र वीरेन्द्र के खिलाफ आरोपों को संदेह से परे साबित करने में असफल रहा। गवाहों के बयानों में विरोधाभास, मौके पर उनकी उपस्थिति सिद्ध न होना तथा विवेचक द्वारा भी उनके शामिल होने की पुष्टि न किए जाने के आधार पर दोनों को बरी कर दिया गया। अधिवक्ता सतीश कुमार चौधरी नंदी फिरोजपुर ने बताया कि मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने अपने आदेश में अपर सत्र न्यायाधीश अभय कृष्ण तिवारी ने 10 अप्रैल को सुनाए गए फैसले में सुनील कुमार और उदयवीर को धारा 148, 323/149, 307/149, 302/149 व 504 आईपीसी के आरोपों से दोषमुक्त करते हुए बरी करने का आदेश दिया। साथ ही दोनों को 50-50 हजार रुपये के व्यक्तिगत बंधपत्र दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं।

वहीं, इस मामले में अन्य सात आरोपियों को दोषी पाते हुए न्यायालय ने उन्हें पूर्व में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।इस फैसले के बाद लंबे समय से लंबित इस मामले का निपटारा हो गया है।

फसलों का मुआवजा दिलाने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

नकुड़। बे-मौसम बारिश ओलावृष्टि तथा तेज हवाओं से फसलों को हुए भारी नुकसान को लेकर किसानों भारतीय किसान यूनियन नई क्रांति के बैनर तले स्थानीय प्रशासन से फसलों का मुआवजा दिलाने की मांग की है।

सोमवार यहां ब्लॉक सभागार आयोजित बैठक के दौरान किसानों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महासचिव चौधरी कुल. वीर सिंह ने कहा कि लगातार खराब मौसम के कारण किसानों की कमर तोड़ दी है। उनकी खड़ी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई, जिससे किसानों को आर्थिक संकट में पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि बाजारों में महंगाई, नकली खाद व कीटनाशकों की मार ने किसानों के हालात और अधिक बिगाड़ दिए हैं। जिससे कई किसान कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं।

उन्होंने थानाध्यक्ष सुरेश कुमार को ज्ञापन देते हुए मांग की है कि किसानों की बर्बाद हुई फसलों का तुरंत निष्पक्ष सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाया जाए। साथ ही किसानों को कर्जमुक्त करने की भी मांग भी उठाई गई। उन्होंने सर्वे में भेदभाव का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की गई। किसानों ने चेताया कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान जल्दी नहीं हुआ तो धरना प्रदर्शन किया जाएगा जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। मुकेश चौधरी, यशपाल सिंह, नवीन कुमार, धर्मवीर सिंह, सादिक, महिपाल, इमरान, ब्रिजेश कुमार आदि रहे।

शांतिपूर्ण तरीके से मनाये जयंती: रुचि

शाह टाइम्स संवाददाता

अंबेहटा। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को लेकर नकुड़ क्षेत्राधिकारी रुचि गुप्ता, थानाध्यक्ष सुरेश सिंह और अंबेहटा चौकी प्रभारी देवेंद्र अधाना ने गांव ब्राह्मण माजरा, गांव शंभूगढ़ में ग्रामीण से मिलकर लोगों से अपील की कि जयंती को शांतिपूर्ण व भव्य तरीके से मनाया जाए।

क्षेत्राधिकारी रुचि गुप्ता ने कहा पुरानी परंपरा के तरीके से ही डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं। बिना परमिशन के शोभा यात्रा निकाली गई तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएंगी ग्रामीण किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। अगर किसी ने शांति भंग करने का प्रयास किया तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष सुरेश सिंह और चौकी प्रभारी देवेंद्र अधाना ने भी कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की और कहा कि पुलिस पूरे क्षेत्र में सतर्क है। अंबेहटा चौकी प्रभारी देवेंद्र अधाना के नेतृत्व में पीएसी बल की टीम ने नगर के विभिन्न मोहल्लों में पैदल फ्लैग मार्च निकाला। मार्च के दौरान लोगों को जयंती को लेकर सुरक्षा व्यवस्था और शांति बनाए रखने का संदेश दिया गया।

वाहन चैकिंग अभियान चलाया

शाह टाइम्स संवाददाता

गंगोह। धलापडा चौकी पर कोतवाली प्रभारी ने पुलिस फोर्स के साथ संदिग्ध वाहन व्यक्ति की चेकिंग अभियान चलाया। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए कोतवाली पुलिस अलर्ट मोड पर नजर आ रही है।

कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार ने धलापडा चौकी प्रभारी के साथ विशेष चेकिंग अभियान चलाया। उन्होंने पुलिस फोर्स के साथ गहनता से वाहनों व संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजन में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के लिए यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

चौ. अनिल बने तहसील बार एसोसिएशन अध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर मनिहारान। रामपुर मनिहारन तहसील बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में चौथी बार परचम लहराते हुए चौधरी अनिल गुर्जर बार अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। अध्यक्ष गुट के ही महासचिव पद पर मुरारीलाल रहे विजयी रहे। जबकि बाकी पदों पर सभी निर्विरोध चुने गए।

रामपुर मनिहारन तहसील बार एसोसिएशन में कुल 79 अधिवक्ता वोटर हैं। सोमवार सभी अधिवक्ताओं ने अपने मत का प्रयोग किया।यह मतदान प्रतिष्ठा पूर्ण होने के साथ साथ बड़ा ही रोमांचक रहा।चुनाव परिणाम से ही अंदाज लगाया जा सकता है कि जीतने वाले अध्यक्ष पद के प्रत्याशी को अनिल गुर्जर को एक वोट से विजय प्राप्त हुई।अनिल गुर्जर को 40 जबकि यशपाल सिंह को 39 मत प्राप्त हुए। महासचिव पद पर मुरारीलाल ने आलोक सहगल को 6 मतों से हराकर कब्जा किया।

नव-निर्वाचित अध्यक्ष चौधरी अनिल गुर्जर ने जीत का श्रेय दिया साथियों को देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया और कहा कि वह हमेशा अधिवक्ताओं के हित में कार्य करते रहेंगे। अनिल गुर्जर की जीतने पर योगेन्द्र एडवोकेट, सुंदर एडवोकेट, मोनू राणा एडवोकेट, आरिफ एडवोकेट, धीर सिंह एडवोकेट, मेहरबान एडवोकेट, विपिन एडवोकेट, आदि अधिवक्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया। सुरक्षा एवं शान्ति व्यवस्था की दृष्टि से कोतवाली प्रभारी इंस्पेक्टर राधेश्याम यादव पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

कानून व्यवस्था के दृष्टिगत निकाला फ्लैग मार्च

शाह टाइम्स संवाददाता

गंगोह। डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के दृष्टिगत क्षेत्र में पर्व को सकुशल संपन्न करने व क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने को लेकर कोतवाली पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला।

कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था को ओर बेहतर बनाने के लिए फ्लैग मार्च निकाला। नगर की प्रमुख सड़कों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले चौराहों से गुजरा। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल ने लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया और शांति बनाए रखने की अपील की। कोतवाली प्रभारी ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अफवाह या अव्यवस्था फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है ताकि सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकें। इस फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य आम जनता में सुरक्षा का भाव उत्पन्न करना और संभावित अप्रिय घटनाओं को रोकना है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए सहयोग का आश्वासन दिया है।

किसानों ने समस्याओं का सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

अंबेहटा। भारतीय किसान यूनियन जन कल्याण आरा से जुड़े सैकड़ों किसानों ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम 10 सूत्री ज्ञापन नकुड थानाध्यक्ष सुरेश सिंह को सौंपा। ज्ञापन में किसानों की प्रमुख समस्याओं का जिक्र करते हुए तत्काल समाधान की मांग की गई है।

जन कल्याण के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी कवरपाल सिरोही ने बताया कि हम सभी ने प्रधानमंत्री के नाम यह ज्ञापन दिया है। जिसमें मांग की गयी कि देश के किसानों का सभी कर्ज माफ किया जाए। सभी स्कूलों में एक समान शिक्षा का अधिकार लागू किया जाए। आयुष्मान कार्ड की यूनिट की बाध्यता समाप्त की जाए। किसानों की सभी फसलों पर 30% एमएसपी बढ़ाई जाए। किसानों के सभी प्रकार के बिजली बिल माफ किए जाएं। किसानों को दवाई और खाद समय पर उपलब्ध कराया जाए। किसानों के नलकूपों पर सामान्य मीटर लगाया जाए। किसान अपनी फसल किसी भी जगह बेच सके, ऐसा कानून लागू किया जाए। हरियाणा बॉर्डर पर किसानों के साथ हो रहे उत्पीड़न को तुरंत बंद किया जाए। ओलावृष्टि से खराब हुई गेहूं की फसल का मुआवजा तत्काल किसानों को दिया जाए। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन जन कल्याण आरा के ब्लॉक अध्यक्ष बाबूराम चौधरी, ब्लॉक उपाध्यक्ष रामकुमार, रजनीश सिरोही, रकम सिंह, सविन्द्र कुमार, सोनू चौधरी समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।किसानों ने कहा कि यदि इन मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। ज्ञापन सौंपने के बाद किसानों ने नारे लगाकर सरकार से तुरंत समर्थन मांगा।

निरीक्षण कर मूल्यांकन

गंगोह। इनर व्हील क्लब गंगोह में डिस्ट्रिक्ट 308 की चेयरमैन पूजा गोयल की आधिकारिक यात्रा गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन द्वारा क्लब के सभी पदाधिकारियों की फाइलों का निरीक्षण करते हुए उनके कार्यों का विस्तृत मूल्यांकन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान क्लब की सदस्य नीरा शर्मा द्वारा बालिकाओं के सर्वांगीण विकास हेतु स्थापित "प्रेरणा लाइब्रेरी" का उद्घाटन जिला अध्यक्ष के करकमलों द्वारा किया गया। क्लब की ओर से एक बालिका को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई मशीन के साथ 6 माह का सिलाई डिप्लोमा प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त कृष्णा इंस्टीट्यूट के तीन सफाई कर्मियों को कंबल वितरित तथा 15 आंगनबाड़ी केंद्रों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने हेतु कपड़े के थैले दिए गए। साथ ही सरकारी विद्यालयों में मिड-डे मील बनाने वाली 6 रसोइयों को शॉल भेंट कर उनका सम्मान किया गया। क्लब की अध्यक्ष निशा गुप्ता ने जिला अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया, वहीं इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन पूजा गोयल ने क्लब द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। क्लब की सचिव नमिता सिंघल द्वारा क्लब की गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। दो नए सदस्य पूजा गोयल तथा शशि गुप्ता को पिन लगाकर क्लब के सदस्य होने की शपथ दिलाई गई। संचालन सोनिका तायल ने किया।

डा. अम्बेडकर हमारे आदर्श: श्वेता

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर मनिहारान। महिला कॉंग्रेस जिलाध्यक्ष श्रीमती श्वेता सैनी ने कहा कि बाबा साहब के समानता, न्याय, भाईचारे की स्थापना के आदर्श हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं।

सहारनपुर रोड स्थित महिला कॉंग्रेस कार्यालय पर बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती सम्मान और श्रद्धा पूर्वक मनाई गई।बाबा साहब के चित्र पर माल्यापर्ण कर पुष्प अर्पित किए गए।संबोधित करते हुए महिला कॉंग्रेस जिलाध्यक्ष श्रीमती श्वेता सैनी ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर ने समाज में समानता, न्याय और भाईचारे की स्थापना के लिए जो संघर्ष किया वह आज भी हमारे लिए प्रेरणास्रा. त है। बाबा साहब संविधान के रूप में अद्भुत ग्रन्थ देश को दिया है जिसमें सभी देशवासियों को समान अधिकार दिए गए हैं।श्वेता सैनी ने कहा कि हम सभी को बाबा साहब के आदर्शों पर चलते हुए एकता बनाए रखनी चाहिए ताकि हमारा देश मजबूत रहे। अन्य वक्ताओं ने भी बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन, उनके विचारों और देश के प्रति उनके अमूल्य योगदान को याद किया।

इस दौरान राखी, पूजा, रेखा, तृप्ति, सरोज, प्रीति, इरम, उपमा आदि काफी महिला कार्यकर्ता मौजूद रही।

हर्षोल्लास से मनाई बैसाखी

गंगोह। प्रभा ज्ञान ज्योति पब्लिक स्कूल में बैसाखी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षकों और विद्यार्थियों ने बैसाखी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बैसाखी केवल फसल कटाई का पर्व नहीं, बल्कि सिख पंथ के लिए यह दिन अत्यंत पवित्र है, क्योंकि आज के दि नही 1699 में गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक पंजाबी परिधान धारण कर बैसाखी की सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की। जसमीत, रबजोत, सुखजीवन, रवनीत, सुखजोत, कीर्ति व अवनि ने अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को जीवंत और यादगार बना दिया। प्रधानाचार्य शालू चौधरी ने बैसाखी पर्व की शुभकामनाएँ दी।

आर्यदीप सैनी का गांव पहुंचने पर अभिनंदन

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। बार्सिलोना स्पेन में फुटबॉल खेलने वाले खिलाड़ी का अपने गृह क्षेत्र में पहुंचने पर आर्यदीप सैनी का एकता जन सेवा समिति द्वारा अभिनंदन किया गया।

सोमवार को अपने गांव दौलतपुर पहुंचे आर्यदीप सैनी का ग्रामीणों सहित एकता जन सेवा समिति ने स्वागत किया। समिति की ओर से आर्यदीप सैनी को अंग वस्त्रम्, सम्मान पत्र तथा पगड़ी पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समिति के संरक्षक बालकृष्ण शर्मा ने कहा कि यह जनपद ही नहीं पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि मो. हाली की मिनर्वा एकेडमी द्वारा पूरे उत्तर प्रदेश से आर्य दीप सैनी का चयन स्पेन में होने वाली अंडर 15 फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए किया गया था।

आर्यदीप के नेतृत्व में विश्व की सात टीमों के साथ मैच खेले गए, जिनमें भारत की टीम ने सफलता प्राप्त की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आर्यदीप सैनी अन्य देशों में होने वाली टूर्नामेंट में प्रति. निधित्व कर देश का नाम रोशन करेगा। आर्यदीप ने बताया कि वह भविष्य की तैयारी के लिए पुनः अकादमी में प्रशिक्षण एवं तैयारी के लिए जा रहा है।

बाइक सवार की मौत

सहारनपुर। थाना नंगल क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी बाइक लेकर फरार हो गया। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना नंगल क्षेत्र के गांव सूबरी के पास एक बाइक सवार युवक टैम्पो और डीसीएम को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान बाइक असंतुलित होकर वाहनों से टकरा गई, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद उसका साथी मौके से बाइक लेकर फरार हो गया। हादसे में मृतक युवक की शिनाख्त रोनक सैनी पुत्र पवन सैनी के रूप हुयी है।

बैडमिन्टन के विजेता बच्चे सम्मानित

गंगोह। रोटरी क्लब की त्रिदिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता विजेताओं को सम्मानित किया गया। 16 से कम आयु के सिंगल में विक्रान्त (सहारनपुर) व भव्य (गंगोह), डबल में विक्रांत और निखिल (सहारनपुर) व अनिरुद्ध व भव्य, मेंस सिंगल में विक्रांत (सहारनपुर) व शुभम गुप्ता (गंगोह), मेंस डबल में विक्रांत और निखिल (सहारनपुर) व शुभम गुप्ता और संजय (गंगोह), 40 वर्ष से अधिक आयु सिंगल में शुभम गुप्ता (गंगोह) व जावेद अंसारी (रामपुर मनिहारान), डबल में जावेद अंसारी और मरगूब (रामपुर मनिहारान) व शुभम गुप्ता और नवदीप शर्मा (गंगोह) क्रमशः विजेता व उपविजेता रहे।

अतिथियों पूर्व चेयरमैन नोमान मसूद व पूर्व प्रधानाचार्य अनिल मित्तल ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। नगरपालिका में कार्यरत रही रुपाली रूपेंद्र कुमार सहारनपुर द्वारा विजेताओं को किट प्रदान की गई। डॉ. अरुण शर्मा को ओलंपियाड जीतने पर पुरस्कृत किया गया। संचालन विनीत अग्रवाल और आभार कार्यक्रम संयोजक राजेंद्र शर्मा ने प्रकट किया। कार्यक्रम में नरेंद्र तायल, विकास सिंघल, सचिन गर्ग, मुकेश गुप्ता, अरुण शर्मा, मनोज जैन, विजय जिंदल, संजय गर्ग, अमित सिंघल, नितिन तायल, शुभम गुप्ता, नितिन, नमिता सिंघल, सुनीता अग्रवाल, नीरा आदि मौजूद रहे।

आढतियों को औने पौने दामों में बेचे जा रहे गेंहू

गंगोह। नवीन अनाज मंडी स्थल पर गेंहू की आवक शुरु होने के बावजूद सरकारी क्रय केन्द्रों से किसानों को मायूस लौटना पड रहा है। माउसचर बताकर किसानों के गेंहू नही खरीदे जा रहे है। मजबूरन उन्हें एमएसपी के विपरीत आढतियों को औने पौने दामों पर लुटाना पड रहा है। हालांकि मंडी सचिव सोहनवीर सिंह बोली बुलवाकर किसानों के गेंहू बिकवा रहे है।

मंडी परिसर में सरकार द्वारा किसानों के गेंहू सरकारी दरों पर खरीदने के लिए विभिन्न एजेन्सियों के चार क्रय केंद्र स्थापित किए गए है। एकमात्र एफसीआई केंद्र के 1500 कुन्तल खरीद को छोड अन्य पर तो अभी तक बाहेनी तक नही हो सकी है। जिसके चलते केन्द्र प्रभारियों और किसानों के बीच कहासुनी व गर्मागर्म बहस होने लगी है। नगर के किसान संजय सिंह, राजपाल सिंह, सुशील कुमार दथेडा, राजेंद्र चौसाना और राजपाल शर्मा मछरौली व यासीन जोगीपुरा आदि ने बताया कि वे लगातार मंडी के चक्कर काट रहे हैं, मगर उनका गेहूं न तौलकर ज्यादा माउसचर व अन्य कमी बताकर उन्हें टालू मिक्सचर दे दिया जाता है।

किसानों का आरोप है कि व्यापारियों से सांठ-गांठ के चलते सरकारी दरों 2585 के विपरीत उन्हें अपना गेंहू 2100 से 2300 में बेचना पड रहा है। मंडी सचिव सोहनवीर सिंह ने बताया कि मंडी में लगभग 5 हजार कुन्तल गेंहू की खरीद हो चुकी है। मगर नमी 12 के बजाय 15 से उपर होने के कारण क्रय एजेन्सियां खरीद नही कर पा रही। एफसीआई केंद्र प्रभारी आशीष अग्रवाल, मंडी समिति के केंद्र प्रभारी परमेश कुमार और आरएफसी केंद्र प्रभारी नीरज कुमार और रजनीश कुमार ने मानकों के अनुरूप गेहूं की आवक न होने को खरीद शुरू न हाने की बात कही। हवाओं के साथ होने वाली तेज बारिश व ओलावृष्टि ने किसानों की मुसीबत बढा दी है। गेंहू में नमी बढने से सरकारी दामों के बजाय उन्हें सस्ते दामों पर गेंहू बेचना पड रहा है। जिससे सरकार की लाभकारी मूल्य देने की योजना पर पलीता लग रहा है।

लखनऊ के लिए बसपाई ट्रेन से रवाना

वरिष्ठ नेता फिरोज आफताब व नरेश गौतम के नेतृत्व में रवानगी, सरफराज राईन भी होंगे शामिल

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती मौके पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने के लिये हजारों की संख्या में बसपाई लखनऊ के लिये रवाना हुए।

कल (आज) बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर जयंती के मौके पर बसपा द्वारा लखनऊ के डा. भीमराव अंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें शामिल होने के लिये बसपा मुख्य मंडल कोर्डिनेटर नरेश गौतम, वरिष्ठ नेता फिरोज आफताब के नेतृत्व में हजारों की संख्या में बसपाई लखनऊ के लिये रवाना हुए। नरेश गौतम ने कहा कि लखनऊ में आयोजित होने वाला कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। लखनऊ जाने वालों में जिलाध्यक्ष रजनीश बंधु, पूर्व जिलाध्यक्ष जनेश्वर प्रसाद, सुहैल प्रधान, सरवर प्रधान मण्डल संयोजक रजनीश उजाला, आसिफ अली, सुशील जयसवाल, अजब सिंह, यशवीर धोबी, सुमित कर्णवाल,

सुन्दरलाल डासना, डा. बिन्दरपाल, गय्यूर हसन, जहीर कुरैशी, उसमान कुरैशी समेत सैंकडोंबसपाई शामिल रहे।

बसपा के मंडल कोर्डिनेटर हाजी सरफराज राईन नजीबाबाद से लखनऊ के लिये ट्रेन द्वारा रवाना हुए। वह नजीबाबाद में अपनी भांजी की शादी में शामिल होने गये थे। जहां से वह शादी के बीच से ही बहनजी के आहवान पर कार्यक्रम में शामिल होने के लिये लखनऊ के लिये रवाना हुए।

बाबा साहब ने दिये समान अधिकारः रूही

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। समाजवादी पार्टी की प्रदेश सचिव रूही अंजुम ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान में सबको समान अधिकार दिये है।

रूही अंजुम आज जनमंच में आयोजित विचार गोष्ठी व रक्तदान शिविर को सम्बोधित कर रही थी। उन्होने कहा कि बाबा साहब के बताये मार्ग व आदर्शो पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पार्षद व सपा के वरिष्ठ नेता अभिषेक टिंकू अरोडा ने बाबा साहब को नमन करते हुए कहा कि उन्होने पूरी दुनिया में इस देश को सबसे बेहतरीन संविधान दिया है। हमें उनके दिखाये मार्ग का अनुसरण करते हुए समाज व देशहित में काम करना है। उन्होने रूही अंजुम के साथ सामाजिक क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया।

पेंथर्स व एवेंजर्स ने मैच जीते

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। गली मोहल्ला कॉर्पोरेट क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मुकाबले ज्ञान कलश इंटरनेशनल स्कूल क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए।

पहले मैच में बिजनेश लीजेंड्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 243 रन बनाए। विपुल ने 49 और जीवनजोत ने 46 रन बनाए, जबकि तनु शर्मा ने 3 विकेट लिए। जवाब में सहारनपुर पैंथर्स ने 17 ओवर में 244 रन बनाकर मुक. ाबला जीत लिया। विवेक राठौर ने 54 गेंदों पर 149 रन की पारी खेली, जबकि कार्तिक शर्मा ने 54 रन बनाए। आमिर ने 2 और विभु ने 1 विकेट लिया। विवेक राठौर को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। दूसरे मैच में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 149 रन बनाए। अंकुर ने 52 और संतोष कुमार ने 26 रन का योगदान दिया। एवेंजर्स की ओर से नवीन ने 4 और वीरेंद्र ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए सहारनपुर एवेंजर्स ने 12 ओवर में 2 विकेट पर 150 रन बनाकर मैच जीत लिया। सचिन वर्मा ने 59 और पीयूष राणा ने 54 रन बनाए। आकाश और आशीष को 1-1 विकेट मिला। सचिन वर्मा मैन ऑफ द मैच रहे। मैच के दौरान बाबा इंदरप्रीत, राकेश रस्तोगी, शुभम, बलविंदर, मनोज, दीपक चौधरी, वरुण शर्मा, मंसूर, जावेद सहित अन्य लोग मौजूद रहे। यूपीसीए चौलेंजर कमेटी के सदस्य साजिद उमर, सहारनपुर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन से लतीफ उर रहमान, डॉ. संजीव विरमानी, डॉ. उत्कर्ष और डॉ. ऋषि पुण्डीर भी उपस्थित रहे।

संवाद कर महिला सशक्तिकरण पर दिया जोर

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संवाद करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहा. सिक कदम बताया।

उन्होंने कहा कि इस अधिनियम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जिससे उनकी भागीदारी और नेतृत्व में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि नारी शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है और यह पहल विकसित भारत के

निर्माण को मजबूत करेगी।

कार्यक्रम में महानगर प्रभारी वाई पी सिंह चेयरमैन सिडको के साथ प्रदेश मंत्री नूतन शर्मा, क्षेत्रीय महामंत्री राम गुप्ता, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वर्षा चोपड़ा, अनुसूचित मोर्चे की क्षेत्रीय मंत्री मोनिका गंगायन, नगर उपाध्यक्ष कंचन धवन, नगर उपाध्यक्ष नीलू राणा, नगर मंत्री सोनम कश्यप, नगर मंत्री आरती शर्मा, भूतेश्वर महिला मोर्चा मंत्री आशा अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी, आशा सब्बरवाल पुष्पा मालिक, नीमा, अनीता मल्होत्रा व समस्त पदाधिकारी आदि मौजूद रही।

टावर के सैल चोरी

चिलकाना। थाना क्षेत्र के गांव हारडाखेडी में लगे इण्डस कम्पनी के टावर से अज्ञात चोरों द्वारा सैल चोरी कर लिए गए है, संचार व्यवस्था ठप्प होने के चलते उपभोक्ताओ को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चिलकाना क्षेत्र के गांव हारडाखेडी में लगे इण्डस कम्पनी के टावर के सेल्टर रूम से अज्ञात चोरों ने 42 सैल उमर राजा 600 चोरी कर लिये।

मारपीट का आरोप

चिलकाना। रघुनाथपुर छोटी पठेड़ निवासी पीड़ित ने दो युवकों पर उसके साथ मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पीड़ित रोहित कुमार पुत्र मांगेराम निवासी ग्राम रघुनाथपुर उर्फ छोटी पठेड ने थाना पर तहरीर देकर बताया है कि विगत 10 अप्रैल को वह एक स्कूल से बच्चो को लेकर अपने घर जा रहा था। आरोप है कि जैसे ही वह पठेड बाजार में पुहँचा तभी बाईक सवार वंश पुत्र रमेश तथा कमल पीछे से आये और पीड़ित को गाली देने लगे। पीड़ित ने गाली देने की वजह पूछी तो उपरोक्त आरोपी दोनो भाईयों ने पीड़ित के साथ मारपीट शुरू कर दी।

मेयर व विधायक दोनो भ्रष्टः मनीष

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष मनीष त्यागी ने कहा कि मेयर व विधायक दोनों ही भ्रष्ट है।

मनीष त्यागी ने यह बात हाउस अरेस्ट किये जाने पर कही। उन्होंने कहा कि ये हमारी कैसी आजादी है एक लोकतान्त्रिक एवं स्वतंत्र देश का नागरिक बिना किसी अपराध के उसे पुरे दिन उसी के घर मे कैद किया हुआ है। कारण बताया जाता है कि मुख्यमंत्री आ रहे है हमें डर है कही आप मुख्यमंत्री से ना मिल लें। कोई मुझे बताये क्या में इस देश का नागरिक नहीं हूँ क्या में आतंकवादी हूँ आखिर मेरे मिलने

से किसे डर लग रहा है। मैं अगर शहर में हो रहे भ्रष्टाचार नगर निगम में हो रही लूट महापौर और नगर विधायक की मिली भगत से इस देश की जनता के टेक्स का पैसा ढकारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहर की कई सडके पिछले 3 सालो में 3 बार तोड़कर बनाई जा चुकी है हकीकत नगर की सड़क पर व्यापार करने वाले दुकानदारो का रोजगार ठप हो चूका है उसका जिम्मेदार शहर विधायक और महापौर है क्योंकि दोनों में इस बात की लड़ाई है की कसका ज्यादा कमीशन मिले प्राइवेट स्कूलों की लूट के बारे में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराना चाहता था क्या ये सब बाते माननीय मुख्यमंत्री जी को नहीं पता चलनी चाहिए क्या ये आम आदमी के मुद्दे नहीं है लेकिन शहर विधायक और महापौर नहीं चाहते की उनकी लूट का भाड़ा फूटे इसलिए मुझे पुरे दिन घर में कैद किया गया है।

पुल पास कराने पर विधायक का जताया आभार

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। मस्कराव नदी पर पुल पास कराने को लेकर क्षेत्र के लोगों ने नकुड़ विधायक मुकेश चौधरी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए आभार व्यक्त किया है।

नकुड़ विधायक मुकेश चौधरी के प्रयास से मस्कराव नदी पर 25.49 करोड़ की राशि से पुल निर्माण होगा। बता दें कि नकुड़ विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए लोगो की वर्षो पुरानी मांग को उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री बाबा योगी आदित्यनाथ ने स्वीकृति दे दी है। जल्दी ही 25.49 करोड़ की लागत से गांव नथमलपुर तथा फिरोजाबाद के बीच मस्कराव नदी पर सेतु का निर्माण होगा। इस

पुल के निर्माण से जहां यातायात सुगम होगा वहीं किसानो व व्यापारियों को भी पुल का लाभ मिलेगा।

पुल निर्माण स्वीकृति को लेकर भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष चिलकाना रामनाथ धीमान एवं क्षेत्रवासियों ने नकुड़ विधायक मुकेश चौधरी का आभार व्यक्त कर उन्हें विकास पुरुष बताया। धीमान ने कहा कि इससे पहले भी विधायक मुकेश चौधरी के प्रयास के चलते हरियाणा को उत्तर प्रदेश से जोड़ने वाले पुल निर्माण का निर्माण कार्य सम्पन्न होने को है।

बंजर भूमि पर जबरन निर्माण कार्य

नकुड़। जनपद सहारनपुर के एक गांव में ग्राम प्रधान व सचिव द्वारा प्रस्तावित भूमि के बजाए अन्य नं. की बंजर भूमि पर सरकार द्वारा आवंटित दुकान का निर्माण कार्य जबरन कराया जा रहा है।

यहां क्षेत्र के सहारनपुर रोड़ स्थित भूरीबांस गांव के ग्रामीणों सुंदर लाल, मनोज, याकूब, भूरा, इल्यास, मेहरबान, दिलशाद, इरशाद, आशु, सेठपाल, जाहिद, आबिद, इमरान, भूरा, आशिक ने ग्राम प्रधान पति प्रदीप कुमार व सचिव पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गांव की खसरा नं 123 बंजर भूमि पर अन्नपूर्णा दुकान का प्रस्ताव पारित करने की बाबत बताया गया था। जबकि ग्राम प्रधान व सचिव की दबंगई के चलते कुरड़ी के लिए पूर्व से ग्रामीणों को आवंटित खसरा नं.180 की भूमि में अन्नपूर्णा दुकान का निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है की प्रधान द्वारा जिस भूमि पर प्रस्ताव पारित किया गया था उसी जमीन पर दुकान बनाई जानी चाहिए। साथ ही ग्रामीणों को भी इसकी जानकारी दी जानी चाहिए। ग्रामीण सुरेंद्र कुमार के अनुसार उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर जिलाधिकारी से लेकर 1076, एसडीएम, तहसीलदार, व तहसील दिवस तक पर शिकायत दर्ज कराई गई है। जबकि उनकी शिकायतों के आधार पर गांव में लेखपाल ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवाया दिया था। आरोप है कि उसके बावजूद भी प्रधान द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग करते हुए जनहित में प्रकरण का संज्ञान लेकर कार्यवाही की मांग की है।

छेडछाड के आरोपी को पकडा

छुटमलपुर। थाना फतेहपुर पुलिस ने सोमवार को नाबालिग बच्ची से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को भोगपुर पुलिया से गिरफ्तार कर लिया है आरोपी की पहचान विक्की उर्फ विकास पुत्र राकेश, निवासी ग्राम मुसैल, थाना फतेहपुर के रूप में हुई है पुलिस के अनुसार, आरोपी पर 12 अप्रैल को वादी की करीब आठ वर्षीय पुत्री के साथ घर में घुसकर छेड़छाड़ करने का आरोप है।

इस मामले में थाना हाजा में मुकदमा दर्ज किया गया था। थानाध्यक्ष विनय शर्मा के कुशल नेतृत्व में उपनिरीक्षक बबलू कुमार और हेड कांस्टेबल ललित कुमार की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

समीक्षा अधिकारी बनकर लौटे विशेष का स्वागत

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। यूपीपीएससी में 37 वीं रैंक हासिल कर समीक्षा अधिकारी बने ग्राम भायला निवासी विशेष प्रजापति का आज नगर आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया।

टेलीफोन एक्सचेंज स्थित ऋषिपाल प्रजापति के आवास पर विशेष प्रजापति का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विशेष का सम्मान करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी ब्रजेश प्रजापति ने कहा विशेष ने साबित कर दिया कि प्रजापति समाज का युवा किसी से कम नहीं है। मेहनत और लगन हो तो गांव की मिट्टी से निकलकर भी अधिकारी बना जा

सकता है। ये उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को दिशा देगी।

विशेष प्रजापति ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत, अनुशासन और अपने माता-पिता व गुरुजनों के आशीर्वाद को दिया। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने दिन-रात एक कर पढ़ाई की। उन्होंने कहा कि ये सफलता मेरी अकेले की नहीं है। मेरे माता-पिता का त्याग, शिक्षकों का मार्गदर्शन और पूरे समाज का आशीर्वाद मेरे साथ था। मैं प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पूरी ईमानदारी और निष्ठा से जनता की सेवा करूंगा। मेरा लक्ष्य है कि मैं अपने पद से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाऊं। गांव से निकलकर प्रशासनिक सेवा तक पहुं. चने वाले विशेष अब समाज के हजारों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गए हैं।

सम्मान समारोह में प्रदीप प्रजापति, डॉ नरेंद्र प्रजापति, नवीन प्रजापति, नीरज प्रजापति, सुशील प्रजापति, चरण सिंह प्रजापति समेत सैकड़ों लोग शामिल हुए।

शुद्ध पेयजल पहुंचाना हमारा संकल्पः डा. अजय

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। महापौर डॉ. अजय कुमार ने आज वार्ड 6 वर्धमान कॉलोनी में आज 15 हॉर्स पावर के पम्प लगाने के कार्य का वेद मंत्रोच्चार के बीच नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति भी जागरुक किया। कार्यक्रम का आयोजन पार्षद प्रतिनिधि विनोद कुमार सैनी एवं मोहल्ला समिति द्वारा नगर निगम व आईटीसी मिशन सुनहरा कल फोर्स के सहयोग से आयोजित किया गया था।

वर्धमान कॉलोनी पहुंचने पर पार्षद प्रतिनिधि विनोद सैनी व क्षेत्र के लोगों ने महापौर डॉ. अजय कुमार तथा उपसभापति मयंक गर्ग, पार्षद नीरज शर्मा व पूर्व

नगराध्यक्ष भाजपा का माल्यार्पण कर स्वागत किया। महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि महानगरवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना और पेयजल की निर्बाध आपूर्ति कराना निगम का उद्देश्य और संकल्प है। इसके लिए नगर निगम द्वारा लगातार वार्डो में आवश्यकतानुसार नये पम्प लगवाये जा रहे है। उसी श्रृंखला में वार्ड 6 में भी आज नये पम्प के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया है। महापौर ने कहा कि इस पम्प के शुरु हो जाने से वर्धमान कॉलोनी, अजीज कॉलोनी व अहमद कॉलोनी सहित आधा दर्जन से अधिक कॉलोनियों को शुद्ध पेयजल की निर्बाध आपूर्ति मिलेगी।

महापौर ने आईटीसी मिशन सुनहरा कल फोर्स के वालंटियर्स के साथ क्षेत्र के लोगों को स्वच्छता के लिए भी जागरुक किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता न केवल हमें बीमारियों से बचाती है बल्कि हमारा जीवन स्तर भी ऊंचा उठाती है। क्षेत्र के लोगों ने इस पहल के लिए नगर निगम, आईटीसी मिशन सुनहरा कल तथा पार्षद प्रतिनिधि विनोद सैनी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक तथा मोहल्ला समिति के सदस्य भी शामिल रहे।

नगर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया वारंटी

सहारनपुर। थाना नगर कोतवाली पुलिस ने एक वारंटी को आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ली।

मिली जानकारी के अनुसार थाना नगर कोतवाली पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह व उपनिरीक्षक शौकीन खान के नेतृत्व में मुखबिर की सूचना पर एक वारंटी आरोपी कुलदीप उर्फ विक्की पुत्र रामकिशन निवासी गढ़ी मलूक थाना कोतवाली नगर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार दबोचा गया आरोपी वांद संख्या-568/20 मु0अ0सं0 17/18 धारा-8 एनडीपीएस एक्ट 15 चालानी में वांछित था। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही कर न्यायालय में पेश किया है।

स्वच्छता अभियान में बच्चे बने भागीदार

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम सहारनपुर एवं आईटीसी मिशन सुनहरा कल अपने स्वच्छता जागरुक अभियान में बच्चों को भी साझीदार बना रहा है और उन्हें इस बात के लिए प्रेरित कर रहा है कि वे घर जाकर अपने माता-पिता को स्वच्छता का महत्व समझाते हुए घर को साफ सुथरा रखे।

नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देशन में शहर में स्वच्छता के लिए चलाये जा रहे स्वच्छता जागरुकता अभियान के तहत आज नगर निगम द्वारा उमंग सुनहरा कल सेवा समिति के सहयोग से उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनोहरपुर में बच्चों को घरों से निकलने वाले कूड़े के सम्बंध में जागरुक किया गया और उसका सही प्रबंधन न किये जाने

तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले नुकसान के प्रति भी बच्चों को जागरुक किया गया। बच्चों को इस बात के लिए प्रेरित किया गया कि वे अपने माता पिता को भी स्वच्छता के प्रति जागरुक करें।

इसके अलावा नगर निगम, उमंग सुनहरा कल सेवा समिति एवं युवा मोहल्ला समिति द्वारा संयुक्त रूप से क्षेत्रीय लोगों के साथ स्वच्छता और साफ सफाई को लेकर जन जागरूकता बैठक की गयी।

गेहूं खरीद में अनियमितता पर भड़के किसान, भाकियू (अराजनैतिक) का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की पंचायत सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह गंगवार के नेतृत्व में आयोजित की गई। पंचायत के बाद किसानों ने प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।

पंचायत को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जनपद रामपुर के मिलक, बिलासपुर, शाहाबाद, स्वार और टांडा समेत विभिन्न मंडियों में किसानों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आरोप लगाया गया कि गेहूं की खरीद सुचारू रूप से नहीं हो रही है और कई केंद्रों पर बोरे न होने का बहाना बनाकर किसानों को वापस लौटा दिया जाता है। किसानों ने बताया कि मंडियों में गेहूं की खरीद 2200 से 2300 प्रति क्विंटल के बीच की जा रही है, जो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम है। उन्होंने अधिकारियों पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए इसे किसानों के साथ अन्याय बताया। इसके अलावा किसानों ने कहा कि हाल ही में हुई बेमौसम बारिश से जिले में गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन अब तक न तो सर्वे कराया गया है और न ही किसानों को किसी प्रकार की राहत दी गई है। उन्होंने मांग की कि जल्द से जल्द नुकसान का आकलन कर किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो 17 अप्रैल को एक बड़ी पंचायत आयोजित कर सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ आंदोलन को तेज किया जाएगा। इस दौरान सुनील मौर्य, फरीद खां, बाबर खां, विजयपाल कश्यप, रामदास कोहली, सूरजपाल यादव, मुताहिर खां, मुशीब अली खां, जिला मीडिया प्रभारी अब्दुल रज्जाक खान सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

विभिन्न समस्याओं के निस्तारण को लेकर गरजे किसान, सौंपा ज्ञापन

बेसहारा पशुओं को गौशाला भेजने समेत उठाई कई समस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। विभिन्न समस्याओं के निस्तारण को लेकर सोमवार को भारतीय किसान यूनियन अंबावता के तमाम पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां पर सभी ने बेसहारा पशुओं को गौशाला भेजने के साथ ही विभिन्न समस्याओं को उठाते हुए नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। बाद में प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

भाकियू अंबावता के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद हनीफ वारसी के नेतृत्व में तमाम किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे और यहां पर सभी ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि कि बेसहारा पशु खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कई बार इन पशुओं को गौशाला भेजने की मांग उठा चुके हैं लेकिन अधिकारी कोई सुनवाई नहीं कर रहे हैं। साथ ही उनका कहना था कि जिले में फर्जी तरीके से कई अल्ट्रासाउंड सेंटर चल रहे हैं। अधिकारियों की मिलीभगत से चलने वाले इन सेंटरों पर मनमाना पैसा वसूला जा रहा है। इसके अलावा किसानों ने रूद्र विलास चीनी मिल का नवीनीकरण, गांव क्षेत्र में मच्छरों के छिड़काव कराने की मांग उठाई। वहीं उनका कहना था कि आयुर्वेद यूनानी के नोडल अधिकारी डॉक्टर चंचल जनपद में जितने भी ठन्डै,ठाडै यह जितने भी हैं इनको इंजेक्शन लगाने कभी अनुमति नहीं है। इलाज एलोपैथिक का मौके पर कर रहे हैं। नोडल अधिकारी इसे महीना ले रहे हैं इसी तरह अल्ट्रासाउंड सेंटर के नोडल अधिकारी डॉक्टर सत्य प्रकाश ए सीएमओ पैसे लेकर टेक्निशन से अल्ट्रासाउंड कर रहे हैं। किसानों ने कहा कि इन सभी समस्याओं का समाधान अति शीघ्र किया जाए अन्यथा बड़ा आंदोलन किया जाएगा। बाद में उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा। इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव शोएब इजहार खान, निर्मल सिंह, हड़ताल सिंह यादव, ठाकुर श्यामवीर सिंह, नवाब अली, शकील अहमद, मुबारक हसन, रईस अहमद, बिलाल अहमद, अफजल नसीम, गुलवेज अहमद, महबूब अली आदि मौजूद रहे।

रामपुर में नारी शक्ति वंदन अधिनियम अभियान को लेकर भाजपा की महत्वपूर्ण बैठक

15 अप्रैल को निकलेगी भव्य स्कूटी-बाइक रैली

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" अभियान के तहत सोमवार को पार्टी कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण योजना बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार ने की, जिसमें आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 15 अप्रैल 2026 को नगर पालिका स्तर पर महिलाओं की भव्य स्कूटी एवं बाइक रैली निक.ाली जाएगी। इस रैली के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का संदेश आमजन तक पहुंचाया जाएगा। इसके अलावा 15 से 18 अप्रैल तक विधानसभा स्तर पर नारी शक्ति सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में पदयात्राएं निकालकर महिलाओं के अधिकार, सम्मान और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अभियान चलाया जाएगा।

अभियान के अंतर्गत एक विशेष हस्ताक्षर अभियान भी संचालित किया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित कर नारी शक्ति के समर्थन में व्यापक जनसमर्थन जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही वह संगठन है, जहां महिलाओं को वास्तविक सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर मिलते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और संगठन दोनों ही महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्यरत हैं और "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" इसी संकल्प का सशक्त प्रतीक है।

बैठक में मौजूद पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि वे सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए पूरी सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ भागीदारी सुनिश्चित करें। बैठक में पारुल अग्रवाल, पूजा शर्मा, डॉली रंधावा, पूनम सागर, मनु सक्सेना, रानी गुप्ता, रानी खान, सुभाष भटनागर, सौरभ पाल लोधी, ब्लॉक प्रमुख मोहित सैनी, जिला महामंत्री रविंद्र सिंह रवि, अर्जुन रस्तोगी, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, संतोष खैरा, सुनील मौर्या, करतार सिंह लोधी, कुंवर बहादुर राजपूत, विकास दीक्षित, जिला मीडिया प्रभारी आकाश सक्सेना, नरेश सैनी, जिला मंत्री पवन शर्मा, पंकज सैनी, राहुल गुप्ता, शुभम सक्सेना, धर्मवीर यादव, अनु सक्सेना, विक्रम सिंह, सुरेश राजपूत, ओम प्रकाश लोधी, रघुवीर सिंह, जयवर्धन सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे-

पेड़ों की कटाई-छंटाई के नाम पर बिजली कटौती बंद की जाए

रामपुर उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। गर्मियों में पेड़ों की कटाई-छंटाई के नाम पर और पतंगबा.जी को आधार बनाकर बिजली कटौती होने पर रामपुर उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने नारजगी जाहिर की है। उन्होंने बेवजह बिजली कटौती पर रोक लगाने के लिए विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा है।

व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा के नेतृत्व में तमाम व्यापारियों ने सहायक अभियंता प्रथम को ज्ञापन दिया। उनका कहना था कि गर्मी शुरू होने के साथ ही बिजली कटौती बढ़ गई है। जिससे व्यापारियों के अलावा आमजन को काफी परेशानी हो रही है। शाम को बिजली गुल होने से कारोबार प्रभावित हो रहा है। कभी अधिकारी पतंगबाजी को आधार बनाकर बिजली काट देते हैं तो कभी पेड़ों की कटाई-छंटाई के नाम पर घंटों बिजली गुल कर दी जाती है। रोस्टर के हिसाब से शहर वासियों को बिजली नहीं मिल पा रही है। लिहाजा हर फीडर पर बिजली कटौती करने के संबंध में पूरा विवरण अवश्य लिखा जाए। कार्ययोजना बनाकर बिजली की सप्लाई की जाए। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि अगर इसी तरह से बिजली कटौती होती रही तो वह लोग सड़क पर उतरने को मजबूर हो जाएंगे। इस मौके पर शाहिद शमसी, शुऐब खां, प्रदीप खंडेलवाल, अवतार सिंह, शाकेब शमसी, हारिस शमसी, मुकेश आर्य और इमरान सलीम आदि मौजूद रहे।

रसोई गैस एजेंसियों की जांच कर कालाबाजारी पर रोक लगाई जाए

स्मार्ट मीटर समेत कई समस्याओं को लेकर कांग्रेसियों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने और रसोई गैस की किल्लत को देखते हुए कांग्रेसियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। उन्होंने जबरन स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगाने और रसोई गैस एजेंसियों की जांच कर कालाबाजारी पर रोक लगाने की मांग की। प्रदर्शन करने के बाद कांग्रेसियों ने डीएम को ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रमिल कुमार शर्मा उर्फ निक्कू पंडित व शहर अध्यक्ष बाकर अली के नेतृत्व में तमाम कांग्रेसी कलेक्ट्रेट पहुंचे और यहां पर उन्होंने विभिन्न समस्याओं को लेकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि बिजली विभाग जबरन घरों पर प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने का दबाव डाल रहा है। जिससे उपभोक्ताओं को काफी परेशानी हो रही है। जबकि लोकसभा में यह स्पष्ट हो गया है कि घरों पर प्रीपेड मीटर लगाना अनिवार्य नहीं हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जिले में रसोई गैस की किल्लत बनी हुई है। ब्लैक में दो से तीन हजार रुपये तक के सिलेंडर मिल रहे हैं। उपभोक्ता एजेंसियों के चक्कर काट रहे हैं लेकिन एक भी सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। हैरानी की बात यह है कि जब उपभोक्ताओं को सिलेंडर नहीं मिल रहा है तो ब्लैक में कैसे मिल रहा है। जाहिर है कि गैस एजेंसी स्वामी सिलेंडरों की कालाबाजारी कर रहे हैं। जिस कारण उपभोक्ताओं का शोषण किया जा रहा है। कांग्रेसियों का कहना था कि जबरन लगाए जा रहे प्रीपेड मीटरों पर तत्काल रोक लगाई जाए। बिना उपभोक्ताओं की लिखित सहमति के मीटर बदलने वाले अधिकारी व कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए। वहीं गैस एजेंसियों की जांच कर कालाबाजारी पर रोक लगाई जाए। प्रदर्शन करने के बाद कांग्रेसियों ने डीएम को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर पूर्व विधायक संजय कपूर समेत सचिन त्रिवेदी, मोहम्मद जकी, मुईन पठान, सतनाम सिंह, पूरनलाल, चितरंजन प्रसाद, फहीम खां, जलीस अहमद, शानू खां, जयदीप द्विवेदी और रवि टंडन आदि मौजूद रहे।

फिलिस्तीनी राजदूत के कार्यक्रम को लेकर उलेमा से मिले नवेद मियां

सौलत लाइब्रेरी और जामा मस्जिद जाएंगे राजदूत, बुद्धिजीवियों व उलेमा से भी होगी मुलाकात

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। भारत में फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला मोहम्मद अबू शावेश के प्रस्तावित रामपुर दौरे को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने सोमवार को नूर महल में उलेमा के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की।

बैठक के दौरान नवेद मियां ने बताया कि फिलिस्तीनी राजदूत रामपुर आकर ऐतिहासिक सौलत पब्लिक लाइब्रेरी और जामा मस्जिद का दौरा करेंगे। इसके अलावा वह शहर के बुद्धिजीवियों और उलेमा से भी मुलाकात करेंगे।

नवेद मियां ने ईरान और फिलिस्तीन के मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि दुनिया भर के इंसाफपसंद लोगों को एकजुट होकर जुल्म और ज्यादती के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं फिलिस्तीन के राजदूत से मुलाकात कर उन्हें रामपुर आने का न्योता दिया था, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया है। राजदूत का कार्यक्रम जल्द ही तय किया जाएगा। बैठक में शहर इमाम हजरत मौलाना मौलवी मोहम्मद नासिर खां, शिया धर्मगुरु इमामे जुमा शिया जामा मस्जिद सैयद अली मोहम्मद नकवी, इमामे जमात मस्जिद किला मौलाना जमा बाकरी, मस्जिदे जहरा के इमाम मौलाना सैयद मूसा रजा, मौलवी शाह खालिद खां, नवेद मियां के पीआरओ काशिफ खां, माजिद खां उर्फ राजा खां, मिर्जा तस्लीम बेग, अहतेशाम सहरी, शबाब हुसैन और हसन मेहदी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्कूल चलो अभियान के तहत बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

शाह टाइम्स संवाददाता

मसवासी। क्षेत्र के खानपुर उत्तरी मजरा रज्जावाला में सोमवार को "स्कूल चलो अभियान" के तहत स्कूली बच्चों ने जागरूकता रैली निक.ालकर शिक्षा का संदेश दिया। रैली के माध्यम से 6 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को विद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय खानपुर उत्तरी में प्रधानाध्यापक सुखलाल के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में बच्चों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर "स्कूल चलो" के नारे लगाए। रैली मजरा रज्जावाला से शुरू होकर प्राथमिक विद्यालय खानपुर उत्तरी पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। अभियान के दौरान अभिभावकों से अपील की गई कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजें, ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल बन सके। रैली में प्राथमिक विद्यालय खानपुर उत्तरी और प्राथमिक विद्यालय रज्जावाला के छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षक-शिक्षिकाएं भी शामिल रहीं। इस अवसर पर दिलीप कुमार, शीलावती, सुखजीत कौर, शरीफ अहमद, कुलदीप कुमार, नेहा कंबोज, अविनाश पांडे और भावना सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर अधिकारियों ने किया क्षेत्र का किया दौरा

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। त्यौहारों को लेकर पुलिस प्रशासन बेहद सतर्क नजर आ रहा है, क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रहे इसके लिए पुलिस के आला अधिकारी समेत प्रशासनिक अधिकारी भी लोगों के बीच जाकर शांति व्यवस्था कायम रखने की अपील कर रहे है। वहीं अराजक तत्वों के बारे में भी लोगों से पुलिस को तुरंत सूचना देने की अपील की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को रामपुर के अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह, एसडीएम आशुतोष कुमार, सीओ देवकीनंदन और कोतवाल प्रदीप कुमार ने टांडा क्षेत्र का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने टांडा, रमपुरा और जगेसर गांव का दौरा कर लोगों से क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने के साथ अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। एएसपी अनुराग सिंह इससे पहले शाहबाद नगर में बनी कस्बा पुलिस चौकी पर भी पहुंचे और संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान अपराध निरीक्षक जयप्रकाश सिंह, उपनिरीक्षक अतिशय जैन, एसआई रमेश चंद्र, एसआई दिलीप सिंह आदि रहे।

बंद मकान को चोरों ने बनाया निशाना, पुलिस जांच में जुटी

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। बीती रात थाना क्षेत्र के बमनपुरी गांव में बंद मकान को चोरों ने निशाना बनाते हुए घर में रखा सामान समेत तीन ई रिक्शाओं की बैट्री लेकर फरार हो गए। घर में सामान बिखरा देखकर मकान मालिक के होश उड़ गए। मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी।

मिली जानकारी के अनुसार शाहबाद के बमनपुरी गांव में सड़क किनारे मकान बनाकर रह रहे खालिद अपने परिजनों के साथ रठौंडा क्षेत्र अंतर्गत सिहारी गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। खालिद के साथ घर के अन्य सदस्य भी गए थे और मकान बंद था। चोरों ने मकान बंद होने का फायदा उठाते हुए घर में घुसकर नगदी समेत कई अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। पड़ोसियों द्वारा खालिद को घटना की जानकारी दी गई। खालिद ने घर पहुंचकर पुलिस को जानकारी दी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अक्षय तृतीया पर परशुराम जयंती: विशाल बाइक रैली की तैयारी तेज

शाह टाइम्स संवाददाता

सैफनी/रामपुर। अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विशाल बाइक रैली के आयोजन की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में माता बेला भवानी मंदिर परिसर में ब्राह्मण समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें भव्य आयोजन और समाज की एकजुटता पर चर्चा की गई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव समाज के लिए गौरव का विषय है, जिसे पूरे उत्साह और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। सभी विप्र बंधुओं से अपील की गई कि वे अपनी-अपनी बाइक के साथ अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर रैली को सफल बनाएं और समाज की एकता व शक्ति का परिचय दें।

आयोजकों ने बताया कि 19 तारीख को रामपुर में सभी लोग एकत्रित होंगे, जहां से यह विशाल बाइक रैली निकाली जाएगी। कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जनसंपर्क भी किया जा रहा है। बैठक में शोभित शर्मा, पंकज शर्मा, प्रवीण जोशी, विवेक वशिष्ठ, विमल जोशी, पारस वशिष्ठ, अनुभव वशिष्ठ, सात्विक भारद्वाज, संदीप शर्मा, विनय दीक्षित, आकाश शर्मा, गौरव जोशी एवं विकास जोशी सहित अनेक ब्राह्मण समाज के लोग मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

अंबेडकर जयंती जुलूस की अनुमति रद्द होने पर ग्रामीणों का प्रदर्शन, बहाली की उठाई मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर जुलूस व झांकी निकालने की अनुमति रद्द किए जाने से नाराज ग्रामीणों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर अनुमति बहाल करने की मांग की। सैफनी थाना क्षेत्र के ग्राम दिवियानगला से पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि अखिल भारतीय अंबेडकर संघ के अध्यक्ष उम्मेद सिंह द्वारा अंबेडकर जयंती पर गांव में जुलूस व झांकी निकालने के लिए अनुमति मांगी गई थी, जिसे एसडीएम द्वारा स्वीकृति भी दे दी गई थी। ग्रामीणों के अनुसार, इसके बाद सैफनी थाने में पुलिस ने उम्मेद सिंह से पूर्व में जारी अनुमति से संबंधित दस्तावेज मांगे, लेकिन वह उसे प्रस्तुत नहीं कर सके। वहीं, थाने के अभिलेखों में भी इस प्रकार की कोई अनुमति दर्ज नहीं पाई गई, जिसके चलते प्रशासन ने अनुमति को निरस्त कर दिया। इस कार्रवाई से आक्रोशित ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर विरोध जताया और मांग की कि अंबेडकर जयंती जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर जुलूस व झांकी निकालने की अनुमति पुनः बहाल की जाए। प्रदर्शन के दौरान जिला पंचायत सदस्य मुमताज, सपा नेता रामबहादुर सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

SRH ने RR को 217 का टारगेट दिया

ईशान किशन की फिफ्टी, क्लासन ने 40 बनाए, आर्चर को 2 विकेट

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल के 19वें सीजन के 21वें मैच में राजस्थान रायल्स को 217 रन का टारगेट दिया है। हैदराबाद के होम ग्राउंड राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। हैदराबाद ने 20 ओवर में 216 विकेट पर 170 रन बनाए। टीम ने पहली बाल पर अभिषेक शर्मा का विकेट गंवा दिया था।

यहां से ईशान किशन ने 44 बाल पर 91 रन की पारी खेलकर टीम को 100 पार पहुंचाया। उनकी पारी में 4 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। हेनरिक क्लासन ने 40 रन का योगदान दिया। राजस्थान की ओर से जोफ्रा आर्चर ने दो विकेट झटके। संदीप शर्मा, तुषार देशपांडे और रियान

पराग को एक-एक विकेट मिला। मैच का स्कोरबोर्ड हैदराबाद और राजस्थान के बीच इस सीजन यह पहला मुकाबला है। दोनों टीमों का आज 5वां मैच है। तब अब तक एक भी मैच नहीं हारी है और 4 जीत के साथ पाइंट्स टेबल टॉप पर है। दूसरी ओर टीम 4 में से केवल 1 मैच जीती है और 3 हार चुकी है। 18वें ओवर में हैदराबाद ने 5वां विकेट गंवाया। यहां पर नीतीश कुमार रेड्डी (2) रनआउट को जोफ्रा आर्चर ने कैच आउट कराया। उन्होंने मैच की पहली बाल पर अभिषेक शर्मा (जीरो) को भी आउट किया। 17वें ओवर में नांद्रे बर्गर ने लगातार 4 यार्कर बाल डालीं। उनके इस ओवर से महज 7 रन आए। तीसरी बाल पर सलिल अरोरा ने चौका लगाया। 15वें ओवर में हैदराबाद ने 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया। हेनरिक क्लासन ने नांद्रे बर्गर की 5वीं बाल पर छक्का लगाकर टीम स्कोर 150 पार पहुंचाया। 14वें ओवर में हैदराबाद ने तीसरा विकेट गंवाया। यहां पर ईशान किशन 44 बाल पर 91 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें संदीप शर्मा ने अपनी ही बाल पर कैच किया। वे कैच लेने के प्रयास में विकेटकीपर ध्रुव जुरेल से टकरा गए, लेकिन कैच नहीं छोड़ा। यहां पर फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक हुई। 11वें ओवर में तुषार देशपांडे ने 21 रन खर्च कर दिए। उनकी ओवर में ईशान किशन ने 3 चौके और एक छक्का लगाया। ईशान ने ओवर की तीसरी बाल पर डीप मिडविकेट पर छक्का लगाया और टीम का स्कोर 100 रन तक पहुंचा दिया। ओवर की आखिरी बाल पर ईशान ने चौका लगाकर क्लासन के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी की। 10वें ओवर में ईशान किशन ने फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 30 बाल पर अर्धशतक लगाया। ईशान ने रवि बिश्नोई की चौथी बाल पर डीप मिडविकेट पर छक्का लगाया और हाफ सेंचुरी पूरी की। इस ओवर में क्लासन ने भी छक्का मारा। 7वें ओवर की 5वीं बाल पर हैदराबाद ने दूसरा विकेट गंवाया। यहां पर ट्रैविस हेड 18 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें कप्तान रियान पराग ने डोनोवन फरेरा के हाथों कैच कराया। इसी के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक हुई। जीरो पर पहला विकेट गंवाने के बाद हैदराबाद ने पावरप्ले में 50 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। ट्रैविस हेड और ईशान किशन ने फिफ्टी पार्टनरशिप करके टीम की वापसी कराई। 6 ओवर के बाद सनराइजर्स का स्कोर 51/1 है। अभिषेक जीरो पर आउट हुए। 5वां ओवर डाल रहे संदीप शर्मा के ओवर से 12 रन आए। उनकी चौथी बाल पर ईशान किशन ने स्ट्रेट पर छक्का लगाया। तीसरे ओवर में जोफ्रा आर्चर की शार्ट लेंथ बाल पर ईशान ने डीप मिडविकेट की दिशा में 88 मीटर का छक्का लगाया।

सांसद खेल महोत्सव-2026 का आगाज, राजनाथ ने किया शुभारंभ

लखनऊ, वार्ता। राजधानी लखनऊ में सांसद खेल महोत्सव-2026 का सोमवार को भव्य शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस खेल आयोजन का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। प्रतियोगिता 13 से 15 अप्रैल तक कंडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित की जा रही है। महोत्सव में लखनऊ की पांच विधानसभा क्षेत्रों लखनऊ मध्य, पश्चिमी, उत्तरी, पूर्वी और कैंट के खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

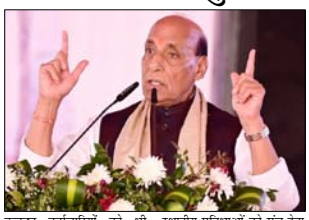

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधि, खेल अधिकारी तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को मोमेंटो, अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा पांच प्रशिक्षकों, दो पत्रकारों तथा पांच उत्कृष्ट कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित खिलाड़ियों में कुश्ती, क्रिकेट, पैरा बैडमिंटन, बास्केटबॉल, हॉकी, सॉफ्ट टेनिस और हैंडबॉल से जुड़े खिलाड़ी शामिल रहे। समारोह में खेलों के विकास और युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। आयोजन समिति के अनुसार सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना, स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देना और फिटनेस संस्कृति को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता के पहले दिन ताइक्वांडो समेत विभिन्न स्पर्धाओं के मुकाबले आयोजित किए गए, जिनमें खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को आगामी चरणों में सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, खेल विभाग के अधिकारियों और खिलाड़ियों ने महोत्सव को युवाओं के लिए प्रेरणादायक पहल बताया।

खेल विशेष

आईएलटी20 का पांचवां सीजन 22 नवम्बर से होगा शुरू

दुबई, वार्ता। अरब अमीरात (यूएई) की आईएलटी 20 लीग का पांचवां सीजन इस वर्ष 22 नवम्बर से शुरू होकर 20 दिसम्बर तक चलेगा। आईएलटी 20 के इस सीजन में कुल 34 मैच होंगे और लीग चरण के 30 मैचों के अलावा चार प्लेऑफ मैच भी खेले जाएंगे। ये मैच दुबई, अबू धाबी और शारजाह में , जबकि खिताबी मुकाबला दुबई में होगा। आईएलटी 20 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड व्हाइट ने सोमवार को एक बयान में कहा, 'छम सीजन 4 की सफलता से बहुत खुश हैं। ब्रॉडकास्ट आंकड़े, दर्शकों की दिलचस्पी और बड़े टी-20 सितारों की भागीदारी ने इस टूर्नामेंट को बेहद सफल बनाया है और लीग की गुणवत्ता और बेहतर हुई है। डीपी वर्ल्ड आईएलटी 20 लगातार आगे बढ़ रही है और सऊदी अरब क्रिकेट फेडरेशन व कुवैत क्रिकेट के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारियां पहले ही बड़ा असर डाल रही हैं।

खालसा, किरोड़ीमल, गार्गी और स्टनर्स सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, वार्ता। मेजबान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज और किरोड़ीमल कॉलेज ने पुरुषों के वर्ग के अपने मैच जीते और 5वें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल (पुरुष और महिला) टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गए। महिलाओं के वर्ग में गार्गी कॉलेज और स्टनर्स एकेडमी सेमीफाइनल में पहुंचे। पुरुषों के वर्ग के मैचों में, खालसा कॉलेज ने खालसा एलुमनी को 74-66 से हराया। दूसरे मैच में, किरोड़ी मल कॉलेज ने स्टनर्स एकेडमी को 100-99 से हराया। 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार किरोड़ी मल कॉलेज के दक्ष को दिया गया। महिलाओं के वर्ग में, स्टनर्स एकेडमी ने मिरांडा हाउस को 66-56 से हराया। 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार स्टनर्स एकेडमी की गुलफशा को दिया गया। दूसरे मैच में, गार्गी कॉलेज ने रामजस कॉलेज को 40-39 से हराया। 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार गार्गी कॉलेज की पी- सैनी को दिया गया।

क्रिकेट आईपीएल हार्दिक जुर्माना हार्दिक पंड्या पर धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना

मुम्बई, वार्ता। मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि हार्दिक पांड्या पर धीमी ओवर गति के लिए यह जुर्माना लगाया गया है यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2-22 के तहत इस सीजन में उनकी टीम का यह पहला अपराध था, इसलिए उन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मुंबई इंडियंस (एमआई) से यह मुकाबला 18 रनों से जीत लिया था।

आईपीएल 2026: बेहतरीन प्रदर्शन से पर्पल कैप पर प्रसिद्ध कृष्णा का कब्जा

लखनऊ, वार्ता। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाजी प्रसिद्ध कृष्णा ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन करते हुए चार विकेट झटक कर पर्पल कैप पर कब्जा जमा लिया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को खेले गए इस मुकाबले में प्रसिद्ध कृष्णा चार विकेट लेकर गेंदबाजों की सूची में चार मैचों में कुल 10 विकेटों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए हैं। इस सूची में दूसरे स्थान पर राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के रवि बिश्नोई (नौ विकेट) के साथ दूसरे तथा चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाज अंशुल कंबोज तीसरे स्थान पर हैं। चौथे स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जैकब डफी हैं, जिनके नाम छह-छह विकेट हैं।

जीत के जोश से लबरेज CSK, जीत के इंतजार में KKR

चेन्नई, वार्ता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की अंक तालिका में सबसे नीचे की टीमों के बीच का मंगलवार को होने वाले मुकाबले में पांच बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), जो लगातार तीन हार के बाद जीत की राह पर लौट आई है वहीं टूर्नामेंट में संघर्ष कर रही पूर्व चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को जीत का खाता खुलने का इंतजार है।

आंकड़ों की अगर बात की जाए तो घरेलू मैदान के फायदे और 'एलो ब्रिगेड' (सीएसके के फैन्स) के जबरदस्त समर्थन के दम पर, सीएसके का पलड़ा अजिंक्य रहाणे की अगुवाई वाली केकेआर पर भारी है। केकेआर अपने पहले चार मैचों में से तीन हारने के 'बदकिस्मती' को तोड़ना चाहती है, इस सीजन में ईडन गार्डन्स में पंजाब किंग्स के खिलाफ बारिश की वजह से रद्द हुए मैच में उसे एक अंक मिला था, जो उसकी पहली 'जीत' जैसा था दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 31 मुकाबलों में 20 में

सीएसके को जबकि 11 में केकेआर को जीत मिली है। वहीं चेपॉक पर भी हुए 12 मुकाबलों में सीएसके की टीम 8-4 से आगे है। हालांकि 2022 से हुए छह मुकाबलों में दोनों टीमें 3-3 से बराबरी पर हैं। केकेआर की तरह, घरेलू टीम की शुरुआत भी बेहद खराब रही थी और उसे अपने पहले तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था- भले ही उसने दो बार 200 रन से ज्यादा का स्कोर बनाया था। लेकिन दो दिन पहले इसी मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 23 रन की शानदार जीत के साथ उसे अपनी पहली जीत का स्वाद चखने को मिला। इस जीत का श्रेय ओपनर संजू सैमसन को जाता है, जिन्होंने पिछले मैचों में कम स्कोर बनाने के बाद, सही समय पर अपनी फॉर्म में वापसी करते हुए एक बेहतरीन शतक जड़ा, साथ ही युवा खिलाड़ी आयुष म्हात्रे ने भी उतना ही शानदार अर्धशतक बनाया, जो इस सीजन में उनका दूसरा अर्धशतक था। इस जीत की बदौलत सीएसके अंक तालिका में एक पायदान ऊपर चढ़कर 10वें से 9वें स्थान पर पहुंच गई,

जबकि केकेआर अभी भी सबसे निचले स्थान पर बनी हुई है। सीएसके को संजू सैमसन और म्हात्रे से उम्मीद है कि वे अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखेंगे, जबकि कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को पारी की शुरुआत में बड़ी पारी खेलनी होगी। उन्होंने पिछले कुछ मैचों में 6, 28, 7 और 15 जैसे कम स्कोर बनाए हैं, इसलिए उन्हें अपनी लय वापस पाने की जरूरत है। मिडिल ऑर्डर में टैलेंट तो है, लेकिन अभी तक वे एक साथ मिलकर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। सरफराज खान ने अपनी जोरदार हिटिंग की झलक दिखाई, वहीं साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस की वापसी से टीम को और मजबूती मिली है, वे पिडली की चोट से उबरने के बाद लौटे हैं और पहले तीन मैच नहीं खेल पाए थे। उनके साथ ही, जोरदार हिटिंग करने वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज शिवम दुबे भी टीम में हैं, जिन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ 45 रन बनाकर इस सीजन में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। डीसी के खिलाफ 10 गेंदों में 20 रन बनाकर उन्होंने डेथ ओवर्स में मैच को शानदार तरीके से खत्म करने की अपनी काबिलियत साबित की है।

अल्काराज को हराकर सिनर ने जीता मोंटे कार्लो मास्टर्स का खिताब

मोनाको, वार्ता। जैनिक सिनर ने मोंटे कार्लो मास्टर्स के फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को हराकर नवम्बर की शुरुआत के बाद पहली बार दुनिया के शीर्ष स्थान पर वापसी की।

मोनाको में खेले गए निर्णायक मुकाबले में सिनर ने अल्काराज को 7-6 (7-5), 6-3 से हराकर मोंटे कार्लो टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। दुनिया के शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच नवम्बर में एटीपी चैंपियनशिप के फाइनल में सिनर की सीधे सेटों में जीत के बाद पहली भिड़ंत थी। बड़े-बड़े शॉट्स से भरे इस तनावपूर्ण और कड़े मुकाबले में, दोनों खिलाड़ियों को तेज हवाओं का सामना करना पड़ा। इन हवाओं ने मैच में अनिश्चितता का एक तत्व जोड़ दिया, जिसके चलते दोनों

खिलाड़ियों से कुल मिलाकर 83 गलतियां हुईं।

इस जीत के साथ 24 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी ने इस साल का अपना तीसरा मास्टर्स 1000 खिताब जीत लिया है, इससे पहले वे इंडियन वेल्स और मियामी में भी जीत हासिल कर चुके हैं और मास्टर्स सीरीज के स्पर्धाओं में उनकी जीत का सिलसिला अब 22 मैचों तक पहुंच गया है। खिताब जीतने के बाद सिनर ने कहा कि क्ले कोर्ट पर फिर से खेलना सीखने के प्रयास में यह सप्ताह बेहद दिलचस्प रहा। मैं यहां ज्यादा से ज्यादा मैच खेलने की कोशिश में आया था, और इस सतह पर एक बड़ा टूर्नामेंट जीतकर मैं बहुत खुश हूं। यह ट्रॉफी जीतना और फिर से नंबर एक पर पहुंचना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

फिजी को हराकर समोआ ने लगातार दूसरी बार महिला अंडर-19 टी-20 विश्वकप में जगह बनाई

पोर्ट मोरेस्बी, वार्ता। समोआ की टीम ने सोमवार फिजी को हराकर लगातार दूसरी बार आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप में जगह बना ली है। पापुआ न्यू गिनी में हुए पूर्वी एशिया-प्रशांत क्वालिफायर 2026 टूर्नामेंट में ऑलिव लेफागा लेमोए की टीम ने अमिनी पार्क में खेले गए मुकाबलों में फिजी, इंडोनेशिया, वानुअतु और मेजबान टीम को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। उसने मई 2024 में भी इस तरह विश्वकप में जगह बनाई थी।

समोआ ने अपने अभियान के आखिरी दिन फिजी को हराकर विश्वकप का टिकट पक्का किया। इस बार उन्होंने 130 रनों का बचाव किया। एवेटिया मापु ने 62 गेंदों में नाबाद 67 रन बनाकर अपनी टीम के स्कोर को मजबूत आधार दिया। गेंदबाजी में भी समोआ का

प्रदर्शन जबरदस्त रहा और उसने फिजी को 72 रनों पर ही रोक दिया। इस बार टूर्नामेंट की पसंदीदा टीम होने के नाते उन पर जीत का दबाव था लेकिन समोआ की टीम को रोकना मुश्किल था।

उन्होंने पहले ही दिन वानुअतु को 58 रनों से हराया। इसके बाद इंडोनेशिया पर 53 रनों की जीत मिली, हालांकि तीसरे मैच में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ समोआ को एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। यह चुनौती तब और मुश्किल हो गई जब पूरी टीम मात्र 58 रनों पर सिमट गई। टीम के गेंदबाजों ने जबरदस्त वापसी की। हरदिया पड्डा ने 4/9 (4 ओवर) और टेलीसिया वाओला गैब्रियल ने 4/7 (3-4 ओवर) का शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को मुश्किल से निकाला और पापुआ न्यू गिनी को सिर्फ 48 रनों पर रोक दिया। आखिरी दिन भी वाओला गैब्रियल ने गेंदबाजी में कमाल दिखाया। उन्होंने 4/19 (4 ओवर) और पड्डा (तीन ओवर में 2/9) के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई। लेफागा लेमोए की कप्तानी में, टीम अगले साल होने वाले वैश्विक टूर्नामेंट में पहली बार जीत का स्वाद चखने का लक्ष्य रखेगी, क्योंकि 2024 में वे चौथे से चूक गए थे। इसी के साथ प्रशांत महासागर क्षेत्र से आने वाली यह टीम क्षेत्रीय क्वालिफिकेशन के जरिए विश्व. कप का टिकट पक्का करने वाली पहली टीम बन गई है।

भारतीय महिला टीम विश्व पैदल चाल स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रही

बासीलिया, वार्ता। दो बार की ओलंपियन प्रियंका गोस्वामी ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसके दम पर भारतीय महिला टीम विश्व पैदल चाल टीम चैंपियनशिप 2026 में पांचवें स्थान पर रही। रविवार को यहां आयोजित चैंपियनशिप के 12वें संस्करण में 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स की रजत पदक विजेता प्रियंका गोस्वामी ने महिलाओं की मैराथन रेस वॉक में 3:43:01 का समय निकालकर 10वां स्थान हासिल किया।

पायल (26वां स्थान, 3:59:50) और मंजू रानी (30वां स्थान, 4:05:22) ने 42-195 किमी की इस स्पर्धा में टीम के प्रदर्शन को पूरा किया। शीर्ष तीन एथलीटों के संयुक्त समापन स्थानों के आधार पर रैंकिंग तय होने के चलते, भारत ने कुल 66 अंक हासिल कर पांचवां स्थान पक्का किया। इक्वाडोर की पाउला टोरेस ने 3:24:37 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। यह इस दूरी के लिए अब तक दर्ज किया गया दूसरा सबसे तेज समय है। इटली की 21 वर्षीय सोफिया फियोरिनी ने 3:25:42 के अपने सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि जापान के काजुया इवाई ने 3:06:03 के समय के साथ पोडियम पर अपनी जगह बनाई। पुरुषों की हाफ-मैराथन रेस वॉक में भारत का प्रदर्शन औसत दर्जे का रहा, और टीम रैंकिंग में उसे 11वां स्थान मिला। सर्विन सेबेस्टियन भारत की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एथलीट रहे, उन्होंने 1:30:28 के समय के साथ 19वां स्थान हासिल किया। अक्षदीप सिंह (50वें स्थान पर, 1:38:19), हरदीप (57वें स्थान पर, 1:42:28) और साहिल (59वें स्थान पर, 3:04:58 के समय के साथ पुरुषों की मैराथन रेस वॉक का खिताब जीता, इस दूरी की पहली बार आयोजित हुई इस स्पर्धा में उन्होंने अन्य मजबूत दावेदारों को पीछे छोड़ दिया। इक्वाडोर के डेविड हर्टाडो ने 3:05:57 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि जापान के काजुया इवाई ने 3:06:03 के समय के साथ पोडियम पर अपनी जगह बनाई। पुरुषों की हाफ-मैराथन रेस वॉक में भारत का प्रदर्शन औसत दर्जे का रहा, और टीम रैंकिंग में उसे 11वां स्थान मिला। सर्विन सेबेस्टियन भारत की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एथलीट रहे, उन्होंने 1:30:28 के समय के साथ 19वां स्थान हासिल किया। अक्षदीप सिंह (50वें स्थान पर, 1:38:19), हरदीप (57वें स्थान पर, 1:42:28) और साहिल (59वें स्थान पर, 1:43:11) रैंकिंग में और नीचे रहे। महिलाओं की हाफ-मैराथन रेस वॉक भी भारत के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हुई, जिसमें टीम कुल मिलाकर 11वें स्थान पर रही। रवीना भारत की ओर से सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एथलीट रहीं, उन्होंने 1:45:44 के समय के साथ 39वां स्थान हासिल किया। उनके बाद मुनिता प्रजापति 43वें स्थान पर रहीं, जिन्होंने 1:47:15 का समय लिया, जबकि मानसी नेगी 1:54:12 के समय के साथ 52वें स्थान पर रहीं। नए कार्यक्रम के तहत पारंपरिक 20 किमी और 35 किमी की स्पर्धाओं को हटाकर हाफ-मैराथन (21-0975 किमी) और मैराथन (42-195 किमी) को शामिल किया गया। इन नई स्पर्धाओं की सीनियर स्तर पर वर्ल्ड रेस वॉकिंग टीम चैंपियनशिप में पहली बार शुरुआत हुई।

पीजीडीएवी ब्लू ने डे-नाइट टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच जीता

नई दिल्ली, वार्ता। पीजीडीएवी ब्लू टीम ने सोमवार को यहां दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजीडीएवी कॉलेज के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित तीसरे स्वामी दयानंद सरस्वती डे-नाइट टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज पर 32 रनों से जीत हासिल की। टूर्नामेंट का उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों के डीन प्रो- बलराम पाणि ने किया। उन्होंने विभिन्न कॉलेजों के छात्रों को खेल अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य में भी सुधार करता है और आपको दोनों तरह से फिट रहना होगा, जीवन में केवल तभी आप सफलता प्राप्त कर सकते हैं जब आप केंद्रित रहें। प्रो- पाणि ने पीजीडीएवी कॉलेज के प्राचार्य प्रो- दरविंदर कुमार और शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग के डा. पवन डबास तथा डा. मुकेश कुमार को छात्रों को अच्छी खेल सुविधाएं प्रदान करने के उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। इस अवसर पर पीजीडीएवी कॉलेज के पूर्व छात्र प्रमोद जैन, डीडीसीएए के सदस्य, और जगदीश मल्होत्रा, दिल्ली सॉकर एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष को भी सम्मानित किया गया।

पीजीडीएवी ब्लू ने पहले बल्लेबाजी कर 20 ओवर में 9 विकेट पर 202 रन बनाए। मंदीप ने 52, अनुज ने 37 और नासा ने 32 रन ठोके। जैनुभ शाह ने 3, आरित व दीपांश ने दो- दो विकेट झटके। जवाब में कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज की टीम 19-3 ओवर में 170 रन पर आल आउट हो गई। ऋषि आर्यन ने 63 रन बनाए। ब्रायन झा ने 19 रन देकर चार विकेट चटकाए। गौरव और दक्ष ने दो दो विकेट झटके। ब्रायन झा को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। प्रो- दरविंदर कुमार ने मीडिया को बताया कि हम कॉलेज के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देने की प्रक्रिया में हैं। हमारे कॉलेज के पांच क्रिकेटरों ने दिल्ली विश्व. विद्यालय टीम का प्रतिनिधित्व किया है। श्रेष्ठ यादव ने विजी ट्रॉफी में भी खेला है। शिवम दुबे और अंकित राजेश दिल्ली प्रीमियर लीग में खेल रहे हैं। टूर्नामेंट के बारे में उन्होंने कहा कि इसका पहला संस्करण 2022-23 में स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर शुरू हुआ था। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए पीजीडीएवी कॉलेज का शारीरिक शिक्षा विभाग 13 से 30 अप्रैल 2026 तक तीसरे स्वामी दयानंद सरस्वती अंतर कॉलेज डे-नाइट टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन कर रहा है।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

मंगलवार, 14 अप्रैल 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

नहीं थम रहीं धमकियां

अभी शांति वार्ता को जोकि रविवार को इस्लामाबाद में समाप्त हुई, एक दिन भी नहीं गुजरा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के बंदरगाहों के नाकेबंदी की बात कर डाली। जिसके चलते ईरान का निर्यात विशेष रूप से तेल बाहर नहीं जा सकेगा। जाहिर है अमेरिका अपने इस फैसले से ईरान को आर्थिक रूप से कमजोर करना चाहता है। ट्रम्प तो यह भी कह रहे हैं कि उनके इस फैसले में उनके सहयोगी भी साथ हैं। हालांकि फ्रांस, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया ने ट्रम्प के इस बयान के बाद साफ कर दिया कि वह ट्रम्प की इस योजना का हिस्सा नहीं बनने जा रहे हैं और ईरान की नाकेबंदी से उनका कोई लेना-देना नहीं है। यूं भी नाटो देशों ने ईरान के साथ संघर्ष में अब तक दूरी बनाई हुई है और ब्रिटेन और फ्रांस के नेता तो बराबर ईरान के नेताओं के टच में भी हैं। जाहिर है ट्रम्प की इस नई पहल से खाड़ी में फिर से तनाव बढ़ गया है और जो ट्रम्प की तरफ से ही दो हफ्ते का सीजफायर हुआ था, वह भी खतरे में पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। ऐसा लगता है कि ट्रम्प व नेतन्याहू को दुनिया की कोई चिंता नहीं रह गई है। इस युद्ध से लोगों को हो रहे नुकसान से उनका कोई लेना-देना नहीं है। भले ही वह बयान कुछ भी देते रहे हों और लोगों की चिंता की बात करते रहें। होना तो यह चाहिए था कि इस्लामाबाद में शांति वार्ता विफल होने के बाद फिर से नए सिरे से बातचीत की को. शिश होनी चाहिए थी। अभी कोई बहुत ज्यादा समय नहीं गुजरा है। पहले से ही काफी नुकसान हो चुका है और बहुत नुकसान को बचाया जा सकता है, लेकिन यह तभी संभव होगा, जब संघर्षरत लोगों को सद्बुद्धि आएगी, जोकि दुर्भाग्य से आती दिखाई नहीं दे रही है। ईरान ने भी साफ कर दिया है कि यदि अमेरिका की तरफ से कोई भड़काऊ कार्रवाई होती है तो वह चुप नहीं रहेगा और जवाबी कार्रवाई में देर नहीं लगाएगा। ईरान की संसद के स्पीकर कालिबफ ने अमेरिका को चेताया है कि वह ईरान की नाकेबंदी करने का प्रयास न करें। सवाल तो यह भी है कि जहां अमेरिका यह दावा कर रहा है कि होर्मुज को बंद करने से दुनिया को काफी नुकसान हो रहा है और ईरान को ऐसा नहीं करना चाहिए, तो अब सवाल उठता है कि खुद अमे. रिका इस संबंध में क्या कर रहा है। वह भी नाकेबंदी करके दुनिया को संकट में डाल रहा है। ईरान और अमेरिका दोनों को ही समझना होगा, भले ही संघर्ष उनके बीच हो, लेकिन इसका प्रभाव पूरी दुनिया पर सीधे पड़ रहा है। इस समय यह भी देखना बेहद डरावना लग रहा है कि जहां 40 दिन के युद्ध के बाद दोनों पक्षों के रुख में कुछ नर्मी आनी चाहिए थी, वहीं और उग्रता दिखाई दे रही है और अब तो रूस और चीन की एंट्री भी इसमें होती दिखाई दे रही है, क्योंकि ट्रम्प ने चीन को सीधे चेतावनी दे डाली है कि अगर वह ईरान को हथियार देता है, तो उस पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा और अन्य विकल्पों पर भी विचार करने की बात वह कर रहे हैं। चीन ने यह कहकर पलटवार किया है कि होर्मुज तो पहले से ही खुला हुआ था, अमेरिका ने बिना वजह हमला करके इसे बंद कराया है। अभी भी समय है कि परिस्थितियों को और बिगड़ने से बचाया जाए।

अहम मुद्दे पर पारदर्शिता नहीं बरती जा रही

मौजूदा समय में असली चिंता महिला आरक्षण नहीं, बल्कि प्रस्तावित परिसीमन है, संसद के विशेष सत्र में जिस तरह परिस. ीमन का मुद्दा सामने आ रहा है, वह लो. कतांत्रिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है, सरकार जल्दबाजी में इस विषय को आगे बढ़ा रही है, जिसके पीछे राजनीतिक लाभ लेने की मंशा हो सकती है, विपक्ष से समर्थन, तो मांगा जा रहा है, लेकिन इस अहम मुद्दे पर पारदर्शिता नहीं बरती जा रही, विपक्ष की ओर से सर्वदलीय बैठक की मांग को लगातार नजरअंदाज किया गया है, 2023 में संसद द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान पहले ही किया जा चुका है, हालांकि, इसके क्रियान्वयन के लिए जनगणना और परिस. ीमन जरूरी है। **-सोनिया गांधी, अध्यक्ष, कांग्रेस संसदीय दल**

आखिरकार सुनी गई आधी आबादी की आवाज

भारत की महिलाएं सदैव महान कार्यों में सक्षम रही हैं। वैदिक काल में गार्गी और मैत्रेई ने बड़े-बड़े दार्शनिकों को निरुत्तर कर दिया था। पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर ने जिस न्यायपूर्ण तरीके से अपने राज्य का शासन चलाया, उसकी बराबरी उनके समकालीन शासक नहीं कर सके। रानी लक्ष्मीबाई साहस की एक अमर मिसाल बन गईं। फिर भी, स्वतंत्र भारत जो समानता के सिद्धांत पर आधारित एक संवैधानिक गणराज्य है ने इन महान महिलाओं की उत्तराधिकारियों को अपनी विधायिकाओं में शायद ही कोई जगह दी। पहली लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्या मात्र 4.4 प्रतिशत थी। सात दशक बाद, 17वीं लोकसभा में भी यह आंकड़ा बढ़कर केवल 1414 प्रतिशत तक ही पहुंच पाया। व्यक्तिगत प्रतिभा ने तो अपनी जगह बना ली थी, लेकिन व्यवस्थागत बदलाव अभी भी नहीं आया था। असल में, महिलाएं अपने ही लोकतंत्र में एक तरह से मेहमान बनकर ही रह गईं।

हमारे संविधान ने पहले ही दिन से यह स्वीकार किया था कि जब सदियों से ढांचागत विसंगतियां जड़ जमाए बैठी हों, तो केवल औपचारिक समानता पर्याप्त नहीं होती। संरक्षणात्मक भेदभाव के सिद्धांत के तहत अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और बाद में पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की गईं। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि पंचायतों में आरक्षण की व्यवस्था सफल रही है 24 मार्च 2026 तक, निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों में से लगभग 49.75 प्रतिशत महिलाएं हैं। जिन जगहों पर महिलाएं शासन करती हैं, वहां पानी की आपूर्ति सुचारू होती है, साफ-सफाई की स्थिति बेहतर होती है और लड़कियां स्कूल जाना जारी रखती हैं। इसके बावजूद, संसद में भी इसी सिद्धांत को लागू करने के उद्देश्य से जो विधेयक पेश किए गए थे, वे राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में दशकों तक बार-बार निष्प्रभावी होते रहे।

वह क्षण जिसने सब कुछ बदल दिया

वह अधूरी कड़ी 19 सितंबर 2023 को पूरी हुई। भारत के नए संसद भवन में आयोजित कामकाज के पहले ही सत्र में, ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद के दोनों सदनों में, प्रत्येक राजनीतिक दल के सर्वसम्मत समर्थन से पारित किया गया। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधेयक पेश करते हुए दोनों सदनों को बतायारू ष्यह कानून केवल एक कानून नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक भारतीय महिला की शक्ति, त्याग और सामर्थ्य के प्रति एक श्रद्धांजलि है। यह अधिनियम लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करता है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए उप-कोटा भी शामिल है। नए संसद भवन का यह पहला अधि. नियम होना अपने आप में एक घोषणा थीरू अमृत काल के लोकतंत्र की संरचना पूरे भारत के लिए और सभी की भागीदारी के साथ निर्मित की जाएगी। इस अधिनियम में बदलाव लाने की अपार क्षमता है, क्योंकि इसके लागू होने से संसद में महिला सदस्यों की संख्या में भारी वृद्धि होगी। महिला विधायक निरंतर स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैंकृए वही क्षेत्र हैं, जहां भारत में लैंगिक असमानता सबसे अधिक है। एक ऐसी संसद, जिसमें एक-तिहाई सदस्य महिलाएं होंगी, वह अलग तरह के प्रश्न पूछेगी और अलग तरह के विचार सुनेगी। इससे भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता में सुधार होगा, न कि केवल उसकी बाहरी छवि में।

गरिमा से लोकतंत्र तक की यात्रा

हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा यह समझा है कि जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण के बिना राजनी. तिक सशक्तिकरण खोखला होता है। उनके द्वारा शुरू की गई यह यात्रा अत्यंत बुनियादी गरिमा से लेकर सर्वोच्च लोकतांत्रिक भागीदारी तक एक सुविचारित पथ पर आगे बढ़ती है। इसकी शुरुआत एक शौचालय से हुई। स्वच्छ भारत मिशन के तहत बनाए गए 10 करोड़ घरेलू शौचालयों ने उन महिलाओं को सुरक्षा और आत्म-सम्मान लौटाया, जिन्हें लंबे समय से इन दोनों से वंचित रखा गया था। जल जीवन मिशन ने 15 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुंचाया। महिलाओं को मीलों पैदल चलकर पानी ढो कर लाने से मुक्ति मिली जिससे उनका सुबह का कीमती समय जाया हो जाता था। पीएम उज्ज्वला योजना के 10.56 करोड़ एलपीजी कनेक्शनों ने महिलाओं को धुएं से भरी रसोई से मुक्ति दिलाई। पीएम आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर घर बनाए गए। 55 प्रतिशत से अधिक महिलाओं के स्वामित्व वाले जन धन खातों ने उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान की। श्मुद्राश योजना के ऋण, स्वयं सहायता समूह, लखपति दीदी, सखी, वन स्टॉप सेंटर और तीन तलाक का उन्मूलनरू प्रत्एक योजना उसी सीढ़ी का अगला पायदान थी, जो उन्हें केवल गुजारा करने की स्थिति से गरिमा की ओर, गरिमा से सामर्थ्य की ओर, और सामर्थ्य से नेतृत्व की ओर निरंतर बढ़ाती गई।

आधुनिक भारत के लिए एक दृष्टिकोण

भारत को नारी शक्ति वंदन अधिनियम को तुरंत लागू करने की आवश्यकता है। यह हमारे दौर के सबसे अधिक परिवर्तनकारी संभावित सुधारों में से एक है। महिलाओं के विधाई प्रतिनिधित्व को बढ़ाकर, यह हर स्तर पर नीति-निर्माण में उनकी भागीदारी को बढ़ाएगा चाहे वे बजट हों जो मातृ स्वास्थ्य के लिए धन उपलब्ध कराते हैं, वे कानून हों जो पीड़ितों की रक्षा करते हैं, या वे नीतियां हों जो लड़कियों को स्कूल में बनाए रखती हैं और उनकी शिक्षा को बढ़ावा देती हैं।

आर. विमला, आईएएस

(लेखिका महाराष्ट्र सरकार में रेजिडेंट कमिश्नर एवं सचिव पद पर कार्यरत हैं और आईआईटी बॉम्बे से पीएचडी कर रही हैं)

आधुनिक भारत के लिए एक दृष्टिकोण

भारत को नारी शक्ति वंदन अधिनियम को तुरंत लागू करने की आवश्यकता है। यह हमारे दौर के सबसे अधिक परिवर्तनकारी संभावित सुधारों में से एक है। महिलाओं के विधाई प्रतिनिधित्व को बढ़ाकर, यह हर स्तर पर नीति-निर्माण में उनकी भागीदारी को बढ़ाएगा चाहे वे बजट हों जो मातृ स्वास्थ्य के लिए धन उपलब्ध कराते हैं, वे कानून हों जो पीड़ितों की रक्षा करते हैं, या वे नीतियां हों जो लड़कियों को स्कूल में बनाए रखती हैं और उनकी शिक्षा को बढ़ावा देती हैं।

आर. विमला, आईएएस

(लेखिका महाराष्ट्र सरकार में रेजिडेंट कमिश्नर एवं सचिव पद पर कार्यरत हैं और आईआईटी बॉम्बे से पीएचडी कर रही हैं)

आंबेडकर को मात्र प्रतीक मत बनाइए

दरअसल यह दलितों को उठाने की नहीं बल्कि गिराने की एक कुटिल चाल है। जो दलित सत्ता के पिछलग्गू बन राजने. ताओं की इस चाल का हिस्सा बन जाते हैं उनका स्वाभिमान अभिमान में बदल जाता है और दूसरे दलितों के प्रति उनका व्यवहार भी शोषणकारी हो जाता है। जबकि आम दलित का स्वाभिमान अपने पुराने स्तर से भी नीचे गिर जाता है। इन नारों एवं अभियानों मे एक आम दलित के हाथ कुछ नहीं लगता। आंबेडकर ने दलितों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए शुरू में मात्र दस वर्षों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की थी।

रोहित कौशिक

इस दौर में सभी राजनीतिक दल आंबेडकर पर अपना अधिकार जताने की कोशिश करते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि सभी राजनीतिक दल महापुरुषों के आदर्शों को आत्मसात् न करके उन्हें मात्र प्रतीक के तौर पर इस्तेमाल कर वोट बैंक की राजनीति करने लगते हैं। विडम्बना यह है कि इस दौर में जिस तरह से प्रतीकों की राजनीति हो रही है, उसने महापुरुषों को मात्र मूर्तियों तक ही सीमित कर दिया है। इस नए माहौल में न ही तो राजनीतिक दलों को महापुरुषों के आदर्शों की चिंता है और न ही इन दलों के पीछे चलने वाली भीड़ में महापुरुषों द्वारा बताए गए रास्ते पर चलने की हिम्मत है। विडम्बना तो यह है कि जिस दलित वर्ग के उत्थान के लिए आंबेडकर ने अपना सारा जीवन लगा दिया, वह दलित वर्ग भी केवल आंबेडकर की पूजा तक ही सीमित रह गया। न तो दलित नेताओं ने आंबेडकर के आदर्शों को आत्मसात् कर दलितों में वैज्ञानिक चेतना पैदा करने की कोशिश की और न ही स्वयं दलित वर्ग आंबेडकर की मूल चेतना को पकड़ पाया। यही कारण है कि वह धर्म की रूढ़ियों मे फंसकर रह गया। दरअसल डॉ. आंबेडकर ने इस सत्य को बहुत पहले ही समझ लिया था कि जब तक दलित वर्ग अपनी शक्ति को पहचान कर सत्ता का भागीदार नहीं बनेगा, उसकी उपेक्षा होती रहेगी। यही कारण था कि उन्होंने दलितों के आरक्षण की वकालत की। लेकिन सवाल यह है कि क्या इस दौर में सत्ता का भागीदार बने दलित नेताओं को वास्तव में आंबेडकर के विचारों एवं आदर्शों की चिंता है? आज हर राजनीतिक दल अपने स्वार्थ के लिए आंबेडकर के नाम का इस्तेमाल कर रहा है। यही कारण है कि आज भी आम दलित को शोषण का शिकार बनाया जा रहा है। यह विड्म्बना ही है कि आज राजनी. तिक दल आंबेडकर के नाम का इस्तेमाल अपने उत्थान के लिए कर रहे हैं, न कि दलितोत्थान के लिए। सवाल यह है कि आजादी के बाद राजनेताओं ने आंबेडकर-आंबेडकर चिल्लाने और आंबेडकर के नाम पर विभिन्न परियोजनाओं का नामकरण करने के अलावा किया ही क्या है? क्या आजादी के बाद हमारे राजनेता आंबेडकर के आदर्शों को आत्मसात् कर पाएं हैं? क्या केवल आंबेडकर के नाम पर पार्क बना देने, उनकी मूर्तियां स्थापित कर देने और उनके विचारों को विचार-गोष्ठियों में दोहरा देने मात्र से ही हम इस दौर में आंबेडकर को प्रासंगिक बना सकते हैं? शायद नहीं। बड़ी-बड़ी रैलियां आयोजित कर पानी की तरह पैसा बहा देना आंबेडकर का सपना नहीं था। करोड़ों रुपए का हार पहनकर भव्य पंडाल में दलितों और अपने अनुयायियों लिए महाभोज आयोजित करना भी बाबा साहब की प्राथमिकताओं में नहीं था। क्या ऐसे आयोजनों से वास्तव में दलितों का स्वाभिमान जाग सकता है? शायद स्वादिष्ट भोज का आनंद लेते हुए कुछ समय के लिए उनका स्वाभिमान जाग जाए लेकिन गांव में बैठे हुए उस दलित के स्वाभिमान का क्या होगा जिसे एक जून की रोटी भी नसीब नहीं है। हमारे राजनेता कुछ हजार या लाख लोगों को भव्य भोज देने की अपेक्षा गांव के आखिरी आदमी को दो जून की रोटी देने के बारे में कब सोचेंगे ? आंबेडकर ने दलितों के जिस स्वाभिमान की बात की थी वह वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित नहीं था। इस दौर में सबसे दुखद यही है कि वोट बैंक की राजनीति के तहत दलितों के स्वाभिमान को जगाने की बात हो रही है।

आज के राजनेता जब दलितों के साथ खाना खाते हैं और दलितों के घर में ही रात गुजारते हैं तो दलितों का स्वाभिमान जागने लगता है। लेकिन जैसे ही राजनेता अपने महलों में वापस लौटते हैं, दलितों की जिंदगी पुराने ढर्रे पर लौटने लगती है। अनेक आश्वासनों के बाद जब दोबारा दलितों को पुरानी समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है तो उन्हें स्वयं महसूस होने लगता है कि यह वोट बैंक का छलावा है। राजनेताओं द्वारा दलितों का स्वाभिमान जगाने की इस खोखली प्रक्रिया से दलित अपना पुराना स्वाभिमान भी खो देते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जनसेवा की नई मिसाल देता नेपाल का युवा मंत्रिमंडल

नेपाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक बदलाव आया जब 27 मार्च 2026 को राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेतृत्व में बालेन शाह बलेंद्र शाह ने 36 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और 15 सदस्ईय कैबिनेट का गठन किया। यह मंत्रिमंडल न सिर्फ नेपाल का सबसे युवा कैबिनेट है, बल्कि दक्षिण एशिया में अपनी उच्च शैक्षणिक योग्यता के लिए वैश्विक स्तर पर चर्चा का विषय बन रहा है। इस मंत्रिमंडल के सदस्यों की औसत आयु मात्र 38.21 वर्ष है, दस मंत्री 40 वर्ष से कम उम्र के, पांच महिला मंत्री और 80 प्रतिशत से अधिक सदस्यों के पास स्नातकोत्तर या डॉक्टरेट की डिग्री। यह आंकड़े नेपाल की राजनीति के पारंपरिक चेहरे को पूरी तरह बदल रहे हैं।

यह कैबिनेट जेन-जी आंदोलन के परिणामस्वरूप सत्ता में आई है। भ्रष्टाचार, पुरानी पार्टियों की नाकामी और युवाओं की मांगों को लेकर हुए आंदोलन ने आरएसपी को भारी बहुमत दिलाया। अब यह युवा टीम न सिर्फ नेपाल में, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में दुनिया का सबसे युवा कैबिनेट और सबसे शिक्षित मंत्रिमंडल के रूप में प्रसिद्ध हो रही है। कई भारतीय अखबारों ने इसे जनरेशनल शिफ्ट करार दिया है। विश्व स्तर पर इसकी सराहना हो रही है, क्योंकि यह पारंपरिक राजनीति से हटकर योग्यता, तकनीकी विशेषज्ञता और समावेशिता पर आधारित है। यह दक्षिण एशिया का चमकता उदाहरण है, जहां भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों के कैबिनेट अक्सर वरिष्ठ नेताओं पर निर्भर रहते हैं।

इस कैबिनेट की सबसे बड़ी ताकत इसकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि है। प्रधानमंत्री बालेन शाह स्वयं सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक पूर्वांचल विश्वविद्यालय और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में एम.टेक (निट्टे मीनाक्षी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, भारत) हैं। वे काठमांडू के पूर्व मेयर और लोकप्रिय रैपर भी हैं। उनकी टीम में दो डॉक्टरेट धारक और दस स्नातकोत्तर सदस्य हैं। वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले (41 वर्ष, कैबिनेट के सबसे वरिष्ठ) अर्थशास्त्र में पीएचडी (ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी), हार्वर्ड से एमपीए/आईडी और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से स्नातक हैं। वे पूर्व में यूएनडीपी के एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक सलाहकार और नेपाल की राष्ट्रीय योजना आयोग के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। उनकी विशेषज्ञता आर्थिक सुधार, गरीबी उन्मूलन और सतत विकास में है। विदेश मंत्री शिशिर खनाल (47 वर्ष) अमेरिका के विस्कॉन्सिन-मैडिसन से पब्लिक पॉलिसी में मास्टर्स और यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिजपोर्ट से पॉलिटिकल इकोनॉमी में स्नातक हैं। वे टीच फॉर नेपाल के सह-संस्थापक हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा सुधार का प्रमुख अभियान है।

शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा युवा एवं खेल मंत्री सस्मित पोखरेल (29 वर्ष) कैबिनेट के सबसे युवा सदस्य हैं। वे काठमांडू विश्वविद्यालय से बिजनेस मैनेजमेंट एवं कानून में स्नातक हैं और पॉलिसी, गवर्नेंस एवं भ्रष्टाचार-निरोध पर मास्टर्स कर रहे हैं। वे बालेन के मेयर काल में शहरी नियोजन सलाहकार रह चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्री निशा मेहता (38 वर्ष) भारत के ग्वालियर से नर्सिंग में मास्टर्स और दिल्ली के एम्स से प्रशिक्षित हैं। सामान्य प्रशासन मंत्री प्रतिभा रावल (32 वर्ष) एशियन कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म (चेन्नई) से पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा रखती हैं। श्रम मंत्री दीपक कुमार साह (34 वर्ष) लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन से पीएचडी स्कॉलर, एलएसई से हेल्थ पॉलिसी में मास्टर्स और आईओएम से पब्लिक हेल्थ में मास्टर्स रखते हैं।

महिला, बाल-बालिका एवं ज्एष्ठ नागरिक मंत्री सीता बादी (30 वर्ष) राजनीति विज्ञान में मास्टर्स हैं और बादी समुदाय की प्रतिनिधि के रूप में समावेशिता का प्रतीक हैं। कानून मंत्री सोबिता गौतम (30 वर्ष) राष्ट्रीय विधि महाविद्यालय से बीए एलएलबी हैं और संसदीय समितियों में सक्रिय रहीं हैं। भौतिक पूर्वाधार मंत्री सुनील लाम्सल (35 वर्ष) भी भारत से एमटेक (स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग) हैं।

गौरतलब है कि यह योग्यताएं महज डिग्रियां नहीं, बल्कि व्यावहारिक अनुभव से जुड़ी हैं। यूएनडीपी, टीच फॉर नेपाल, आपदा राहत संगठन श्हामी नेपालश और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इन सभी की अहम भूमिका रही है। पांच महिला मंत्रियों का प्रतिनिधित्व और अल्पसंख्यक समुदायों की भागीदारी जैसे सीता बादी समावेशिता को मजबूत करती है। देखा जाए तो नेपाल का यह कैबिनेट अपने पड़ोसियों से अलग दिखता है। भारत के वर्तमान केंद्रीय मंत्रिमंडल में 71 सदस्य है, जिसमें 57 सदस्य स्नातक या उससे ऊपर हैं, लेकिन 11 सदस्य मात्र 12वीं पास हैं। कई मंत्री राजनी. तिक अनुभव पर निर्भर हैं, जबकि युवा चेहरे कम हैं। वहीं चीन का मंत्रिमंडल अत्यधिक शिक्षित तकनीकी विशेषज्ञों इंजीनियरिंग, अर्थशास्त्र से भरा है, लेकिन उनकी औसत आयु 55-60 वर्ष के आसपास है और निर्णय प्रक्रिया केंद्रीकृत पार्टी संरचना पर आधारित है। बांग्लादेश के हालिया कैबिनेट में 46/50 सदस्य उच्च शिक्षा वाले हैं तीन पीएचडी, लेकिन वहां भी वरिष्ठता और राजनीतिक वफादारी प्रमुख है।

नेपाल का कैबिनेट इन सभी से युवा, अधिक समावेशी और योग्यता-आधारित है। भारत और चीन की तुलना में यहां भ्रष्टाचार-विरोधी (डिलीवरी बेस्ड गवर्नेंस) पर जोर है, जो पड़ोसियों में अक्सर कम देखा जाता है। हालांकि,कुछ विश्लेषक चेताते हैं कि इस मंत्रिमंडल के पास अनुभव की कमी एक चुनौती है। भारत की तरह बड़े पैमाने की अर्थव्यवस्था या चीन की तरह दीर्घकालिक नियोजन यहां अभी संभव नहीं, लेकिन पारदर्शिता और तेज निर्णय लेने की क्षमता नेपाल को लाभ दे सकती है। केवल दो सप्ताह पुरानी यह सरकार पहले ही 100 सूत्री शासन सुधार एजेंडा लागू कर चुकी है। पहली कैबिनेट बैठक में मंत्रालयों का पुनर्गठन, दक्षिण एशिया संघर्ष के प्रभाव से नेपाली प्रवासियों की सुरक्षा, 'कार्की आयोग' रिपोर्ट पर कार्रवाई और संविधान संशोधन पर चर्चा पत्र तैयार करने जैसे कदम उठाए गए। शिक्षा मंत्री सस्मित पोखरेल ने पार्टी-आधारित छात्र संगठनों को समाप्त करने और स्वास्थ्य मंत्री निशा मेहता ने निजी अस्पतालों में 10 प्रतिशत मुफ्त बेड सुनिश्चित करने की घोषणा की है। वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले आर्थिक स्थिरता, पर्यटन विकास और बुनियादी ढांचे पर ध्यान दे रहे हैं। श्रम और स्वास्थ्य मंत्रियों की स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञता गरीबी उन्मूलन और रोजगार सृजन में मदद करेगी। विदेश मंत्री शिशिर खनाल की पॉलिसी विशेषज्ञता नेपाल की कूटनीति को मजबूत करेगी।युवा बेरोजगारी घटाने, शिक्षा गुणवत्ता सुधारने, स्वास्थ्य पहुंच बढ़ाने और भ्रष्टाचार रोकने के प्रयास पहले ही दिख रहे हैं। दैनिक प्रगति निगरानी प्रणाली लागू कर सरकार जवाबदेही सुनिश्चित कर रही है। हालांकि, चुनौतियां यहां भी हैं, जैसे कि पहाड़ी इलाकों में पहुंच, संसाधन सीमाएं और पुरानी पार्टियों का विरोध। फिर भी, यह कैबिनेट जनता की उम्मीदें पूरी करने की राह पर है।

विनीत नारायण

कुल मिलाकर देखा जाए तो नेपाल का यह 'जेन-जी' कैबिनेट न सिर्फ दक्षिण एशिया के लिए मिसाल है, बल्कि विकासशील देशों को सिखाता है कि योग्यता और युवा ऊर्जा राजनीति को बदल सकती है। यदि यह टीम अपने100 सूत्री एजेंडा को ईमानदारी से लागू कर पाई, तो नेपाल आर्थिक समृद्धि, सामाजिक न्याय और सुशासन का नया मॉडल बन सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

ब्रिटेन होर्मुज की नाकाबंदी में शामिल नहीं होगा

ब्रिटेन के पीएम स्टार्मर ने कहा: ईरान के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व वाली किसी भी कार्रवाई को समर्थन नहीं देंगे

लंदन/अंकारा/कैनबरा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उनका देश ईरान के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व वाली किसी भी नौसैनिक नाकेबंदी में शामिल नहीं होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि ब्रिटेन को ईरान के साथ युद्ध में नहीं घसीटा जाएगा। स्टार्मर ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को नौवहन के लिए पूरी तरह खुला रखना उनकी प्राथमिकता है, क्योंकि इसके बंद होने से वैश्विक ऊर्जा बाजार प्रभावित हो रहे हैं और लोगों के लिए बिजली-गैस के बिल बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह हमारा युद्ध नहीं है और हम इसमें नहीं फंसेंगे। इसी तरह, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी कहा कि उन्हें अमेरिका से नाकेबंदी में शामिल होने का कोई अनुरोध नहीं मिला है और वे अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानून के सम्मान के पक्ष में हैं।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ ने कहा है कि अमेरिका ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य की नाकेबंदी में सहयोग के लिए कोई अनुरोध नहीं किया है और यह घोषणा एकतरफा तरीके से की गई है। उन्होंने कहा हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य सभी देशों के लिए खुला रहना चाहिए और अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानून के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जानी चाहिए। अल्बानीज़ ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया वैश्विक ईंधन आपूर्ति बनाए रखने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है और क्षेत्रीय तनाव के समाधान के लिए वार्ता फिर से शुरू होनी चाहिए। यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी केन्द्रीय कमान ने घोषणा की है कि वह ईरानी बंद. रगाहों में आने-जाने वाले समुद्री यातायात की नाकेबंदी शुरू करेगा। अल्बानीज़ ने कहा कि हम चाहते हैं कि बातचीत जारी रहे और फिर से शुरू हो। हम इस संघर्ष का अंत देखना चाहते हैं।

हम चाहते हैं कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य सभी के लिए खुला रहे। हम यह भी चाहते हैं कि अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता बनी रहे।ष्ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री 14 से 17 अप्रैल के बीच ब्रुनेई और मलेशिया की यात्रा करेंगे, जहां ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर चर्चा होगी। यह यात्रा ऊर्जा, उर्वरक और अन्य ज़रूरी सामानों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय साझेदारों के साथ सहयोग करने के ऑस्ट्रेलिया के चल रहे प्रयासों का एक हिस्सा है। अल्बानीज़ ब्रुनेई में सुल्तान हाजी हसनल बोल्कियाह से मिलकर ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा और ज़रूरी चीज़ों के व्यापार पर चर्चा करेंगे। ब्रुनेई ऑस्ट्रेलिया के डीज़ल आयात का नौ प्रतिशत और फर्टिलाइज़र-ग्रेड यूरिया का 11 प्रतिशत हिस्सा देता है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ब्रुनेई को खाद्य और कृषि उत्पादों का एक अहम सप्लायर बना हुआ है। वह मलेशिया में ईंधन की आपूर्ति और अन्य ज़रूरी सामानों पर चर्चा करने के लिए दातो सेरी अनवर बिन इब्राहिम से मुलाक़ात करेंगे। मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया के लिए रिफाइंड ईंधन का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत है और उर्वरक-ग्रेड यूरिया के आयात का 10 प्रतिशत हिस्सा यहीं से आता है। विदेश मंत्री, सीनेटर पेनी वोंग, इन यात्राओं के दौरान अल्बानीज़ के साथ रहेंगी। इस बीच, ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर ग़ालिबाफ़ ने नाकेबंदी की चेतावनी को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिकी जल्द ही मौजूदा ईंधन कीमतों को याद करेंगे।

■ अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी में सहयोग के लिए अनुरोध नहीं किया: आस्ट्रेलिया
■ हम चाहते हैं कि बातचीत जारी रहे और फिर से शुरू हो हम इस संघर्ष का अंत देखना चाहते हैं: अल्बानीज

रणनीतिक जल क्षेत्र या तो सबके लिए सुरक्षित होंगे या किसी के लिए भी नहीं: ईरान

तेहरान। ईरान के सशस्त्र बलों ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसके बंदरगाहों की सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ, तो क्षेत्र का कोई भी बंदरगाह सुरक्षित नहीं रहेगा। ईरान ने अमेरिकी नाकेबंदी को 'समुद्री डकैती' करार देते हुए कहा कि ए रणनीतिक जल क्षेत्र 'या तो सबके लिए सुरक्षित होंगे या किसी के लिए भी नहीं।' इस बीच, तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने उम्मीद जताई कि होर्मुज जलडमरूमध्य का मुद्दा निकट भविष्य में कूटनीतिक रास्तों से सुलझा लिया जाएगा। उन्होंने संकेत दिया कि इसके विनियमन (रेगुलेशन) में कुछ बदलाव संभव हैं। उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए मौजूदा युद्धविराम को 45 से 60 दिनों के लिए बढ़ाने का सुझाव भी दिया।

जापान ने होर्मुज में माइनस्वीपर तैनाती का फैसला टाला

टोक्यो। समुद्र के नीचे बिछे बारूद को साफ कराने के लिए तत्पर दिख रही जापान सरकार ने अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। जापान ने माइनस्वीपर भेजने का फैसला फिलहाल टाल दिया है। चीफ कैबिनेट सेक्रेटरी मिनोरू किहारा ने कहा कि जापान ने अभी तक होर्मुज स्ट्रेट में माइन-स्वीपिंग अभियान के लिए अपने समुद्री आत्मरक्षा बल (मेरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स, यानी जेएमएसडीएफ) को तैनात करने को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। हालात पर नजर बनाए हुए है और आगे का फैसला स्थिति के अनुसार लिया जाएगा। किहारा ने मीडिया को बताया कि जापान दोनों पक्षों के बीच एक पूरी समझ की दिशा में आगे बढ़ने की अपील कर रहा है।

रूस ले जाएगा ईरान का यूरेनियम!

मास्को। ईरान और अमेरिका के बीच शांति वार्ता विफल होने के बाद पश्चिम एशिया में तनाव काफी बढ़ गया है। इस बीच रूस ने भविष्य में होने वाली शांति वार्ता के लिए एक नया प्रस्ताव पेश किया है। क्रेमलिन ने सोमवार को जानकारी दी कि रूस अमेरिका के साथ किसी भी संभावित शांति समझौते के तहत ईरान का संवर्धित यूरेनियम (**enriched uranium**) अपने पास रखने के लिए तैयार है।

बता दें कि ईरान और अमे. रिका के बीच पिछले हफ्ते हुई बातचीत नाकाम रही। इससे युद्ध को तुरंत खत्म करने की उम्मीदें टूट गई हैं। फरवरी के आखिर में शुरू हुए इस युद्ध में अब तक हजारों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इस संघर्ष की वजह से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था भी संकट में है। रूस के पास दुनिया में परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार है। उसने शांति समझौते के लिए कई बार ईरान का यूरेनियम अपने यहां रखने की पेशकश की है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पत्रकारों को बताया कि राष्ट्रपति पुतिन ने यह प्रस्ताव अमे. रिका और क्षेत्र के अन्य देशों के सामने रखा था। उन्होंने साफ किया कि यह प्रस्ताव आज भी लागू है, लेकिन अब तक किसी ने इस पर कोई कदम नहीं उठाया है। इसी बातचीत के दौरान क्रेमलिन ने डोनाल्ड ट्रम्प की उस धमकी की कड़ी आलोचना की है, जिसमें उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य की घेराबंदी करने की बात कही थी। यह जलमार्ग व्यापार के लिए बहुत जरूरी है। फरवरी के आखिर में अमेरिका और इजरायल ने जब से ईरान पर हमले शुरू किए हैं, तब से यह रास्ता पूरी तरह ठप पड़ा है।

■ होर्मुज तनाव के बीच पुतिन का बड़ा दांव शांतिवार्ता के लिए पेश की ये योजना

ईरान को नई शर्तों व प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा

■ सहमति के बहुत करीब होने के बावजूद बदलती शर्तों और प्रतिबंधों को हमारे समक्ष लाया गया: अराघची

नई दिल्ली। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस्लामाबाद वार्ता की विफलता के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि 'बदलती शर्तों और प्रतिबंधों' को हमारे सामने रखा गया।

अराघची ने सोमवार को 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में कहा कि वार्ता के दौरान सहमति के बहुत करीब होने के बावजूद बदलती शर्तों और प्रतिबंधों को हमारे समक्ष लाया गया। अराघची ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि कोई सबक नहीं सीखा गया। सद्भावना से सद्भावना पैदा होती है और शत्रुता से शत्रुता। ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि 47 वर्षों में उच्चतम स्तर की गंभीर वार्ता में, ईरान ने युद्ध को समाप्त करने के लिए नेक नीयत के साथ अमेरिका के साथ बातचीत की थी। उन्होंने कहा कि लेकिन जब हम 'इस्लामाबाद सहमति पत्र' से केवल कुछ ही दूर थे, तो हमें बदलती शर्तों और प्रतिबंधों सामना करना पड़ा।

ईरान में अमेरिकी कार्रवाई की आलोचना: ट्रम्प ने पोप पर साधा निशाना

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पोप लियो चौदहवें पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि उन्हें ऐसे धर्मगुरु की आवश्यकता नहीं है जो उनकी नीतियों का विरोध करते हों। पोप ने ईरान में अमेरिका के कदमों की आलोचना की है। विशेष रूप से, उन्होंने ईरानी लोगों के विरुद्ध अमेरिकी धमकियों को अस्वीकार्य बताया। अप्रैल की शुरुआत में अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने सैन्य कर्मियों के लिए प्रार्थना के आह्वान किया था, जिसके बाद पोप ने एक प्रवचन में कहा था कि प्रभुत्व जमाने की इच्छा ईसा मसीह के मार्ग के अनुरूप नहीं है। अमेरिकी नेता ने 'ट्रुथ सोशल' पर कहा कि मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जिसे लगता हो कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना ठीक है। मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जिसे अमेरिका का वेनेजुएला पर हमला करना भयानक लगता हो।

हिजबुल्लाह लेबनान-इजरायल के बीच वार्ता का विरोधी

लेबनान और इजरायली दुश्मन के बीच सीधी बातचीत को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं: कीमती

बेरुत। हिजबुल्ला की राजनीतिक परिषद के उपाध्यक्ष महमूद कोमती ने कहा कि हिजबुल्लाह लेबनान और इजरायल के बीच सीधी बातचीत का विरोध करता है और उसे इनसे किसी सकारात्मक परिणाम की उम्मीद नहीं है। कोमती ने रूसी समाचार एजेंसी 'स्पुतनिक' से कहा कि लेबनान में संघर्षविराम ईरान की वजह से हुआ है।

हमें लेबनान के संबंध में वार्ता से सकारात्मक परिणामों की उम्मीद नहीं है। हम लेबनान और इजरायली दुश्मन के बीच सीधी बातचीत को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं और इसे बिल्कुल भी स्वीकार नहीं करते हैं। हिजबुल्लाह के नेतृत्व के अनुसार, ईरान के कड़े रुख ने ही अमेरिका और इजरायल को लेबनान में संघर्षविराम वार्ता के लिए सहमत होने पर मजबूर किया। इस बीच, अमेरिका और इजरायल की स्थिति को इस तरह पेश करने की कोशिश कर रहे हैं जैसे कि वे इन वार्ताओं के सूत्रधार हों। कोमती ने बताया कि इस दिशा में दबाव इस तथ्य से उपजा है कि इजरायल न तो लेबनान और न ही लेबनानी देश को मान्यता देता है और अचानक आज, इजरायल लेबनान के साथ बातचीत के लिए सहमत हो गया। यह ईरान की बदौलत हुआ है, जो ईरान की इजरायल और अमेरिका पर जीत का परिणाम है। इसी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लेबनानी राज्य में अधिकार बहाल करने के लिए प्रेरित किया ताकि लेबनान में संघर्षविराम ईरानी प्रयासों का परिणाम न लगे। सऊदी प्रसारक 'अल हदथ' ने एक आधिकारिक लेबनानी स्रोत के हवाले से खबर दी है कि लेबनान-इजरायल वार्ता मंगलवार को होगी। अमेरिका ने लेबनान को गारंटी दी है कि बातचीत शुरू होने से पहले इजरायल बेरुत पर बमबारी नहीं करेगा। महमूद कोमती ने यह भी कहा कि लेबनान सरकार का हिजबुल्ला के खिलाफ रुख देश में आंतरिक विभाजन पैदा कर सकता है और देश को अराज. कता में धकेल सकता है। कोमती ने रूसी समाचार एजेंसी स्पुतनिक को बताया कि इजरायल के खिलाफ लड़ाई में समूह का समर्थन करने वाली जनता के दबाव से सरकार भी बदल सकती है। उन्होंने कहा कि आज हम स्वतष्स्फूर्त विरोध प्रदर्शन देख रहे हैं जो जनमत को व्यक्त करते हैं। हम हर स्थिति के लिए तैयार हैं। हमें उम्मीद है कि सरकार अपनी नीतियों और अपने रुख के कारण खुद को एक गंभीर मुश्किल में धकेल देगी, जिससे उसका पतन हो जाएगा। जब कोमती से पूछा गया कि क्या जनता का आक्रोश लेबनान में सरकार बदलने के उद्देश्य से व्यापक विरोध प्रदर्शनों का रूप ले सकता है, तो उन्होंने उल्लेख किया कि 'सभी विकल्प संभव हैं।' प्रवक्ता के अनुसार, समस्या यह है कि सरकार हिजबुल्ला और प्रतिरोध का सम्मान नहीं कर रही है।

■ कहा: लेबनान सरकार का हिजबुल्ला के खिलाफ रुख देश में आंतरिक विभाजन पैदा कर सकता है

हिज्बुल्लाह को मध्य पूर्व संघर्ष के समाधान में रूस की भूमिका की है उम्मीद

बेरुत। हिज्बुल्लाह के राजनी. तिक परिषद के उप प्रमुख महमूद कोमाती ने बताया कि हिज्बुल्लाह को उम्मीद है कि रूस, जिसके ईरान सहित मध्य पूर्वी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, इस क्षेत्र में संघर्ष के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कोमाती ने कहा कि आज, रूस, ईरान के साथ अपने संबंधों और क्षेत्रीय स्तर पर कई अरब देशों और लेबनान के साथ अपने निष्ठापूर्ण संबंधों के कारण, एक भूमिका निभा सकता है और हम इसकी उम्मीद करते हैं। लेकिन, दुर्भाग्य से, संयुक्त राज्य अमेरिका रूस की किसी भी भूमिका में बाधाएं और रुकावटें पैदा कर रहा है। इस बीच, आज अमेरिका और विशेष रूप से (राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रम्प, ईरान को प्रभावित करने और युद्धविराम हासिल करने के लिए रूस की ओर रुख कर रहे हैं।

मिर्जापुर। दिवंगत दिग्गज पार्श्व गायिका आशा भोसले को श्रद्धांजलि अर्पित करती छात्राएं।

अमेरिका में यू वीजा के लिए धोखाधड़ी के आरोप में 10 भारतीय नागरिक दोषी

बोस्टन। अमेरिका के बोस्टन में एक संघीय ग्रैंड जूरी ने 10 भारतीय नागरिकों को सुविधा स्टोरों में फर्जी सशस्त्र डकैती के मामले में दोषी ठहराया है। इन डकैतियों का मकसद स्टोर क्लर्कों को आव्रजन आवेदनों में पीड़ित के रूप में फर्जी दावा करने की अनुमति दिलाना था। आरोपियों पर मार्च 2026 में आरोप लगाए गए थे। अभियोग पत्र में प्रत्येक प्रतिवादी पर वीजा धोखाधड़ी करने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है जिसके लिए अधिकतम पांच साल की जेल, तीन साल की निगरानी में रिहाई और 250000 डॉलर का जुर्माना हो सकता है। मैसाचुसेट्स स्थित अटॉर्नी कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, सजा पूरी होने के बाद सभी को देश से निकाला जा सकता है।

सुरक्षा परिषद में रूस व चीन के प्रस्ताव पर जमीनी स्थिति के अनुसार चर्चा होगी: रूस

मास्को। पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के लिए रूस और चीन की ओर से प्रस्तावित संकल्प पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में मतदान की तारीख वहां की जमीनी स्थिति के आधार पर तय की जाएगी। रूस के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इससे पहले, रूस और चीन ने प्रस्ताव दिया था कि सुरक्षा परिषद पश्चिमी एशिया की वर्तमान स्थिति पर एक वैकल्पिक मसौदा प्रस्ताव पर विचार करे, जिसमें समुद्री सुरक्षा के पहलुओं को भी शामिल किया जाए। रूस के विदेश मंत्रालय के अंतर्राष्ट्रीय संगठन विभाग के निदेशक किरिल लोग्विनोव ने स्पूतनिक से कहा कि बैठक में हमने अपने चीन के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर तनाव कम करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने के पक्ष में एक वैकल्पिक मसौदा प्रस्ताव की घोषणा की है। इस पर मतदान की तिथि जमीनी हालात को देखते हुए निर्धारित की जाएगी।

रूस ने की ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की आलोचना

पश्चिम एशिया की स्थिति अब भी अस्थिर है और संकट पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है

मॉस्को। रूस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी के फैसले की आलोचना करते हुए कहा है कि इससे वैश्विक बाजारों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई अंतर्राष्ट्रीय बाजारों को प्रभावित करती रहेगी और इसके आर्थिक परिणाम दीर्घकालिक हो सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति अब भी अस्थिर है और संकट पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। पेस्कोव ने बताया कि ईरान के यूरेनियम को अपने पास रखने के रूस के प्रस्ताव अब भी जारी हैं और मॉस्को इस दिशा में सहयोग के लिए तैयार है। इसके अलावा, मीडिया रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि रूस, ईरान को अमेरिकी सेना की तैनाती से जुड़ी खुफिया जानकारी देने के साथ-साथ यूक्रेन में अपने संघर्ष से हासिल की गई ड्रोन से जुड़ी उन्नत रणनीतियां भी साझा कर रहा है। इन दावों की आधिकारिक तौर पर अभी तक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन ये दावे पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच सामने आए हैं। इस बीच, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने क्षेत्रीय नेताओं से बात. चीत कर कूटनीतिक समाधान की संभावनाओं पर जोर दिया है। राष्ट्रपति के सहयोगी निकोलाई पत्रुशेव ने नाटो पर 'सी शील्ड 2026' अभ्यास के जरिए काला सागर क्षेत्र में सैन्य ढांचे का विस्तार करने का आरोप लगाया है। पत्रुशेव ने कहा कि रूस का मुकाबला करने के उद्देश्य से किए जा रहे इन युद्धाभ्यासों के लिए रोमानिया को मुख्य आधार के तौर पर चुना गया है जो नाटो की क्षेत्रीय स्थिति को लेकर रूस की बढ़ती चिंता का संकेत है। पुतिन ने मॉस्को में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ बातचीत के दौरान, विश्वास व्यक्त किया कि हालिया उतार-चढ़ावों के बावजूद दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार को स्थिर करने और उसका विस्तार करने में सक्षम होंगे। वहीं, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ बैठक में पुतिन ने ऊर्जा, अंतरिक्ष, कृषि और फार्मा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की बात कही।

■ पश्चिम एशिया की स्थिति अब भी अस्थिर है और संकट पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है

अमेरिका में यू वीजा के लिए धोखाधड़ी के आरोप में 10 भारतीय नागरिक दोषी

बोस्टन। अमेरिका के बोस्टन में एक संघीय ग्रैंड जूरी ने 10 भारतीय नागरिकों को सुविधा स्टोरों में फर्जी सशस्त्र डकैती के मामले में दोषी ठहराया है। इन डकैतियों का मकसद स्टोर क्लर्कों को आव्रजन आवेदनों में पीड़ित के रूप में फर्जी दावा करने की अनुमति दिलाना था। आरोपियों पर मार्च 2026 में आरोप लगाए गए थे। अभियोग पत्र में प्रत्येक प्रतिवादी पर वीजा धोखाधड़ी करने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है जिसके लिए अधिकतम पांच साल की जेल, तीन साल की निगरानी में रिहाई और 250000 डॉलर का जुर्माना हो सकता है। मैसाचुसेट्स स्थित अटॉर्नी कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, सजा पूरी होने के बाद सभी को देश से निकाला जा सकता है।

पाकिस्तान को 46500 करोड़ की मदद देंगे सऊदी-कतर

इससे यूएई का 29000 करोड़ कर्ज चुकाएगा, पैसे लौटाने के लिए सिर्फ 11 दिन बाकी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान को सऊदी अरब और कतर से 5 अरब डालर (लगभग 46500 करोड़ रुपये) की वित्तीय मदद मिलेगी। यह मदद ऐसे समय में आ रही है, जब देश को इस महीने के अंत तक यूएई को 3.5 अरब डालर (लगभग 29000 करोड़ रुपये) चुकाने हैं। डान की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की कमजोर विदेशी मुद्रा स्थिति संभालने के लिए यह मदद अहम मानी जा रही है।

यूएई ने हाल ही में कर्ज रोलओवर की नीति में बदलाव किए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने अप्रैल तक यूएई का 3.5 अरब डालर का कर्ज चुकाने का फैसला किया। तय शेडयूल के मुता. बिक 23 अप्रैल तक पाकिस्तान को इस कर्ज की आखरी किस्त देनी है। इसका मतलब कर्ज चुकाने के लिए सिर्फ 11 दिन का समय बाकी है। इसके अलावा, अप्रैल में पाकिस्तान को कुल करीब 4.8 अरब डालर चुक. ाने हैं, जिसमें एक बड़ा बान्ड भी शामिल है। आईएमएफ ने पाकिस्तान की खराब आर्थिक स्थिति को संभालने के लिए 3 साल का प्रोग्राम शुरू किया है, जिसके तहत उसे करीब 7 अरब डालर की मदद मिलेगी। इसके बदले आईएमएफ ने शर्त रखी है कि पाकिस्तान के बड़े कर्जदाता सऊदी अरब, चीन और यूएई अपने कर्ज के पैसे 3 साल तक तक पाकिस्तान में ही रखेंगे, यानी वे पैसा वापस नहीं निकालेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आगे चलकर कतर, यूएई की जगह ले सकता है। यूएई ने हाल में कर्ज रोलआ. `वर की नीति बदलकर शार्ट-टर्म एक्सटेंशन शुरू कर दिया है, जिससे पाकिस्तान पर जल्दी भुगतान का दबाव बढ़ा। इसके बाद पाकिस्तान ने यूएई का 3.5 अरब डालर यानी करीब 29,000 करोड़ रुपये का कर्ज 11, 17 और 23 अप्रैल को अलग-अलग किस्तों में लौटाने का फैसला लिया। ये फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब देश के विदेशी मुद्रा भंडार का बड़ा हिस्सा पहले ही दूसरे देशों की मदद पर टिका है। कर्ज पाकिस्तान को अलग-अलग समय पर मिला था। यूएई ने 2018 में 2 अरब डालर का लोन दिया था, जिसे बार-बार बढ़ाया गया। 2023 में 1 अरब डालर और दिया गया था, ताकि पाकिस्तान आईएमएफ की शर्तें पूरी कर सके। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच साझेदारी काफी समय से चल रही है। इससे पहले पाकिस्तान के वित्त मंत्री औरंगजेब ने इस्लामाबाद में सऊदी के वित्त मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल्ला अल-जादान से मुलाकात की थी।

■ पाकिस्तान की कमजोर विदेशी मुद्रा स्थिति संभालने के लिए यह मदद अहम मानी जा रही है

ट्रम्प-पुतिन के समर्थन के बावजूद हंगरी में चुनाव हारे आर्बन

बुडापेस्ट। विक्टर आर्बन हंगरी का प्रधानमंत्री चुनाव हार गए हैं। वे 16 साल से सत्ता में थे। विपक्षी तिस्जा पार्टी के पीटर मग्यार अगले प्रधानमंत्री बनेंगे। मग्यार पहले आर्बन की पार्टी फिदेस से जुड़े थे, लेकिन पार्टी में भ्रष्टाचार के खिलाफ उनसे अलग हो गए थे।

आर्बन दुनिया के गिने-चुने नेताओं में हैं, जिनकी करीबी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से है। इस बार के चुनाव में करीब 80 प्रतिशत रिकॉर्ड वोटिंग हुई थी। नतीजों को बड़े राजनीतिक उलटफेर के रूप में देखा जा रहा है। इसका असर यूरोप और ग्लोबल राजनीति पर पड़ेगा। शुरुआती नतीजों में तिस्जा पार्टी ने 199 में 138 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं, आर्बन की फिदेस पार्टी को सिर्फ 55 सीटें ही मिली हैं। तिस्जा को करीब 53 प्रतिशत और फिदेस को करीब 37 प्रतिशत वोट मिले। इन चुनाव नतीजों के बाद हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में देर रात तक जश्न चलता रहा। डेन्यूब नदी किनारे हजारों लोग जुटे। कारों के हार्न, झंडे और नारेबा. जी के बीच जश्न चलता रहा। कई जगह लोगों ने रूसियों घर जाओ जैसे नारे लगाए।

■ 16 साल बाद सत्ता से बाहर, पुराने साथी पीटर मग्यार भारी बहुमत से जीते

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108